खबरों के 69 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump.com
पत्र नहीं मित्र
संपर्क करें : jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 21 अप्रैल 2025 | वर्ष – 69 | अंक – 156 पृष्ठ – 12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ न्यायपालिका को भी...
■ चीन के बाद अब... 04
■ बच्चों को अधिक होता है थायरॉयड कैंसर ...
■ सिगरेट पीने से पुरुषों में कम हो सकता है... 09
■ लहसुन की उन्नत खेती...
■ बकरी पालन से कम खर्च में होगा ... 11
■ राजस्थान रॉयल्स ...
■ आरसीबी ने पंजाब को ... 10

आईपीएल में आज

TATA IPL

कोलकाता
विरुद्ध
गुजरात
7.30 बजे से
कोलकाता

जम्मू कश्मीर में बादल फटने से तबाही

जान बचाकर भागते लोग

गर्दन तक मलवे धसा ट्रक

जम्मू,देशबन्धु। रामबन कस्बे में बादल फटने से 3 लोगों की मौत हो गई है। एक सौ से अधिक को बचाया गया है। कस्बे में भयानक तबाही का मंजर है। कई वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं जबकि जम्मू-श्रीनगर हाईवे पांच स्थानों से बह चुका है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रामबन कुलबीर सिंह ने पत्रकारों को बताया कि प्राकृतिक आपदा में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि जिले में 100 से अधिक लोगों को बचाया गया है। उन्होंने कहा कि कल रात से जिले में भारी बारिश हो रही है और बादल फटने और अचानक बाढ़ जैसी स्थिति के कारण रामबन जिले में स्थिति और खराब हो गई है। एसएसपी के मुताबिक, दो होटल, कुछ दुकानों और कुछ घरों को नुकसान पहुंचा है। राष्ट्रीय राजमार्ग कई स्थानों पर बंद है क्योंकि वह करीब पांच जगहों से बह चुका है। जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है, जिससे भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि धर्म कुंड गांव में अचानक आई बाढ़ के कारण करीब 40 मकान क्षतिग्रस्त हो गए. उन्होंने बताया कि एक जलाशय के उफान पर होने के कारण कई गाड़ियां बह गई। **मौसम साफ होने पर सफर की अपील** -रामबन जिले के बनिहाल इलाके में कई जगह लैंडस्लाइड हुई हैं। इसकी वजह से जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया है। सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं। किश्तवाड़-पद्दर मार्ग भी बंद है। यहां वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। अधिकारियों ने मौसम साफ होने के बाद ही हाईवे पर सफर करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री उमर ने जताया दुख-राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस त्रासदी पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा, रामबन में हुए दुखद भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से बेहद दुखी हूं, जिससे जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। मेरी संवेदनाएं प्रभावित परिवारों के साथ हैं।

- 3 की मौत, 100 से अधिक लोगों को बचाया
- रामबन में अचानक बादल फटने से बाढ़ जैसे हालात
- जम्मू-श्रीनगर हाईवे पांच स्थानों पर हुआ अवरुद्ध
- मलबे से कई वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए
- 40 से ज्यादा मकान पूरी तरह ध्वस्त हुए
- घायलों में कुछ की हालत नाजुक

सार संक्षेप

वेमुला अधिनियम प्रस्ताव पर सिद्दारमैया का राहुल को पत्र

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर शैक्षणिक संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव पर उनकी चिंताओं के प्रति एकजुटता व्यक्त की है और घोषणा की है कि उनकी सरकार इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए रोहित वेमुला के नाम पर एक मसौदा कानून तैयार कर रही है। शनिवार को राहुल गांधी को संबोधित एक पत्र में, सिद्दारमैया ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल के 16 अप्रैल को लिखे गए पिछले पत्र का जवाब दिया, जिसमें श्री राहुल ने बीआर अंबेडकर के साथ हुए भेदभाव और हाशिए पर पड़े समुदायों की निरंतर दुर्दशा का उल्लेख किया था।

वक्फ कानून के विरोध में कार्यक्रम आयोजित

रांची। झारखंड के रांची जिले मांडर प्रखंड में वक्फ कानून 2025 को रद्द करने की मांग को लेकर तहफ्फुज ए वक्फ कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व में मुड़मा मदरसा बगीचा में आयोजित कार्यक्रम में हजारों लोग ने वक्फ कानून को वापस लेने की मांग को लेकर शामिल हुए। लोग ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून 2025 मुस्लिम समुदाय के धार्मिक, सांस्कृतिक अधिकारों पर हमला है।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के नौ सदस्य गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के इंफाल घाटी जिलों में कई प्रतिबंधित संगठनों के नौ सदस्यों को पिछले 48 घंटों में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पंबेई) के दो कार्यकर्ताओं को शनिवार को इंफाल पूर्वी जिले के नोंग्दम गांव के पास नेपेटपल्ली एंड्रो रोड से गिरफ्तार किया गया।

मध्यप्रदेश के वन और वातावरण हैं चीतों के अनुकूल : मुख्यमंत्री

भोपाल,देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के गांधी सागर अभयारण्य में चीतों के छोड़े जाने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गाँधी सागर अभयारण्य में 2 चीते छोड़े जाने का अवसर प्रसन्नता का विषय है। इस लुप्त प्राय: प्रजाति के वन्य प्राणी को प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों से सितंबर 2022 में मध्यप्रदेश में पहली बार लाया गया था। अब इन चीतों का कुनबा बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदसौर जिले के गाँधी सागर अभयारण्य में 2 चीतों को छोड़ा जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। चीता प्रोजेक्ट मध्यप्रदेश की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि

गांधी सागर अभयारण्य में छोड़ गये 2 चीते

इस परियोजना का उद्देश्य भारत में चीतों की संख्या बढ़ाना और उनकी प्रजाति को बचाना है। इसमें हमें सफलता भी मिल रही है। गाँधी सागर अभयारण्य प्रदेश का दूसरा ऐसा स्थान है, जहाँ चीतों को बसाया जा रहा है। वन्य जीव पर्यटन की दृष्टि से आज एक ऐतिहासिक दिन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चीतों की संख्या बढ़ाने के लिए दक्षिण अफ्रीका, केन्या और बोत्सवाना से चीतों को लाकर मध्यप्रदेश के जंगलों में बसाया जा रहा है।

मध्यप्रदेश के वन और वातावरण चीतों के अनुकूल है। प्रदेश में कूनो के बाद गांधी सागर भी इनका घर बन रहा है। गाँधी सागर पश्चिमी मध्यप्रदेश में स्थित एक वन्य अभयारण्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अभयारण्य प्रदेश के उज्जैन संभाग में मंदसौर और नीमच जिले में फैला हुआ है।

कूनो नेशनल पार्क में हैं 26 चीते, बढ़ रहा कुनवा

श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में वर्तमान में 26 चीते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया के अन्य देशों में भी चीता पुनर्स्थापन के प्रयास हुए लेकिन उतनी सफलता नहीं मिल सकी। भारत में यह प्रोजेक्ट सफल हो रहा है। यहां चीतों की सर्वाइवल की दर अन्य देशों की अपेक्षा सर्वाधिक है।

जांच कमेटी ने कहा ...

जस्टिस वर्मा के आवास पर आग बुझाने के बाद मिली थी जली नकदी

दिल्ली,देशबन्धु। दिल्ली हाईकोर्ट के तत्कालीन जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर 14 मार्च को लगी आग की घटना जांच को लेकर गठित तीन सदस्यों की कमेटी ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा, डीसीपी देवेश महला और अन्य अधिकारियों से दो अहम सवाल पूछे हैं। नकदी जब्त करने के लिए कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई और आग लगने के दृश्य वाला वीडियो कर्मियों के फोन से क्यों हटा दिए गए।

एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, जांच कमेटी को बताया गया कि मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई थी और इसलिए नकदी जब्त नहीं की गई थी, लेकिन आग लगने की घटना को देखने वाले पुलिसवालों ने सही प्रोसेस का पालन किया और मामले को अपने वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाया। दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को 14 मार्च की रात को हुई घटना के बारे में जानकारी दी।

एक सूत्र ने बताया, 'जहां तक इस बात का सवाल है कि जलती हुई नकदी का वीडियो पहले प्रतिक्रिया देने वालों के मोबाइल फोन से क्यों हटा दिया गया, तो पैनल को बताया गया कि ऐसा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर किया गया था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह गलत हाथों में न पड़े।' समिति के सामने पुलिस अधिकारियों ने बताया कि किसी हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के जज के खिलाफ तब तक कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया जा सकता जब तक कि सरकार पहले सीजेआई से सलाह ना कर ले। जूनियर पुलिस अधिकारियों ने मामले को अपने वरिष्ठों तक पहुंचाया। उन्होंने फिर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय को जानकारी दी। इन्होंने सीजेआई संजीव खन्ना को जानकारी दी। यह भी पता चला है कि दिल्ली पुलिस और दिल्ली फायर चीफ अतुल गर्ग और दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने समिति को बताया है कि 14 मार्च की रात को जिस स्टोर रूम में आग लगी थी।

समिति ने इनके बयान दर्ज किए

अब तक पैनल ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जी.एस. संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की जस्टिस अनु शिवरामन सहित सभी पांच पुलिसकर्मियों के बयान दर्ज किए हैं। ये सभी वर्मा के आवास पर लगी आग की घटना के बाद सबसे पहले पहुंचने वाले लोगों में शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय को पिछले छह महीनों में जस्टिस वर्मा के आवास पर तैनात सुरक्षाकर्मियों, उसी वक्त के उनके कॉल डिटेल रिकॉर्ड और उसी वक्त के इंटरनेट प्रोटोकॉल डिटेल रिकॉर्ड का ब्योरा सौंपा है।

1 रुपये के नोट के चक्कर में 10 लाख की चपत

कैशियर के साथ ठगी

मुंबई। मुंबई के एक सरकारी बीमा कंपनी के कैशियर को जालसाजों ने एक रुपये के नोट के बदले भारी इनाम देने का झांसा देकर 10 लाख ज्यादा रुपये ऐंठ लिए।

एक अधिकारी के मुताबिक मुंबई के सांताक्रूज पश्चिम निवासी 45 वर्षीय शख्स ने पश्चिम क्षेत्र साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। बीमा कंपनी की चर्चगेट ब्रांच में काम करने वाले व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि 23 फरवरी को सोशल मीडिया पर रील देखते वक्त उसकी नजर एक विज्ञापन पर पड़ी। अधिकारी ने बताया कि विज्ञापन में एक रुपये का नोट लाने वाले को 4.53 लाख रुपये का इनाम देने का वादा किया गया था. इसमें एक व्हाट्सएप नंबर भी था।

पहले जमा कराए 6,160 रुपये-कैशियर ने व्हाट्सऐप नंबर पर एक रुपये के नोट की फोटो भेजी, जिसके बाद पंकज सिंह नाम के एक व्यक्ति ने उससे संपर्क किया. पंकज ने बताया कि वह सिक्कों की दुकान पर काम करता है. फोन करने वाले ने व्यक्ति से एक फॉर्म भरने को कहा और रजिस्ट्रेशन के लिए 6,160 रुपये जमा करवाए।

अधिकारी ने बताया कि कुछ वक्त बाद उसने शिकायतकर्ता को फिर से फोन किया और कहा कि पहले बताई गई राशि गलत है और उसे 6,107 रुपये ट्रांसफर करने होंगे. कॉल करने वाले ने ये भी वादा किया कि पहले ट्रांसफर की गई रकम वापस कर दी जाएगी। इसके बाद पंकज सिंह ने शिकायतकर्ता को एक अन्य व्यक्ति से मिलाया, जिसने खुद का परिचय अरुण शर्मा के रूप में दिया।

आरोपी ने भेजा आरबीआई का पत्र-अरुण ने पीड़ित को एक रुपये के नोट के बदले इनाम जीतने के बारे में आरबीआई से एक पत्र भेजा और दोनों ने कैशियर को बातों में उलझा लिया। विभिन्न बहानों से शिकायतकर्ता से 10.38 लाख रुपये वसूल लिए। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित कैशियर को अपने साथ ठगी का एहसास तब हुआ, जब आरोपी ने उससे कहा कि अगर वह 6 लाख रुपये और दे तो इनाम की राशि 25.56 लाख रुपये हो सकती है। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस से संपर्क किया।

निशिकांत दुबे के बयान से भाजपा का किनारा

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और पार्टी के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा की ओर से सुप्रीम कोर्ट और देश के मुख्य न्यायाधीश पर दिए गए बयान से भाजपा ने किनारा कर लिया है। दोनों नेताओं ने वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट की चल रही सुनवाई के संदर्भ में न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठाए। भारतीय जनता पार्टी ने इन बयानों से किनारा करते हुए इसे नेताओं की व्यक्तिगत राय करार दिया और ऐसी टिप्पणियों से बचने का निर्देश जारी किया। भाजपा ने इन दोनों नेताओं के बयान से दूरी बनाते हुए स्पष्ट किया कि पार्टी इसका समर्थन नहीं करती।

अखिलेश यादव का बड़ा ऐलान

2027 में कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ेंगे चुनाव, जारी रहेगा गठबंधन

लखनऊ, देशबन्धु। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने 2 साल बाद होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर बड़ा ऐलान किया है। रविवार को प्रयागराज में अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विपक्षी इंडिया गठबंधन जारी रहेगा। इसका मतलब कि यूपी में सपा और कांग्रेस का साथ बना रहेगा। मालूम हो कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव साल 2027 में होना है. इस चुनाव में अभी काफी समय बाकी है। लेकिन रविवार को यूपी के पूर्व सीएम और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बड़ा ऐलान करते हुए कि 2027 के चुनाव में सपा और कांग्रेस साथ-साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई-पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो-25 लाख इनाम के पाने के चक्कर में एक कैशियर को 10 लाख की चपत साइबर ठगों ने लगा दी ।
चुहिया- हां प्रिये-जगरूकता के तमाम प्रयासों पर जब लालच हावी होता है तो फिर जेब कटती ही है।

क्रूरता | प्ले स्कूल के नाम पर कैदखाना,नशा देकर सुलाये जाते हैं बच्चे!

अंधेरे कमरों में 72 मासूम, कोई जागा मिला तो होती है पिटाई

फरीदाबाद। आर्मी प्ले स्कूल के नाम पर बच्चों का कैदखाना मिला। यहां शनिवार को हुई दो साल के बच्चें की मौत के बाद गुरुवार को टीम ने छापा मारा तो पता चला कि यहां बच्चों का बचपन कुचला जा रहा है। टीम ने बच्चों से बातचीत की तो पता चला कि छोटी-छोटी गलतियों पर सर मुर्गा बनाकर पीटते हैं। कमरे की लाइट बंद कर जबरन सोने को कहा जाता है।

हरियाणा के फरीदाबाद स्थित पल्ला एरिया के प्ले स्कूल में बच्चों से क्रूरता, नशीला पदार्थ देने के मामले में प्ले स्कूल संचालक व अन्य के खिलाफ पल्ला थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। शुक्रवार को बाल कल्याण समिति के सदस्य की शिकायत पर ये एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि एफआईआर में जेजे एक्ट की धारा 75, 77 व बीएनएस की धारा 126, 127 (3)(4) लगाई गई हैं। इनमें जेजे एक्ट की धारा 77 सबसे गंभीर है जिसमें 7 साल तक की सजा व 1 लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान है। मामले में जांच की जा रही है।

स्कूल में मिला बासी आटा, खाना और एक्सपायर डेट की कोल्ड ड्रिंक

बच्चों ने बताया कि यहां उन्हें पीटा भी जाता है। स्कूल में बच्चों के हालात देखते हुए टीम ने डॉक्टरों की टीम को बुलवाया। कुछ बच्चों की हालत सही नहीं थी तो उन्हें अस्पताल भेजकर दाखिल करने को कहा गया। स्कूल में एक्सपायरी डेट की कोल्ड ड्रिंक, बासी गुंथा आटा और बासी खाना पाया गया। इसी के आधार पर पल्ला थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

नियमों को ताक पर रख चल रहा था स्कूल-बाल कल्याण समिति के सदस्य सुनील यादव ने पुलिस को शिकायत दी। जिसमें बताया गया कि 17 अप्रैल को बाल कल्याण समिति फरीदाबाद और बाल >>शेष पृष्ठ 2 पर

देश-विदेश

छत्तीसगढ़ में बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादले

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़े पैमाने पर भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों के तबादले किए हैं। गृह पुलिस विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कुल 20 आईपीएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस फेरबदल में 9 जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) और दो रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) बदले गए हैं। इसके अलावा, कई वरिष्ठ अधिकारियों को महत्वपूर्ण प्रशासनिक और सुरक्षा संबंधी जिम्मेदारियां दी गई हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

ईस्टर युद्धविराम एक दिखावा: जेलेंस्की

कीव(एजेंसियां)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के एक दिवसीय 'ईस्टर युद्धविराम' को दिखावा बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि यूक्रेन को अग्रिम मोर्चे पर नुकसान पहुंचाने के लिए मॉस्को की कोशिशें रात भर जारी रहीं।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, कुल मिलाकर, ईस्टर की सुबह तक हम कह सकते हैं कि रूसी सेना युद्धविराम की एक 'धारणा' बनाने की कोशिश कर रही है, लेकिन कुछ जगहों पर इसने आगे बढ़ाना और यूक्रेन को नुकसान पहुंचाने की कोशिश रोकी नहीं है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने दावा किया कि रविवार की सुबह यूक्रेनी सेना ने फ्रंट लाइन पर गोलाबारी की 59 घटनाएं और हमले के पांच प्रयासों की सूचना दी। उन्होंने कहा कि शनिवार शाम को गोलाबारी की सैकड़ों घटनाएं हुईं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा रूसी सेना की गोलाबारी और हमले जारी

यूक्रेन की सेना ने पुष्टि की कि अग्रिम मोर्चे पर गतिविधि कम हुई है, लेकिन लड़ाई बंद नहीं हुई। यूक्रेन के पूर्वी मोर्चे के सैन्य प्रवक्ता विक्टर त्रेहुबोव ने राष्ट्रीय टेलीविजन को बताया, यह कम हो रहा है, लेकिन गायब नहीं हुआ है। ईमानदारी से कहें तो हमें इस बात की बहुत उम्मीद नहीं थी कि ऐसा वास्तव में होगा। बता दें रूसी राष्ट्रपति ने शनिवार को यूक्रेन में ईस्टर के मौके पर एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की और रूसी सेना को शनिवार रात 8.30 बजे (आईएसटी) से रविवार के अंत तक युद्ध रोकने का आदेश दिया।

यूक्रेन ने एक हजार से अधिक बार 'ईस्टर युद्धविराम' तोड़ा : रूस

मॉस्को। रूस और यूक्रेन दोनों ने रविवार को एक दूसरे पर 30 घंटे के 'ईस्टर युद्धविराम' को तोड़ने का आरोप लगाया। मॉस्को ने रविवार को कहा कि यूक्रेन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 'ईस्टर युद्धविराम' का एक हजार से अधिक बार उल्लंघन किया। इसकी वजह से बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा और नागरिकों की मौत हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेनी सेना ने रूसी ठिकानों पर 444 बार गोलीबारी की, जबकि 900 से अधिक यूक्रेनी ड्रोन हमले हुए।

खड़गे ने बिहार में चुनावी रैली को किया संबोधित

बिहार को 'डबल इंजन' नहीं, एक ही 'पावरफुल इंजन' की जरूरत

बक्सर,(एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा और जदयू को घेरते हुए भाजपा पर झूठ बोलने और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बार-बार पाला बदलने का भी आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा और जदयू वाले 'डबल इंजन' की सरकार की बात करते हैं, लेकिन आज बिहार ह्यूमैन इंडेक्स के मामले में काफी नीचे है। उन्होंने कहा कि बिहार को 'डबल इंजन' नहीं, एक ही पावरफुल इंजन की जरूरत है, जो महागठबंधन का इंजन है। कांग्रेस नेता खरगे ने बिहार की एनडीए सरकार पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और नीतीश कुमार के बीच 'अवसरवादी' गठबंधन बिहार के लोगों के लिए अच्छा नहीं है।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम विभाजन की साजिश-उन्होंने कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने के लिए भाजपा-आरएसएस की साजिश है। उन्होंने नीतीश कुमार को निशाने पर लेते हुए कहा कि

वह 'इधर-उधर का खेल' खेलते रहते हैं। उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि बिहार को प्रगति, उन्नति और यहां के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए भाजपा को हटाएं, नीतीश कुमार को हटाएं।

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता अब बिहार की जनता को बहका नहीं सकते हैं। बिहार के लोग इनके बहकावे में इस बार के चुनाव में नहीं आने वाले हैं। उन्होंने लोगों को एक ऑडियो सुनाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने बिहार को एक लाख 25 हजार करोड़ का विशेष पैकेज देने का वादा किया था, लेकिन आज तक बिहार को कुछ भी नहीं मिला।

कांग्रेस पार्टी झुकेगी नहीं, लड़ाई लड़ेगी

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को झुकाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी झुकेगी नहीं। बिहार में महागठबंधन की सरकार बनाने का आह्वान करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि हमें संविधान को बचाने के लिए एकजुट रहना होगा और लड़ाई लड़नी होगी। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने कहा कि भाजपा झूठ बोलकर यहां तक पहुंच सकी है। आज बिहार ही नहीं, देश के लोग बेरोजगारी से त्रस्त हैं। कांग्रेस ने देश को आईआईएम, आईआईटी और एम्स दिए, लेकिन इन्होंने क्या बनाए? इन्होंने केवल झूठ की फैक्ट्री बनाई। ये देश को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी को एक बार झूठ बोलकर फंसा सकते हैं, लेकिन हमेशा के लिए गुमराह नहीं कर सकते। झूठ बोलकर सभी को मूर्ख नहीं बनाया जा सकता।

बाप-बेटे की हत्या मामले में जियाउल शेख गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के वक्फ संशोधन कानून के नाम पर प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा के दौरान बाप-बेटे की हत्या के मुख्य आरोपितों में से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि शमशेरगंज के जाफराबाद में दो लोगों की हत्या के मामले में यह चौथी गिरफ्तारी है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान जाफराबाद के पड़ोसी गांव सुलिताला पुरबापारा निवासी जियाउल शेख के रूप में हुई है। वह 12 अप्रैल से वारदात के बाद से ही फरार था।

जियाउल घर-घर घूम कर कपड़ा बेचने का कार्य करता था। ऐसे में उसने इस हत्या को क्यों अंजाम दिया इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि विशेष कार्य बल और विशेष जांच दल ने शेख को उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा स्थित उसके ठिकाने से शनिवार को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह व्यक्ति उन मुख्य आरोपियों में से एक है, जिन्होंने साजिश रचकर 12 अप्रैल को हरगोबिंदो दास और उसके बेटे चंदन दास के घर पर तोड़फोड़ करने और उनकी हत्या करने के लिए भीड़ को उकसाया था।

देश की अदालतों में करीब सात लाख मामलों में केंद्र पक्षकार

केंद्र से जुड़े मुकदमों को कम करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। कानून मंत्रालय ने कहा है कि जनहित में लिए गए फैसलों को अगर ठीक से लागू नहीं किया जाए, तो इससे लोगों को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ सकता है। इससे केंद्र सरकार पर कानूनी बोझ बढ़ता जाता है। मंत्रालय ने सरकार से जुड़े मुकदमों की संख्या को कम करने के लिए खास कदम उठाए हैं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, देश की अदालतों में करीब सात लाख मामलों में केंद्र सरकार एक पक्ष है। अकेले वित्त मंत्रालय ही लगभग 1.9 लाख मामलों में पक्षकार है। ये जानकारी कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने फरवरी महीने में राज्यसभा में दी थी।

-कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा
-बिना वजह की अपीलों को रोका जाएगा

कानून मंत्रालय के अनुसार, कई बार सरकार जनहित में फैसले तो लेती है, लेकिन उनका सही तरीके से लागू नहीं किया जाना या अस्पष्ट आदेश लोगों को परेशान करते हैं। इससे या तो लाभार्थियों को लाभ नहीं मिलता या फिर गलत लोगों को फायदा पहुंचता है। ऐसे में प्रभावित लोग इसे अन्याय मानकर अदालत में केस कर देते हैं। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए कानून मंत्रालय के विधिक कार्य विभाग ने सरकारी मुकदमों के प्रभावी प्रबंधन के लिए निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत बिना वजह की अपीलों को रोका जाएगा। नोटिफिकेशन और आदेशों में विसंगतियों को दूर किया जाएगा। इसके साथ ही कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। हर मंत्रालय को इन निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

मुकदमे नहीं, समाधान जरूरी-कानून मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सरकार के फैसलों का मकसद जनता की भलाई और सुशासन है। लेकिन जब फैसले ठीक से लागू नहीं होते, तो जनता को ही नुकसान होता है और सरकार पर मुकदमों का बोझ बढ़ता है। इसलिए मंत्रालय चाहता है कि नए निर्देशों से मुकदमे कम हों और प्रशासन बेहतर चले।

ममता ने खुला पत्र किया जारी

भाजपा और आरएसएस हमें बांटना चाहते हैं

कोलकाता(एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस ने पश्चिम बंगाल में दुर्भावनापूर्ण झूठा अभियान शुरू किया है। ममता ने शनिवार देर रात दो पेज का खुला पत्र जारी कर ये आरोप लगाए।

उन्होंने मुर्शिदाबाद हिंसा का जिक्र करते हुए कहा- ये ताकतें उकसावे पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना का इस्तेमाल बांटने वाली राजनीति के लिए कर रही हैं। ममता ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। साथ ही कहा कि बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक समुदायों को एक-दूसरे का ख्याल रखना चाहिए। उन्होंने लिखा- हम सांप्रदायिक दंगों की निंदा करते हैं और उन्हें रोकना चाहिए। दंगों के पीछे के अपराधियों

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने लोगों से शांति बनाए रखने का अपील

से सख्ती से निपटा जा रहा है। लेकिन, हमें आपसी अविश्वास से बचना चाहिए। वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ 11 अप्रैल को पश्चिम बंगाल के कई जिलों में विरोध प्रदर्शन हुए। 12-13 अप्रैल को प्रदर्शन हिंसक हो गए। इस दौरान पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई थी। शनिवार को राज्यपाल सीवी आनंद बोस भी मुर्शिदाबाद पहुंचे थे।

राज्य में झूठा अभियान शुरू किया- ममता ने पत्र में लिखा- भाजपा और उसके सहयोगी अचानक पश्चिम बंगाल में बहुत आक्रामक हो गए हैं। इन सहयोगियों में आरएसएस भी शामिल है। मैंने पहले आरएसएस का नाम नहीं लिया, लेकिन अब मुझे उनकी पहचान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इन सभी ने साथ मिलकर राज्य में एक दुर्भावनापूर्ण झूठा अभियान शुरू किया है।

चक्रवाती तूफान-बारिश की दस्तक!

70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

नईदिल्ली। अप्रैल के महीने में गर्मी, उमस और लू का प्रकोप देखने को मिल रहा है। हालांकि दिल्ली-एनसीआर में पिछले 2 दिन से आंधी-तूफान चलने और बारिश होने से गर्मी से राहत मिली है, लेकिन तापमान 39 और 25 डिग्री से ज्यादा बना हुआ है। आईएमडी के अनुसार, अगले 6 दिन दिल्लीवासियों को लू से राहत मिली रह सकती है। वहीं राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब सहित कई राज्यों में लू चलेगी।

दिल्ली में अगले 48 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में 2 से 4डिग्री की गिरावट देखने को मिल सकती है। उसके बाद 2-3 डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है। 22 अप्रैल से पूर्वोत्तर भारत के सभी 8 राज्यों में में भारी वर्षा का नया दौर शुरू होने की चेतावनी मौसम विभाग ने दी है। चक्रवाती हवाएं चल सकती हैं और भारी बारिश के साथ ओलावृष्टि होने का अलर्ट है।

देशभर में आगे ऐसा रहेगा तापमान

1. आईएमडी के अनुसार, अगले 2-3 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत (उत्तर प्रदेश को छोड़कर) में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी। उसके बाद 4 दिन तक 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि तापमान में होने की संभावना है।

21 राज्यों के लिए आईएमडी की चेतावनी

2. अगले 24 घंटों के दौरान उत्तर प्रदेश में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं आएगी। उसके बाद के 5 दिन के दौरान 2-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। अगले 5 दिनों के दौरान मध्य भारत में अधिकतम तापमान में कोई बदलाव होने की संभावना नहीं है।

3. अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में कोई बदलाव होने की संभावना नहीं है। उसके बाद 4 दिन तक 4-5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है।

4. अगले 3 दिनों के दौरान गुजरात में अधिकतम तापमान में 1-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। उसके बाद 4 दिन के दौरान 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है।

5. अगले 4-5 दिन के दौरान महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की संभावना है। अगले 3 दिन के दौरान दक्षिण भारत में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की संभावना है।

राज्यों में ऐसा रहेगा मौसम

आईएमडी के अनुसार, देश में पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। 21 अप्रैल के लिए जम्मू कश्मीर, लद्दाख में ऑरेंज अलर्ट रहेगा। बिजली कड़कने और तेज हवाएं (गति 50-60 किमी प्रति घंटा से 70 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है। 21-22-23 अप्रैल को विदर्भ और छत्तीसगढ़ में, 22 से 25 अप्रैल के बीच अरुणाचल प्रदेश और असम, मेघालय में भारी बारिश होने की संभावना है।

अगले 5 दिन तक केरल, माहे, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा में गरज चमक के साथ हल्की बारिश होने और 40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। तेलंगाना में 21 अप्रैल को गरज चमक के साथ हल्की बारिश होने और 40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे की स्पीड से हवाएं चलने की संभावना है।21-22-23 अप्रैल को बिहार में अलग-अलग स्थानों पर गर्म हवाएं चलने की संभावना है। 22 और 23 अप्रैल को गुजरात, 21 अप्रैल को तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।

डिपोर्टेशन, ट्रेड डील पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति से होगी चर्चा

नई दिल्ली,देशबन्धु। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस चार दिवसीय दौरे पर कल भारत आ रहे हैं। इस यात्रा के दौरान उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक होगी। इससे पहले कांग्रेस ने सवाल उठाया कि क्या पीएम अमेरिकी धरती से भारतीय नागरिकों के डिपोर्टेशन और मल्टीलेटरल ट्रेड सिस्टम की तबाही से पहले भारत की चिंताओं को उनके सामने पेश करेंगे।

कांग्रेस ने यह भी पूछा कि क्या पीएम भारतीय स्टूडेंट्स की चिंताओं पर चर्चा करेंगे? कई सवालों के साथ कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा कि क्या प्रधानमंत्री अमेरिका द्वारा पेरिस समझौता और विश्व स्वास्थ्य संगठन से वापसी पर भारत की चिंताओं को जाहिर करेंगे।

जयराम रमेश ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में सवाल किया कि क्या पीएम इस बात को भी स्पष्ट करेंगे कि अमेरिका द्वारा 2015 पेरिस क्लाइमेट चेंज डील से हटना भारत के करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए खतरा पैदा कर सकता है। जयराम रमेश ने आगे पूछा कि क्या पीएम मोदी अमेरिकी नेता के सामने यह जाहिर करेंगे कि भारत द्विपक्षीय व्यापार में किए जा रहे किसी भी बदलाव के खिलाफ अपने किसानों, उद्योगों और एमएसएमई को

जेडी वेंस के भारत दौरे से पहले कांग्रेस ने सरकार पर दागे सवाल

प्रभावित न होने देने के लिए प्रतिबद्ध है।

चार दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे जेडी वेंस-अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और तीन बच्चों के साथ सोमवार को चार दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं. वह दिल्ली में लैंड करेंगे. कल शाम को ही उनकी पीएम मोदी से मुलाकात होगी, जहां पीएम डिनर पर उनकी मेजबानी करेंगे। इनके अलावा दोनों नेताओं के बीच व्यापार, सुरक्षा और अन्य द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा होगी।

भारत-अमेरिका में कई मुद्दों पर होगी चर्चा-यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 60 देशों के खिलाफ टैरिफ का ऐलान किया था, जिनपर फिलहाल रोक लगा हुआ है. इस दौरान भारत और अमेरिका द्विपक्षीय ट्रेड डील पर बातचीत कर रहा है, और कई दौर की बातचीत हो चुकी है. जेडी वेंस की इस इस यात्रा के दौरान ट्रेड डील के मुद्दे पर चर्चा होने की उम्मीद है। इसमें टैरिफ और मार्केट रीच जैसे कई मुद्दे शामिल होंगे।

बहुउद्देशीय कृषि साख सह. समिति मर्या. केरपानी पं.क.129

- सूचना -

बहुउद्देशीय कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित केरपानी पं.क 129 में विशेष साधारण सभा की बैठक दिनांक 23/4/2025 दिन बुधवार को दोपहर 12 बजे पर संस्था कार्यालय में रखी गई है। विशेष साधारण सभा में अधिनयम की धारा 11(3) के अंतर्गत समिति का पुनर्गठन में चर्चा है। अतः समस्त सम्माननीय सदस्यों से आग्रह है कि निर्धारित दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

प्रशासक / समिति प्रबंधक, केरपानी पं.क. 129

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अंधेरे कमरों में ...संरक्षण इकाई फरीदाबाद की संयुक्त टीम ने पल्ला एरिया के प्ले स्कूल में निरीक्षण किया। ये कार्रवाई टीम ने 13 अप्रैल को अखबार में छपी प्ले स्कूल में 2 वर्ष के बच्चे की मृत्यु पर संज्ञान लेते हुए की। टीम ने प्ले स्कूल एंड डे केयर सरस्वती कॉलोनी शनि बाजार में निरीक्षण के दौरान पाया कि स्कूल, प्ले स्कूलों के लिए नियामक दिशा निर्देशों का उल्लंघन कर संचालित किया जा रहा है।

कुछ खिला-पिलाकर सुलाये गए बच्चे-आरोप है कि रिकॉर्ड के अनुसार स्कूल में बच्चों की कुल संख्या 103 है जो कि स्कूल के क्षेत्रफल के हिसाब से बहुत ज्यादा है। स्कूल संचालक पंकज ने स्कूल मान्यता से संबंधित कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया। टीम ने कमरे में 34 बच्चों को सोता हुआ पाया, कमरे के साइज के मुताबिक बच्चों की संख्या बहुत ज्यादा थी। सो रहे बच्चों को देखकर लगा कि बच्चों को कुछ खिला-पिला कर सुलाया गया है। स्कूल के ऊपर के दो कमरों में भी बच्चे सोते मिले।

सुरक्षा के नहीं थे इंतजाम, हाइजीन लेवल जीरो-टीम जब निरीक्षण के लिए स्कूल के दरवाजे पर पहुंची तो कई बार डोर बैल बजाने पर दरवाजा खोला गया। दरवाजा खोलने के बाद स्कूल संचालक ने टीम को निरीक्षण करने में बाधा पहुंचाई व जबरन रोकने का प्रयास किया। स्कूल में निरीक्षण के दौरान एक भी महिला स्टाफ नहीं मिला। स्कूल में कोई सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं थे। स्कूल में हाइजीन लेवल जीरो है। स्कूल में बच्चों ने बताया कि 16 से 18 बच्चे 24 घंटे रहते हैं।

प्लेस्कूल के नाम पर मासूमों का कुचला रहे थे बचपन-आर्मी प्ले स्कूल के नाम पर बच्चों का कैदखाना मिला। यहां शनिवार को हुई दो साल के बच्चे की मौत के बाद गुरुवार को टीम ने छापा मारा तो पता चला कि यहां बच्चों का बचपन कुचला जा रहा है। टीम ने बच्चों से बातचीत की तो पता चला कि छोटी-छोटी गलतियों पर सर मुर्गा बनाकर पीटते हैं। कमरे की लाइट बंद कर जबरन सोने को कहा जाता है। कोई जगा मिला तो उसे पीटा जाता है।

भारत के खिलाफ नई साजिश रच रहा बांग्लादेश, बॉर्डर के पास तटबंध से खड़ी हुई टेंशन

नईदिल्ली। सत्ता परिवर्तन के बाद से ही बांग्लादेश और भारत के बीच संबंध खराब होते जा रहे हैं। अब बांग्लादेश ने भारत के खिलाफ एक और साजिश रची है। वह दक्षिण त्रिपुरा में मुहुरी नदी के पास एक और तटबंध बना रहा है। इसकी वजह से सीमा से सटे शहरों में बाढ़ की आशंकाएं बढ़ गई हैं। बेलोनिया के सीपीएम विधायक दीपांकर सेन ने इस मुद्दे को उठाते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय से तुरंत इसमें हस्तक्षेप करने की मांग की है।एक रिपोर्ट के अनुसार, नदी पर बन रहा यह तटबंध डेढ़ किलोमीटर लंबा और 20 फीट ऊंचा है। सेन ने कहा कि इंदिरा-मुजीब समझौते के अनुसार, किसी भी देश को बॉर्डर के 150 गज के अंदर किसी भी तरह का निर्माण करने की अनुमति नहीं है। इस समझौते के बाद भी बॉर्डर से 50 गज की दूरी और कुछ जगह 10 गज की दूरी पर इस तटबंध का निर्माण किया जा रहा है। इसी समझौते के चलते दक्षिणी त्रिपुरा के इलाकों में बांग्लादेश की आपत्ति के बाद कई प्रोजेक्ट्स भी रोक दिए गए।

कार्यालय ग्राम पंचायत घोघरी नागन विकासखंड लखनादौन जिला सिवनी

निविदा आमंत्रण सूचना 2025- 26

ग्राम पंचायत घोघरी नागन के वित्तीय वर्ष 2025 -26 के लिए निर्माण कार्य में सामग्री सुधार सामग्री लेखन सामग्री 14वें वित 15वें वित पंच परमेश्वर मनरेगा पांच वा राज्य वित्त जन भागीदारी सांसद निधि विधायक निधि समग्र स्वच्छता आदिवासी विकास योजना मुद्रांक शुल्क योजना लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं समस्त निर्माण योजनाओं के कार्य हेतु सूची अनुसार सामग्री की आवश्यकता है रेत गिट्टी 20 एम एम 40एम एम ईट सीमेंट लोहा 6एम एम 8एम एम 10एम एम 12एम एम सेंटिंग प्लेट पानी टैंकर मुरम मिट्टी ट्रैक्टर ट्रॉली मिक्सर मशीन फर्नीचर दरवाजा खिड़की स्टेशनरी चैनल गेट बायबेटर जाली एंगल फेंसिंग तार कुदाडी तसला हावड़ा एनपी 3 पाईप 1000 -600 एम एम प्रति रनिंग मीटर जेसीबी मशीन रोलर इत्यादि सामग्री कार्य पर आने वाले अन्य निर्माण कार्य हेतु आवश्यकता सामग्री प्रतिदिन किराए पर उपरोक्त सामग्री हेतु निविदा बंद लिफाफे में 17/ 4/.25 से 24 /4./2025 तक ग्राम पंचायत द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है प्राप्त निविदा को ग्राम पंचायत की आगामी बैठक में खोली जावेगी निविदा की अन्य शर्तों का अवलोकन कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत घोघरी नागन में किया जावेगा।

सरपंच सचिव ग्राम पंचायत घोघरी नागन

कार्यालय ग्राम पंचायत मोहगांव नागन विकासखंड लखनादौन जिला सिवनी

निविदा आमंत्रण सूचना 2025- 26

ग्राम पंचायत मोहगांव नागन के वित्तीय वर्ष 2025 -26 के लिए निर्माण कार्य में सामग्री सुधार सामग्री लेखन सामग्री 14वें वित 15वें वित पंच परमेश्वर मनरेगा पांच वा राज्य वित्त जन भागीदारी सांसद निधि विधायक निधि समग्र स्वच्छता आदिवासी विकास योजना मुद्रांक शुल्क योजना लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं समस्त निर्माण योजनाओं के कार्य हेतु सूची अनुसार सामग्री की आवश्यकता है रेत गिट्टी 20 एम एम 40एम एम ईट सीमेंट लोहा 6एम एम 8एम एम 10एम एम 12एम एम सेंटिंग प्लेट पानी टैंकर मुरम मिट्टी ट्रैक्टर ट्रॉली मिक्सर मशीन फर्नीचर दरवाजा खिड़की स्टेशनरी चैनल गेट बायबेटर जाली एंगल फेंसिंग तार कुदाडी तसला हावड़ा एनपी 3 पाईप 1000 -600 एम एम प्रति रनिंग मीटर जेसीबी मशीन रोलर इत्यादि सामग्री कार्य पर आने वाले अन्य निर्माण कार्य हेतु आवश्यकता सामग्री प्रतिदिन किराए पर उपरोक्त सामग्री हेतु निविदा बंद लिफाफे में 17/ 4/.25 से 24 /4./2025 तक ग्राम पंचायत द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है प्राप्त निविदा को ग्राम पंचायत की आगामी बैठक में खोली जावेगी निविदा की अन्य शर्तों का अवलोकन कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत मोहगांव नागन में किया जावेगा।

सरपंच सचिव ग्राम पंचायत मोहगांव नागन

बहुउद्देशीय कृषि साख सह. समिति मर्या. सगरी पं.क. 130

-सूचना -

बहुउद्देशीय कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित केरपानी पं.क 129 में विशेष साधारण सभा की बैठक दिनांक 24/4/2025 दिन गुरुवार को दोपहर 12 बजे पर संस्था कार्यालय में रखी गई है। विशेष साधारण सभा में अधिनयम की धारा 11(3) के अंतर्गत समिति का पुनर्गठन में चर्चा है। अतः समस्त सम्माननीय सदस्यों से आग्रह है कि निर्धारित दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

प्रशासक / समिति प्रबंधक, सगरी पं.क. 130

देश-प्रदेश

उवाच

भाजपा को भू-माफिया पार्टी बताया

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव से जब 'इंडिया' गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोहराया, 'इंडिया' गठबंधन (मौजूदा) है और रहेगा।' उन्होंने कहा, 'भाजपा वक्फ संशोधन कानून लेकर आई है ताकि वह जमीन छीन सके। जहां भी उन्हें जमीन दिखती है, वे उस पर कब्जा कर लेते हैं।' उन्होंने भाजपा को 'भू-माफिया पार्टी' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि वह वक्फ (संशोधन) कानून के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है। यादव ने प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन के संबंध में भाजपा की कार्यप्रणाली की भी आलोचना की तथा वादा किया कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो 'कुप्रबंधन' की जांच कराई जाएगी।

ग्वालियर क्राइम ब्रांच ने किया गिरोह का पर्दाफाश

ढाई करोड़ की सायबर ठगी में नागदा से 6 गिरफ्तार

बंधन बैंक की पूर्व महिला अधिकारी को भी हिरासत लिया

नागदा, देशबन्धु। उज्जैन जिले के नागदा में डिजीटल अरेस्ट मामले के गिरोह का पर्दाफाश किया है। ग्वालियर क्राइम ब्रांच की टीम ने इस मामले में 6 गिरफ्तार आरोपियों को पकड़ा हैं। इनमें बंधन बैंक की एक पूर्व महिला अधिकारी भी शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने ग्वालियर स्थित रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी सुदिप्तानंद को 26 दिन तक डिजिटल अरेस्ट में रखकर, उनसे 2 करोड़ 50 लाख की सायबर ठगी की गई थी। इस मामले की जांच कर रही ग्वालियर क्राईम की टीम शनिवार रात यहां आई और टीम द्वारा 6 लोगों को गिरपतार किया। जिसमें एक युवती को भी हिरासत में लिया गया, जो कि बंधन बैंक नागदा की पूर्व अधिकारी है। ग्वालियर क्राइम ब्रांच की टीम के रतन सिंह राठौड़ ने मीडिया को जानकारी दी कि इन आरोपियों के बैंक खातों में डिजिटल अरेस्ट के शिकार हुए स्वामी के खाते से करीब ढाई करोड़ की राशि का कुछ हिस्सा इन 6 आरोपियों के बैंक खातों से मिला है। बताया गया कि फिलहाल ठगी का मुख्य सरगना उदय पिता महेंद्र कुमार नागदा अभी फरार है। इस मामले में काजल की मुख्य भूमिका सामने आई है। वह यहां बंधन बैंक शाखा नागदा में पदस्थ रह चुकी हैं। इनके बैंक खातों में 9 लाख 90 हजार का ट्रांजेक्शन होने की बात सामने आई है। इस पूरे मामले का भंडाफोड़ इस सुराग से हुआ कि मुख्य आरोपी उदय कुमार के व्हाटस एप्प की चेटिंग से खुलासा हुआ।

उदय के व्हाटस चेटिंग में रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी को डिजिटल अरेस्ट में रखकर ढाई करोड़ की ठगी के ट्रांजेशन के कुछ हिस्से के बारे में जानकारी लगी है।

इन आरोपियों को पकड़ा

थाना प्रभारी नागदा अमृतलाल गवली के मुताबिक क्राइम ब्रांच टीम ने राहुल पिता किशोर कहार (22) निवासी चेतनपुरा नागदा, तुषार पिता हेमंत गामे (26) श्रीराम कॉलोनी नागदा, करण पिता महेंद्र विनाग्या (19), शुभम पिता प्रहलाद राठौड़ (23), विश्वजीत पिता कानुलाल बार्मन (42) लोनेड सिटी रतलाम और काजल पुत्री राजेश जायसवाल (27) निवासी इंदिरा नगर उज्जैन को हिरासत में लिया गया।

मुख्यमंत्री ने मैदानी अधिकारियों को दिए निर्देश

नागरिकों को मिले आवश्यक सेवाएं, कानून व्यवस्था पर रखें नजर

भोपाल, देशबन्धु। चमुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनकल्याण के लिए अधिकारी मैदान में उतरें। नागरिकों को आवश्यक सेवाएं प्रदान कर, सुशासन की दिशा में अपना प्रभावी योगदान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शानिवार रात मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के कलेक्टर्स-कमिश्नर्स, एसपी, आईजी से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी जिलों में उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी कानून व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखें। पुलिस व्यवस्था चाक-चौबंद रहे। आमजन से अधिकारी-कर्मचारी का

व्यवहार विनम्र और अच्छा हो। कार्यालयों में आने वाले नागरिक को समाधान प्राप्त हो।

पराली नियंत्रण: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खेतों में पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए जागरूकता बढ़ाई जाए। किसानों को सुपर सीडर और हैप्पी सीडर जैसे उपकरण अधिक संख्या में उपलब्ध करवाए जाएं। इससे किसानों को पराली जलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और उनका समय भी बचेगा।

स्वास्थ्य का ध्यान रखें नागरिक: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों को ग्रीष्मकाल में स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए आवश्यक प्रचार-प्रसार किया जाए। आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहें। बाजार में संक्रमित फल न बिकें, उस पर नजर रखी जाए। सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों और संभागों में सभी अधिकारी पारदर्शिता, नवाचार, परिश्रम से कार्य करते हुए नागरिकों को लाभान्वित करने के लिए सक्रिय रहें। वीसी में मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

17 वीं विज्ञान मंथन यात्रा का आयोजन आज से

भावी वैज्ञानिकों से मुख्यमंत्री करेंगे संवाद

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् की 17 वीं विज्ञान मंथन यात्रा के लिए चयनित प्रतिभाशाली भावी वैज्ञानिकों से सोमवार को संवाद करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री निवास में शाम 7 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रा पर जाने वाले भावी वैज्ञानिको को सम्मानित करेंगे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव विज्ञान मंथन यात्रा का फ्लैग ऑफ भी करेंगे। इस अवसर पर वैज्ञानिक संस्थानों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों उपस्थिति रहेंगे। 17वीं विज्ञान मंथन यात्रा 21 से 27 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। योजना में चयनित प्रतिभागियों को देश की प्रतिष्ठित

प्रदेश के 375 छात्र-छात्राओं का चयन

प्रयोशालाओं और समर्पित वैज्ञानिकों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। यात्रा उपरांत परिषद् द्वारा आयोजित स्कॉलरशिप परीक्षा में भाग लेने का अवसर मिलेगा। परीक्षा में सफल होने वाले प्रत्येक कक्षा के 20 चयनित विद्यार्थियों को 5 वर्षों तक 12 हजार रुपए प्रति वर्ष की स्कॉलरशिप प्रदान की जायेगी। यात्रा के लिए इस वर्ष कक्षा 10वीं से 12वीं विज्ञान विषय में अध्यनरत पूरे प्रदेश के कुल 375 छात्र-छत्राओ का चयन किया गया है। चयन प्रक्रिया में प्रदेश को 5 विभिन्न जोन में बांटकर प्रत्येक जोन से 75 प्रतिभागियों का चयन किया गया है। परियोजना प्रभारी डॉ. विवेक कटारे के अनुसार इन प्रतिभागियों का चयन प्रदेश स्तर पर पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित कर किया गया है। उन्होंने बताया कि कक्षा 10वीं के 49 छात्राओं एवं 76 छात्रों, कक्षा 11वीं के 54 छात्राएं तथा 71 छात्रों और कक्षा 12वीं के 48 छात्राएं तथा 77 छात्रों का चयन किया गया है।

इन छात्र-छात्राओं के उपयोगी मार्गदर्शन के लिये प्रदेश के विज्ञान विषय के 33 शिक्षकों का भी चयन किया गया है। सोमवार को प्रदेश भर से सभी चयनित विद्यार्थी प्रौद्योगिकी परिषद के नेहरू नगर स्थित मुख्यालय में प्रात: 9 बजे उपस्थित होंगे।

कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर साधा निशाना

प्रदेश में 27 फिसदी आरक्षण लागू करने की मांग

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने ओबीसी आरक्षण और कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कथित अत्याचार को लेकर मोहन यादव सरकार पर तीखा हमला बोला है। श्री पटवारी ने आज मीडिया से चर्चा करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 18 साल तक ओबीसी वर्ग ने शिवराज को मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन उन्होंने ओबीसी के साथ पाप किया। पिछले डेढ़ साल से मोहन यादव मुख्यमंत्री हैं और अब वह भी इस पाप के भागीदार बन रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार कोर्ट का हवाला देती है, लेकिन उनके वकील प्रशांत सिंह मामले में सही तरीके से पक्ष नहीं रखते, जिससे आरक्षण लागू नहीं हो पा रहा।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ओबीसी समुदाय के 27 प्रतिशत आरक्षण को लागू नहीं करना चाहती और पीछे के रास्ते से इसे रोक रही है। पटवारी ने कहा कि चाहे पुलिस भर्ती हो या सब-इंजीनियर की, सरकार ने 27 प्रतिशत आरक्षण पर रोक लगा दी है। पटवारी ने घोषणा की कि वह मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर मांग करेंगे कि जातिगत जनगणना कराई जाए और ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण तुरंत लागू किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मांगें नहीं मानी गई तो ओबीसी महासभा के साथ मिलकर कांग्रेस कोर्ट से लेकर सड़क तक संघर्ष करेगी।

उन्होंने यह भी दावा किया कि आरक्षण न मिलने और सरकारी भर्तियों में रुकावट के कारण 22 लोग आत्महत्या कर चुके हैं, जो सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है। इंदौर में कांग्रेस नेता चिंटू चौकसे की गिरफ्तारी पर पटवारी ने भाजपा पर लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जिला प्रशासन और पुलिस भाजपा के लिए काम कर रहे हैं।

पूरे प्रदेश में हमारे कार्यकर्ताओं को परेशान किया जा रहा है और झूठे केस लगाए जा रहे हैं। चिंटू चौकसे को जेल भेजकर हमें डराया नहीं जा सकता। उन्होंने इस मामले में डीजीपी से मुलाकात करने की बात कही। पटवारी ने कार्यकर्ताओं से एकजुट रहने और अन्याय के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ओबीसी के हक और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर मंच पर संघर्ष करेगी। गुना के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के तबादले पर भी पटवारी ने सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार का चाल, चरित्र और चेहरा सामने आ चुका है। यह सरकार एसपी और कलेक्टर को अपना नौकर बनाना चाहती है। मैं इस तबादले की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं।

निशिकांत दुबे पर होगा एक्शन?

अवमानना की कार्रवाई के लिए अटॉर्नी जनरल को लिखी गई चिट्ठी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट पर बयान देकर बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे बुरा फंस गए हैं। अब माना जा रहा है कि उनके खिलाफ कोर्ट की अमानना की कार्रवाई हो सकती है, अटॉर्नी जनरल को इस सिलसिले में एक चिट्ठी भी लिख दी गई है। अब जैसा बयान दिया गया है, जानकार मानते हैं कि पूरी संभावना है कि निशिकांत दुबे के खिलाफ कोई एक्शन हो जाए, उनकी मुश्किलें बढ़ जाएं।

असल में कानून कहता है कि कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट एक्ट, 1971 की धाएरा 15 बी के तहत अगर अटॉर्नी जनरल या सॉलिसिटर जनरल से कार्रवाई की परमीशन मिल जाए, उस स्थिति में सुपीम कोर्ट की अवमानना की कार्यवाही संभव है। अब जानकारी के लिए बता दें कि बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट के कुछ हाल के फैसलों को लेकर काफी नाराजगी व्यक्त की है। उन्हें ऐसा लगता है कि अदालत सरकार के काम में हस्तक्षेप कर रही है।

असल में कुछ दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक आदेश में राष्ट्रपति तक को नसीहत दी थी, कहा था कि तीन महीने से ज्यादा किसी बिल को नहीं रोकना चाहिए। उसी नसीहत को लेकर निशिकांत दुबे ने निशाना साधा था, उन्होंने इसे संविधान तक के खिलाफ बता दिया था।निशिकांत दुबे ने कहा था कि देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। उन्होंने कहा था, सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमा से बाहर जा रहा है। अगर हर बात के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना है तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर दिया जाना चाहिए। दुबे ने कहा था कि देश में जितने गृह युद्ध हो रहे हैं उसके जिम्मेदार केवल सीजेआई संजीव खन्ना हैं। बीजेपी के एक और सांसद दिनेश शर्मा ने कहा था कि कोई भी राष्ट्रपति को चुनौती नहीं दे सकता क्योंकि राष्ट्रपति सर्वोच्च हैं।

मेरठ : ममता बनर्जी के पुतला दहन को लेकर हंगामा, महिलाओं ने दारोगा की टोपी उछाली

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में रविवार को कमिश्नरी चौराहे पर हिंदू स्वाभिमान परिषद के कार्यकर्ताओं और महिलाओं ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ प्रदर्शन कर हंगामा मचाया. प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी का पुतला फूंकने की कोशिश की, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया।

इस दौरान यहां तनावपूर्ण हालात पैदा हो गए।प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ममता बनर्जी की हालिया नीतियां और बयान उन्हें अस्वीकार्य हैं, और आरोप लगाया कि वह हिंदुओं के अधिकारों की अनदेखी करती हैं. प्रदर्शन के दौरान, जब पुलिस ने पुतला फूंकने से रोका, तो प्रदर्शन में शामिल महिलाओं और कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ धक्कामुक्की की। विरोध में एक महिला ने गुस्से में दारोगा की सरकारी टोपी उछाल दी. इनके अलावा, कुछ महिलाओं ने पुलिसकर्मियों को चूड़ियां दिखाकर अपमानित करने की कोशिश की. इस पूरी घटना में धक्का-मुक्की और पुलिस से अभद्रता की घटनाएं भी सामने आईं।

चाइल्ड कन्जर्वेशन फाउंडेशन के 2 दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का समापन

बच्चों का स्वास्थ्य, उनका पोषण और सुरक्षित वातावरण हमारी प्राथमिकता हो : पटेल

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश शासन के मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि चाइल्ड कन्जर्वेशन फाउंडेशन की स्थापना जिन मूल विचारों और कार्यपद्धति के साथ हुई थी, वह आज अपने लक्ष्यों की ओर दृढ़ता से अग्रसर है। संस्था का उद्देश्य केवल बच्चों की रक्षा करना ही नहीं, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास को भी सुनिश्चित करना है और यही सोच संस्था को समाज में एक विशिष्ट स्थान दिला रही है। यदि हम बच्चों के संरक्षण और संवर्धन के लिए काम कर रहे हैं, तो यह हमारी जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ जाती है। बच्चों का स्वास्थ्य, उनका पोषण, और उनका सुरक्षित वातावरण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह बात प्रदेश शासन के मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने चाइल्ड कन्जर्वेशन फाउंडेशन द्वारा रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, भोपाल में आयोजित 2 दिवसीय 250 वें राष्ट्रीय वेबिनार के समापन पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो प्रयास किए जा रहे हैं, यदि उसमें संस्था का योगदान भी जुड़े, तो यह प्रयास और अधिक प्रभावशाली हो सकते हैं। वर्तमान में राष्ट्रीय स्तर पर बच्चों के स्वास्थ्य और विकास को लेकर कई योजनाएं और मिशन सक्रिय हैं। जब निस्वार्थ भाव से सेवा की जाती है, तो उसके सार्थक परिणाम अवश्य सामने आते हैं। श्री शर्मा ने कहा कि सेवा अधिकतर शासकीय संस्थान व विभाग करते हैं, लेकिन जब कोई गैर-सरकारी संस्था उसी दिशा में कदम बढ़ाती है, तो समाज में एक अलग प्रकार का सकारात्मक परिवर्तन देखा जा सकता है। यह प्रयास न केवल बच्चों का वर्तमान सुधारने की दिशा में है, बल्कि भविष्य की एक स्वस्थ और सशक्त पीढ़ी के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।श्री पटेल ने कहा कि आज श्रेष्ठ विचारों के साथ काम करने वालों की संख्या कम होती जा रही है, लेकिन अगर हम सब मिलकर काम करें, तो न केवल समाज बदलेगा, बल्कि बच्चों का भविष्य भी उज्जवल होगा।

वहीं चाइल्ड कन्जर्वेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र शर्मा ने कहा कि आज जब कोई व्यक्ति बच्चों को प्रलोभन देता है, तो बच्चे यह नहीं समझ पाते कि उनके साथ क्या हो रहा है। ऐसे में बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि यह एक 'लालच' है जो उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। अगर कोई व्यक्ति इंटरनेट पर जाकर कानून की धाराओं को पढ़े, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार की खरीद-फरोख्त, प्रलोभन या शोषण एक गंभीर अपराध है। पॉस्को एक्ट, बाल श्रम निषेध कानून और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट जैसी विधिक व्यवस्थाएं बच्चों की सुरक्षा के लिए बनाई गई हैं, जिनका पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि मानवता कहां जा रही है। जिस उम्र में बच्चों को शिक्षा और स्नेह मिलना चाहिए, वहां उनके साथ व्यापार जैसा व्यवहार हो रहा है। इसे रोकना हम सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान 250 वेबिनार में वक्ता के रूप में शामिल हुए विषय विशेषज्ञों व संस्था के पदाधिकारियों का सम्मान गया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के सचिव डॉ. कृपाशंकर चौबे ने किया, जबकि आभार अरविन्द खुरानिया ने माना।

8 साल से 15 लाख के लैपटॉप की रखवाली कर रहे 2 कांस्टेबल, सुरक्षा पर खर्च हो चुके 53.76 लाख

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के राजकीय इंटर कॉलेज में अधिकारियों की लापरवाही की एक ऐसी कहानी सामने आई है जो सिस्टम की सुस्ती और संसाधनों की बर्बादी का बड़ा उदाहरण बन चुकी है. यहां साल 2016 में समाजवादी सरकार के समय आए 73 लैपटॉप पिछले आठ वर्षों से एक कमरे में बंद हैं. इन लैपटॉप की सुरक्षा के लिए दो सिपाही हर दिन कॉलेज में तैनात रहते हैं. अब तक उनकी ड्यूटी पर सरकार का करीब 53.76 लाख रुपये खर्च हो चुका है, जबकि लैपटॉप की कुल कीमत सिर्फ 14.60 लाख रुपये थी.

समाजवादी पार्टी सरकार ने मेधावी छात्रों को लैपटॉप देने की योजना शुरू की थी. उसी के तहत ये लैपटॉप जिले के नोडल सेंटर के रूप में चयनित राजकीय इंटर कॉलेज में भेजे गए थे. दिसंबर 2016 तक वितरण चलता रहा, लेकिन जनवरी 2017 में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होते ही वितरण पर रोक लगा दी गई और कॉलेज के कमरा नंबर 16 को सील कर दिया गया. सील लगने के बाद से अब तक यह कमरा नहीं खुला है. दो सिपाही लगातार इसकी निगरानी में लगे हैं और इसे 'लैपटॉप ड्यूटी' कहा जाने लगा है. पहले सिपाही स्थायी रूप से तैनात रहते थे, अब उन्हें हर महीने रोटेशन में बदला जाता है.

लैपटॉप ड्यूटी बनी मजाक-कॉलेज के प्रधानाचार्य ओपी राय ने कहा कि लंबे समय से तैनात सिपाहियों ने अब स्कूल का एक खाली कमरा भी अपने उपयोग में ले लिया है, जहां वे आराम करते हैं. विभागीय सूत्रों के मुताबिक नए भर्ती हुए सिपाहियों को यहां भेजा जाता है और हर एक सिपाही को औसतन 28 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता है. दो सिपाहियों का सालाना वेतन 6.72 लाख रुपये बैठता है, यानी अब तक आठ साल में करीब 54 लाख रुपये सिर्फ रखवाली पर खर्च हो चुके हैं.

डीआईओएस ने झाड़ापल्ला-जब इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक अजीत कुमार से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि 2017 में तत्कालीन डीआईओएस ने शासन को एक पत्र भेजा था. लेकिन उसके बाद न कोई जवाब आया और न ही किसी अधिकारी ने दोबारा इस दिशा में कोई प्रयास किया. अब पूरा मामला फाइलों में दफन होकर रह गया है. तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि इतने सालों तक बिना उपयोग के बंद रहने से ये लैपटॉप शायद ही अब काम लायक बचे हों. एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष प्रो. एसएस बेदी ने बताया कि इतने लंबे समय तक बंद रहने से बैटरियां पूरी तरह खराब हो सकती हैं. साथ ही, इन लैपटॉप्स में पुराना ऑपरेटिंग सिस्टम है, जिसे अब सपोर्ट नहीं किया जाता.

लैपटॉप की विशेषताएं भी बन गई मजाक का कारण-इन लैपटॉप्स की एक खास बात यह थी कि जैसे ही इन्हें ऑन किया जाता, स्क्रीन पर अखिलेश यादव और मुलायम सिंह यादव की तस्वीर दिखाई देती थी. हर लैपटॉप में 2 जीबी रैम और 500 जीबी हार्ड डिस्क थी. अनुमानित कीमत 20 हजार रुपये प्रति यूनिट बताई गई थी. अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि आखिर ये लैपटॉप कब छात्रों तक पहुंचेंगे? कब शासन कोई ठोस निर्देश देगा और दो सिपाही कब तक इस 'लैपटॉप ड्यूटी' में अपना समय और सरकारी पैसे की बर्बादी करते रहेंगे।

जबलपुर, सोमवार 21 अप्रैल 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

न्यायपालिका, मुख्य न्यायाधीश, संविधान और लोकतंत्र की अवमानना

भारत के लोकतंत्र और संविधान पर सत्तारुढ़ भाजपा की तरफ से लगातार प्रहार हो रहे हैं। कभी विपक्ष तो कभी न्यायपालिका इन प्रहारों के सामने ढाल बनकर खड़े हो रहे हैं, ताकि भारत की इस अनमोल धरोहर को बचाकर रखा जाए। लेकिन अब भाजपा ने विपक्ष के साथ-साथ न्यायपालिका को भी अपनी नफरती सोच और जुबान का निशाना बनाया है। बीते गुरुवार भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शीर्ष अदालत पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि ''हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें।...समय आ गया है जब हमारी तीन संस्थाएं - विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका फूलें-फलें... किसी एक की ओर से दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप चुनौती पैदा करता है, जो अच्छी बात नहीं है।'' श्री धनखड़ ने यह टिप्पणी सर्वोच्च न्यायालय के 'तमिलनाडु राज्य बनाम राज्यपाल' फ़ैसले की आलोचना करते हुए की थी। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद-142 का इस्तेमाल करके वर्षों से लंबित 10 विधेयकों को राष्ट्रपति की 'अनुमति प्रदान की गई' मानकर पारित कर दिया। हालांकि श्री धनखड़ की इस टिप्पणी का एक कारण वक्फ संशोधन अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट के सरकार से सवाल भी हो सकते हैं। क्योंकि इस अधिनियम के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने केंद्र सरकार से ऐसे सवाल किए जो भाजपा को नागवार गुजर रहे हैं।

जगदीप धनखड़ की टिप्पणी के बाद झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शीर्ष अदालत और मुख्य न्यायाधीश पर बेहद गंभीर आरोप लगाए, उन्होंने कहा कि, च्देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट ज़िम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमा से बाहर जा रहा है। अगर हर बात के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना है, तो संसद और विधानसभा का कोई मतलब नहीं है, इसे बंद कर देना चाहिए।ज् इसके साथ ही उन्होंने कहा, च्इस देश में जितने गृह युद्ध हो रहे हैं उसके ज़िम्मेदार केवल चीफ़ जस्टिस ऑफ़ इंडिया संजीव खन्ना साहब हैं।ज् इसके बाद भाजपा के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि भारत के संविधान के अनुसार, कोई भी लोकसभा और राज्यसभा को निर्देशित नहीं कर सकता है।

भाजपा के दो-दो सांसदों ने सीधे सर्वोच्च न्यायालय की ईमानदारी, लोकतंत्र और संविधान के लिए प्रतिबद्धता और एकनिष्ठता पर सवाल उठाए, लेकिन भाजपा ने इन पंक्तियों के लिखे जाने तक इन दोनों पर कोई कार्रवाई नहीं की है, न ही प्रधानमंत्री या गृहमंत्री की तरफ से कोई खेद का वक्तव्य आया है। क्योंकि निशिकांत दुबे ने अगर सीजेआई संजीव खन्ना पर गृहयुद्ध भड़काने का आरोप लगाया है, तो उन्हें इसके सबूत देने चाहिए कि देश के कौन से हिस्से में उन्होंने गृहयुद्ध देखा है और गृहमंत्री, प्रधानमंत्री को यह गृहयुद्ध क्यों नहीं दिखा, अगर दिखा तो इसे रोकने के लिए उन्होंने क्या किया।

जाहिर है निशिकांत दुबे ने भाजपा आलाकमान के संरक्षण में ही ऐसे गंभीर आरोप लगाए हैं, हालांकि इस पर विपक्ष ने जब जवाबी हमले शुरु किए तो भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की सफाई आ गई कि पार्टी का इस बयान से कोई लेना देना नहीं है। जेपी नड्डा ने एक्स पर इसको लेकर लिखा, च्बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा का न्यायपालिका एवं देश के चीफ़ जस्टिस पर दिए गए बयान से भारतीय जनता पार्टी का कोई लेनाङ्कदेना नहीं है. यह इनका व्यक्तिगत बयान है, लेकिन बीजेपी ऐसे बयानों से न तो कोई इत्तेफाक रखती है और न ही कभी भी ऐसे बयानों का समर्थन करती है. बीजेपी इन बयान को सिरे से खारिज करती है.ज्

उन्होंने लिखा, च्भारतीय जनता पार्टी ने सदैव ही न्यायपालिका का सम्मान किया है, उनके आदेशों और सुझावों को सहर्ष स्वीकार किया है क्योंकि, एक पार्टी के नाते हमारा मानना है कि सर्वोच्च न्यायालय सहित देश की सभी अदालतें हमारे लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं तथा संविधान के संरक्षण का मजबूत आधार स्तंभ हैं. मैंने इन दोनों को और सभी को ऐसे बयान ना देने के लिए निर्देशित किया है।ज्

लेकिन श्री नड्डा के इस निर्देश के कुछ देर बाद निशिकांत दुबे का एक और बयान आ गया, जिसमें उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाय कुरैशी को च्चुनाव आयुक्त नहीं, मुस्लिम आयुक्तज् क़रार दिया और लिखा, च्आपके कार्यकाल में संथालपरगना में मतदाता सूची में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बड़े पैमाने पर जोड़ा गया।ज् दरअसल एस वाय कुरैशी ने भी वक्फ संशोधन अधिनियम की आलोचना की थी, जिस पर निशिकांत दुबे ने बेतुके आरोप उन पर लगाए।

दरअसल ये सारी प्रतिक्रियाएं बता रही हैं कि सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में भाजपा के मनमुताबिक माहौल नहीं बना, तो भाजपा बौखला गई है। भाजपा यह समझना नहीं चाहती कि कोई भी राजनैतिक दल चाहे कितना भी शक्तिशाली हो या उसे बड़ा बहुमत मिला हो, लेकिन उसे भारत के लोगों के मौलिक अधिकारों के हनन का अधिकार नहीं मिल सकता। अगर सरकार ऐसा करती है तो फिर संविधान का अभिरक्षक होने के नाते सर्वोच्च न्यायालय का काम उसे रोकना है। इस समय शीर्ष अदालत इसी कर्तव्य को निभा रही है। बुलडोजर न्याय से लेकर नफरती भाषण, इलेक्टोरल बॉंड, चंडीगढ़ मेयर चुनाव में धांधली, राज्यपालों द्वारा शक्ति का दुरुपयोग ऐसे कई मामलों में सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान की कसौटी पर मुद्दों को परख कर फैसले दिए। वक्फ संशोधन अधिनियम में भी वह यही काम कर रहा है। जानकारों की राय में यह क़ानून 'समानता का अधिकार', 'धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार' और संस्कृति व शिक्षा संबंधी अधिकारों का उल्लंघन करता है। ये सभी अधिकार संविधान में मूल अधिकारों की श्रेणी में आते हैं। अल्पसंख्यक समुदाय इन्हीं अधिकारों की रक्षा के लिए अदालत गया है, जिससे सरकार असहज हो रही है। याचिकाकर्ताओं का पक्ष सुनने और क़ानून को प्रथम दृष्टया देखने के बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश वाली पीठ ने इस क़ानून के अनुपालन पर 5 मई को होने वाली अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। बीते बुधवार और गुरुवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार से पूछा है कि सदियों पुराने 'वक़्फ़ बाय यूजर' के लिए पीड़ित पक्ष दस्तावेज कहाँ से लाएगा। न्यायालय ने समानता के अधिकार का हवाला देते हुए यह भी पूछा है कि जब मन्दिर के न्यासों में मुसलमान नहीं हो सकते तो वक़्फ़ बोर्ड में हिंदुओं को किस आधार पर जगह दी गई है?

इन्हीं सवालों पर भाजपा ऐसी बौखला गई है कि विपक्ष के बाद अब उसने सर्वोच्च न्यायालय को निशाने पर ले लिया है। अगर अदालत सरकार की मर्जी के हिसाब से चलती तो फिर निशिकांत दुबे ऐसे वक्तव्य नहीं देते। अब देखना ये है कि क्या निशिकांत दुबे पर कोई कड़ी कार्रवाई भाजपा करती है, या श्री मोदी ने अपने विरोधियों को निशाने पर लेने के लिए श्री दुबे के कंधों का इस्तेमाल किया है।

न्यायपालिका को भी मीडिया की तरह गोदी में चाहते हैं!

प्रतिक्रियावाद का यह पुराना तरीका है। करो खुद आरोप दूसरे पर लगा दो। प्रतिक्रियावाद दक्षिणपंथ पाखंड पर ही चलता है। मूल उद्देश्य होता है लोगों को बेवकूफ बनाकर अपना काम निकालना। इसके लिए वे कुछ भी कह सकते हैं। किसी पर भी कोई भी आरोप लगा सकते हैं।

ताजा उदाहरण है निशिकांत दुबे का। न्यायपालिका पिछले कुछ समय से काफी दब कर काम कर रही है। लेकिन शिकायत यह है कि वैसी जी हुजुरी में नहीं आ रही जैसी मीडिया आ गई है। बीच-बीच में कुछ फैसले अपनी साख बचाने के लिए दे देती है। हालांकि इससे सरकार पर कोई फर्क नहीं पड़ता मगर इतना सिर उठाना भी वह बर्दाश्त नहीं करती। फासिज्म तानाशाही यही है। लोकतंत्र से चुनकर आकर लोकतंत्र को सीमित करने की कोशिश। नाम संविधान का लेना, सिर पर लगाना। लेकिन काम उसके ठीक विपरीत करना और आरोप दूसरों पर लगा देना।

हिंसा, क्रूरता, असत्य बोलना और पाखंड यह कि प्रचार करना कि वह करता है। इसे कई बार हम सास दृष्टि या बाराती मानसिकता भी कहते हैं। सास से मतलब महिला नहीं पूरी ससुराल जिसमें पुरुष भी आते हैं जो उस सोच के हों। वे हर आरोप बहू पर मढ़ते रहते हैं। उद्देश्य वही होता है और दबो! ऐसे ही दूसरी हमारे यहां सबसे खराब मानसिकता होती है बारात की। अच्छा भला आदमी भी बारात में बाराती बन जाता है। उसके अंदर का दुष्ट भाव पूरी तरह निकल कर सामने आ जाता है कि यह है तो क्यों है? और यह नहीं है तो क्यों नहीं है? और झुको!

निशिकांत दुबे के जरिए भाजपा यही करवा रही है। सुप्रीम कोर्ट पर हमला और व्यक्तिगत रूप से चीफ जस्टिस संजीव खन्ना पर जब लगा कि मैसेज गलत चला गया तो भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी को इससे दूर कर लिया। और निशिकांत दुबे जिनका उपयोग इन दिनों भाजपा सर्वाधिक कर रही है तत्काल दूसरे और असली मुद्दे पर आ गए।

इस बार उन्होंने वही खेल खेला है जो मोदी जी 11 सालों से खेल रहे हैं। मुस्लिम को निशाना बनाना। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी को मुस्लिम आयुक्त बोला। मुस्लिम को निशाने पर रखना। हमेशा संदेह के घेरे में। कोशिश वही कि दूसरे समाज में नफरत बढ़े। कितने आश्चर्य की बात है कि इतने सारे विशेषणों से युक्त मोदी जी जिनमें विश्व गुरु का तमगा भी है 11 साल में भी जीत का कोई सभ्य, सुन्दर दुनिया में प्रचारित करने वाला मॉडल नहीं ढूंढ पाए। वही नफरत भरा विभाजन का तरीका इस्तेमाल किए जा रहे हैं। बांटो और राज करो। हिन्दू-मुसलमान, हिन्दू-मुसलमान!

एसवाई कुरैशी हों या परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद या कोई भी उर्दू नाम वाला या खुद उर्दू ही इनके लिए सब सिर्फ मुस्लिम हैं और मुस्लिम मतलब शक के दायरे में। उर्दू पर याद आया उर्दू शब्द के इस्तेमाल तक पर सवाल उठाने लगे हैं। एक बड़ी खूबसूरत नज्म में कहा गया है कि 'मैंने तो कभी खुद को मुसलमां नहीं माना!' उर्दू पर लिखी इकबाल अशहर की इस नज्म में कहा गया है कि 'क्यों मुझ को बनाते हो तअस्सुब का निशाना, मैंने तो कभी खुद को मुसलमां नहीं माना!' तअस्सुब मतलब भेदभाव।

शकील अख्तर

> फिलहाल तो अमेरिका से भारतीय स्टूडेंट निकाले जा रहे हैं। उनके वीजा रद्द किए जा रहे हैं। अमेरिका ने जिन विभिन्न देशों के स्टूडेंट के वीजा रद्द किए हैं उन कुल 327 में से आधे भारतीय हैं। बाकी आधे में बहुत सारे देशों के स्टूडेंट हैं। शायद इसमें भी गर्व कर लें कि पचास प्रतिशत की हिस्सेदारी अकेले हमारी है। बाकी पचास में पूरी दुनिया है।

खैर इनकी जो सियासत है, नफरत फैलाने की लोगों को बांटने की वह कब तक चलेगी और देश को कितना फायदा पहुंचाएगी यह देखने की बात है। भाजपा या मोदी तो यह समझते हैं कि उन्हें सत्ता में बने रहने का अचूक फार्मूला मिल गया है और वे स्थायी रूप से इस पर काबिज रहेंगे।

शुभकामनाएं! और क्या कह सकते हैं। उन्हें आता ही वह है। बस देखना यह है कि देश कितनी तरक्की करता है। खुद ही खुद को विश्वगुरू कहने से विदेशों में मान कितना बढ़ता है। फिलहाल तो अमेरिका से भारतीय स्टूडेंट निकाले जा रहे हैं। उनके वीजा रद्द किए जा रहे हैं। अमेरिका ने जिन विभिन्न देशों के स्टूडेंट के वीजा रद्द किए हैं उन कुल 327 में से आधे भारतीय हैं। बाकी आधे में बहुत सारे देशों के स्टूडेंट हैं। शायद इसमें भी गर्व कर लें कि पचास प्रतिशत की हिस्सेदारी अकेले हमारी है। बाकी पचास में पूरी दुनिया है। लोगों का जहन इतना छोटा समझ लिया है कि उन्हें किसी भी बात पर गर्व करने को कह दो समझते हैं वह कर लेंगे। गोबर पर भी! हथकड़ी बेड़ी लगाकर भारत भेजने पर भी। सामने प्रधानमंत्री को बिठाकर भारत का अपमान करने पर भी। किसी पर भी गर्वित हुआ जा सकता है। इस हीनता बोध (इनफियरटी काम्प्लेक्स) का कोई इलाज नहीं है। इसी के कारण रोज नेहरू का कद छोटा करने की कोशिश होती है। इन्दिरा गांधी और अब राहुल की भी।

मगर राहुल इन सब दौर से निकल चुके हैं। अब उन पर इन तानों, उपहासों, कद कम करने की कोशिश का कोई असर नहीं होता। इसलिए अब उनकी गिरफ्तारी का जाल फैलाया गया है। नेशनल हेराल्ड मामले जिस में एक पैसे का भी यहां से वहां लेन-देन नहीं हुआ उसमें ईडी काला धन ढूंढ रही है। मनी लांड्रिंग। खुद अपनी कही बात भूल जाते हैं। कहा तो यह था कि टेम्पों में भर-भर कर नोट कांग्रेस कार्यालय पहुंच रहे हैं। कार्रवाई उस पर करना थी। मगर आजादी का नाम भी मिटाना है। इसलिए उसकी लड़ाई लड़ने वाले नेशनल हेराल्ड को बदनाम किया जा रहा है। नेहरू का वह अख़बार जिसने पूरी दुनिया के सामने आजादी के आन्दोलन की सही तस्वीर रखी। जैसा आज गोदी मीडिया है उस समय भी था।

अंग्रेजों के सारे काले कारनामों को गोरा बनाता था। ठीक आज की तरह। उस समय नेहरू ने वह अख़बार निकाला जो आजादी के आन्दोलन का परचम बन गया। आज तो वह उसकी छाया भी नहीं है। क्या लिखता है क्या नहीं खुद राहुल, सोनिया को भी पता नहीं है। अभी जब अहमदाबाद में राहुल संघ के अख़बार आर्गनाइजर का ज़िक्र कर रहे थे। तो हमने लिखा था कि राहुल को आर्गनाइजर के बारे में तो मालूम है क्या लिखता है मगर क्या अपने अख़बार नेशनल हेराल्ड के बारे में भी कुछ पता है?

खैर वह समस्या कांग्रेस में हर स्तर पर है। राहुल मेहनत बहुत करते हैं। सबसे बड़ा गुण। डरते नहीं हैं। इस बुरे समय में जब खुलकर कहा जाता है कि डरना तो चाहिए! हरेन पंड्या से लेकर जज लोया तक के उदाहरण दिए जाते हैं तब कोई एक आदमी हिम्मत से खड़ा रहता है तो यह बड़ी बात है। अंग्रेजों के टाइम में बहुत अत्याचार होते थे। मगर टारगेट किलिंग नहीं होती थीं।

एनकाउंटर, बुलडोजर की धमकियां नहीं होती थीं। अभी खुलेआम समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को जान से मारने की धमकियां दी जा रही है। ऐसे में राहुल, अखिलेश, तेजस्वी यादव का डटे रहना निश्चित ही रूप से बड़ी बात है। लोकतंत्र के लिए बड़ी उम्मीद है और यह उम्मीद टूटे जनता उसी निराशा में रहे। पांच किलो मुफ्त अनाज ही उसके जीवन का उद्देश्य बन जाए इसलिए उसे हिन्दू-मुसलमान से बाहर सोचने नहीं देते हैं। जो इसके खिलाफ बोलता है उसके खिलाफ ही एक झूठी कहानी शुरू कर देते हैं।

अदालतों ने तो अभी बलात्कार की दोषी खुद लड़की, नाड़ा तोड़ना, कपड़े उतारने की कोशिश यहां तक कि प्राइवेट पार्ट छूने की कोशिश को भी बलात्कार का प्रयास नहीं माना। ऐसे जाने कितने फैसले हैं जो 11 साल पहले नहीं आ सकते थे। खुद चीफ जस्टिस आफ इन्डिया चन्द्रचूड़ ने कहा कि हम विपक्ष नहीं हैं। किसने पूछा था? खुद ही सफाई। क्या मतलब? सत्ता पक्ष हैं और इसीलिए अपने फैसलों के लिए कहते हैं कि वह भगवान ने लिखवाया। सुप्रीम कोर्ट के जज अपना डर लेकर मीडिया के सामने आए। कहा सुप्रीम कोर्ट खतरे में है। लोकतंत्र कैसे बचेगा? बड़ी लड़ाई है। लोकतंत्र बचाने की। संविधान बचाने की। उनके हमले भी तेज हैं। रोज नया तरीका लाते हैं। विभाजन की शक की खाई को बढ़ाने का। खाइयों से देश कैसे बनता है पता नहीं! डूबने का गिरने का खतरा होता है यह सबको पता है। इतिहास यही कहता है! बाकी तो वे जानें जिनके हाथ में सत्ता है। और वे समझते हैं कि हमेशा रहेगी अनादि काल तक!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

चीन के बाद अब बांग्लादेश का रूख रूस, अमेरिका और पाकिस्तान की ओर

■ नित्य चक्रवर्ती

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस इस समय दो महाशक्तियों समेत दुनिया के प्रमुख देशों से सफलतापूर्वक संपर्क साधकर अपनी कूटनीतिक जीत के बीच हैं। इस साल मार्च के आखिरी हफ्ते में बीजिंग की अपनी यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पूरा समर्थन हासिल करने में बड़ी सफलता मिलने के बाद डॉ. यूनुस ने गुरुवार 17 अप्रैल को दो महत्वपूर्ण विदेशी प्रतिनिधि मंडलों का स्वागत किया- एक पाकिस्तान से और दूसरा अमेरिकी सरकार से। रूसी नौसेना का तीसरा सैन्य प्रतिनिधि मंडल चार दिवसीय यात्रा पर चटगांव में है। हाल के दिनों में ढाका में कूटनीतिक गतिविधियों की ऐसी हलचल कभी नहीं देखी गयी।

सबसे महत्वपूर्ण यात्रा अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल की है, जिसका नेतृत्व विदेश विभाग में दक्षिण एशिया मामलों की उप सचिव निकोलचुलिक कर रही हैं। इस वर्ष 20 जनवरी को राष्ट्रपति के पदभार संभालने के बाद ट्रंप-2 शासन से यह पहला उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल था। इससे पहले ट्रंप ने इस वर्ष फरवरी में यह आभास दिया था कि वह बांग्लादेश के मामले में अपने 'मित्र' नरेंद्र मोदी के विचारों को मानेंगे, लेकिन इंटेल प्रमुख तुलसी गबार्ड की रिपोर्ट और पिछले महीने डॉ. यूनुस की बीजिंग यात्रा के बाद हुई चीन-बांग्लादेश की दोस्ती से स्थिति बदल गयी है।

> रूस बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य में कोई महत्वपूर्ण खिलाड़ी नहीं रहा है, जहां लड़ाई मुख्य रूप से चीन और अमेरिका के बीच है, जहां भारत, जो पहले बड़ा भाई था, पीछे से लड़ाई को देख रहा था, अमेरिका की चालों पर कम उम्मीदें लगा रहा था। डॉ. यूनुस ने रूसियों को आमंत्रित करके उन्हें बहुत महत्व दिया है। रूसी जहाज चार दिवसीय सद्भावना यात्रा पर हैं।

अमेरिका का दक्षिण एशिया विभाग बांग्लादेश पर अपनी भावी नीति के बारे में अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए अपना आकलन कर रहा है और ट्रंप के 'प्रिय मित्र' नरेंद्र मोदी के विचारों को ज्यादा महत्व नहीं दे रहा है। अमेरिका भी बांग्लादेश में अपने अनुकूल चुनाव के बाद नयी सरकार बनाने में उतना ही इच्छुक है, जितना चीन कोशिश कर रहा है। अमेरिका जानता है कि चीन ढाका में राजनीतिक खेल में बहुत आगे है और सभी प्रमुख राजनीतिक दलों में उसके समर्थक हैं।

डॉ. यूनुस से बातचीत के अलावा प्रतिनिधि मंडल ने सभी प्रमुख पार्टियों, बीएनपी, जमात और छात्र संगठन नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) की नयी गठित पार्टी से बातचीत की। बीएनपी ने इस साल दिसंबर से पहले चुनाव कराने की मांग की, जबकि जमात अगले साल की शुरुआत में चुनाव चाहती थी। केवल एनसीपी ने कहा कि चुनाव उनके प्रस्तावित सुधार उपायों जैसे चुनावी कानूनों और संविधान में बदलाव के लागू होने के बाद कराये जाने चाहिए।

अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है कि अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल अवामी लीग के किसी समूह से मुलाकात करेगा। लेकिन ढाका में अमेरिकी दूतावास के अधिकारी अवामी लीग के कुछ नेताओं के संपर्क में हैं। यह आश्चर्य की बात नहीं होगी कि अमेरिकी दल के ढाका से रवाना होने से पहले एएल नेताओं के साथ एक मुलाकात यात्रा आयोजित की जाये।

जहां तक पाकिस्तान का सवाल है, विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) में भाग लेने के लिए पाकिस्तान की विदेश सचिव अमीना बलूच की यात्रा द्विपक्षीय संबंधों की स्थापना की तेज गति को जारी रखने का ही एक तरीका है, जो पिछले साल 5 अगस्त को हसीना सरकार के गिरने और 8 अगस्त को डॉ. यूनुस के अंतरिम प्रमुख बनने के तुरंत बाद शुरू हुआ था। एफओसी15 साल बाद होने वाली कूटनीतिक बातचीत है। इसका मतलब यह है कि हसीना के पिछले 15 साल के शासन के दौरान पाकिस्तान के साथ ऐसी कोई बैठक नहीं हुई थी।

स्टेट गेस्ट हाउस पद्मा में आयोजित एफओसी में विदेश सचिव मोहम्मद जशीमुद्दीन ने बांग्लादेश की ओर से नेतृत्व किया, जबकि अमीना बलूच ने पाकिस्तानी प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व किया। सभी द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की गयी और दोनों पक्षों ने संबंधों को उच्च स्तर पर ले जाने का फैसला किया। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाकडार जो विदेश मंत्री भी हैं, 27-28 अप्रैल को डॉ. यूनुस के साथ चर्चा करने के लिए ढाका का दौरा करने वाले हैं।

पिछले आठ महीनों में डॉ. यूनुस ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ दो बार द्विपक्षीय वार्ता की है- पहली बार पिछले साल सितंबर में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में और फिर दिसंबर में काहिरा में डी-8 बैठक में। बांग्लादेश के लिए, चटगांव बंदरगाह पर रूसी नौसेना के प्रतिनिधि मंडल की वर्तमान यात्रा कूटनीतिक रूप से भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। रूस बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य में कोई महत्वपूर्ण खिलाड़ी नहीं रहा है, जहां लड़ाई मुख्य रूप से चीन और अमेरिका के बीच है, जहां भारत, जो पहले बड़ा भाई था, पीछे से लड़ाई को देख रहा था, अमेरिका की चालों पर कम उम्मीदें लगा रहा था। डॉ. यूनुस ने रूसियों को आमंत्रित करके उन्हें बहुत महत्व दिया है। रूसी जहाज चार दिवसीय सद्भावना यात्रा पर हैं। उनके आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया। तीन रूसी युद्धपोतों की यात्रा सहित रूसी नौसेना प्रतिनिधि मंडल की इस यात्रा से पहले बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वाकरउजज़मान ने मास्को का दौरा किया और रूसी रक्षा मंत्रालय के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ उनकी बातचीत हुई।

वर्तमान में, बांग्लादेश 80 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण चीन से आयात करता है। यह रक्षा आपूर्ति हसीना सरकार के दिनों से जारी है क्योंकि चीन ने तब उत्पादों के लिए सस्ती कीमतों की पेशकश की थी। रूस बांग्लादेश को अनुकूल कीमतों पर आपूर्ति करने में रुचि रखता है। बांग्लादेश अपनी सैन्य आपूर्ति में विविधता लाना चाहता है ताकि पाकिस्तान और रूस दोनों को कुछ छोटा हिस्सा मिल सके।

रूस को लुभाने का एक और पहलू भी है। वर्तमान में भारत, जो पहले रूस से हथियारों के आयात पर बड़े पैमाने पर निर्भर था, अब अपनी खरीदारी की टोकरी को अमेरिका की ओर मोड़ दिया है। रूस परेशान है, हालांकि कूटनीतिक रूप से वह भारत के प्रति दोस्ताना भाव दिखा रहा है। रूस से रक्षा उपकरणों की खरीद शुरू करके ढाका को उम्मीद है कि वह नयी दिल्ली के साथ मौजूदा मुद्दों के संबंध में मास्को को अपने पक्ष में प्रभावित कर सकेगा।

ललित सुरजन की कलम से

वे आपसे मिलना चाहते हैं

आप इतने पुराने पत्रकार हैं। उन्हें तब से जानते हैं जब वे राजनीति में पहला कदम रख रहे थे। आपकी राय से उन्हें कुछ न कुछ लाभ जरूर होगा।

- आप कह रहे हैं तो ठीक ही कह रहे होंगे, लेकिन भारतवर्ष में बहुत बड़े-बड़े पत्रकार हैं। मैं तो समझता था कि वे उनके ज्यादा काम के हैं। देखिए न, एक को उन्होंने राज्यसभा में भेजा, दूसरे को फैक्ट्री का लाइसेंस दिया, तीसरे को खदान का पट्टा, चौथे को सरकारी जमीनों पर बेजा कब्जा करने की इजाजत, पांचवें को चिटफंड चलाने दिया, छठवें को कलेक्टर-एसपी के ट्रांसफर-पोस्टिंग करवाने से मालामाल किया, सातवें से पुलिस में मुखबिरी करवाई, आठवें को राजदूत बनाया, नौवें को अपना प्रेस सलाहकार, दसवें को पार्टी प्रवक्ता नियुक्त किया, ग्यारहवें को पद्मश्री। कहिए और कितना गिनाऊं।

-यही तो रोना है। जिन पत्तों पर तकिया था, वे पत्ते हवा देने लगे। जो उनकी शान में कल तक कशीदे काढ़ रहे थे वे अब और कुछ न मिलने की उम्मीद देखकर किनाराकशी करने लगे हैं। उनके पास तो अब ऐसी रिपोर्टें आ रही हैं कि जो उनके सामने उनके हितैषी बनते थे वे ही रात के अंधेरे में उनके विरोधियों से हाथ मिला रहे हैं।

- तो भाई! इसमें मैं क्या कर सकता हूं। मैं तो कहीं आता-जाता नहीं। घर बैठे जितना पढ़-सुन लेता हूं उतना ही मेरा ज्ञान है। चुनावों में क्या होगा ये मैं कैसे जानूं? हां, इतना जरूर जानता हूं कि अपने कई बरसों के राज में उन्होंने जो दर्जनों क्या सैकड़ों जनहितैषी योजनाएं लागू कीं, वे अगर ठीक चली होंगी तो उसका फायदा उन्हें जरूर मिलेगा।

- अब आप आए मुद्दे पर। वे आपसे मिलकर शायद यही जानना चाहेंगे कि उनकी घोषणाओं, योजनाओं, कार्यक्रमों का जनता को कितना लाभ मिला और जनता उनसे कितनी खुश है। इस बारे में आप उन्हें सही-सही तस्वीर बतला सकेंगे।

(देशबन्धु में 25 अप्रैल 2013 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2013/04/blog-post_25.html

आपके पत्र

पश्चिमी बंगाल मुर्शिदाबाद की हिंसा मानवता पर कलंक समान

अहिंसा परमो धर्म: का संदेश देने वाले भारत मे हिंसा का नग्न नाच मानवता पर कलंक है। आज मानवता रो रही है। यह घृणित कार्य है और इसकी जितनी निंदा की जाए,वह कम है। वक्फ संशोधन बिल को लेकर पूर्व नियोजित हिंसा पर निर्दोष लोगों की हत्या कर उनकी सम्पति को नष्ट किया गया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मूकदर्शक होकर घटनाक्रम को निहार रही है। उनके राज्य कोमवादी हिंसा से देश घृणा कर रहा है। हक के लिए भारत मे हिन्दू नहीं लड़ सकता है। जिस लोकतंत्र और संविधान की बात कर हम गर्व महसूस करते हैं उसी संविधान ने हिंदुओं के लिए संरक्षण का प्राविधान क्यों नहीं दिया।

देश में अराजकता फैला कर मरने मारने के लिए उतारू हो जाते हैं। उसी संविधान की दुहाई दी जाती है। लोगों पर हमले करना और उनके घरों को आग के हवाले करना राज्य सरकार की लापरवाही साबित हो रही है। राज्यपाल ने मुर्शिदाबाद जाकर शांति की बहाली की इच्छा जाहिर करते कहा कि हिंसा किसी समस्या का समाधान नही है। बेदवान में हिंसा और सम्पति नष्ट की गई है। कानून सुप्रीम कोर्ट बनाती है तो संसद को बंद करने की सीख दुबे ने दी है। लेकिन ऐसे बयानों को भाजपा ने किनारा करते हुए पल्ला झाड़ दिया।

श्री नड्डा ने कहा कि ऐसे बयान व्यक्तिगत होते हैं पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। नेताओं को अपने बयानों पर दोबारा विचार कर बोलने चाहिए। जिस बोल से सत्य को झूठ में तब्दील भी किया जा सकता है और झूठ को सत्य से महामंडित भी किया का सकता है। उसको विस्मृत नहीं करना चाहिए। दरअसल, पश्चिमी बंगाल में हिन्दू परिवारों को निशाना बनाया जा रहा है। लिहाजा,पश्चिमी बंगाल में कानून व्यवस्था बिलकुल खराब है। पूरे देश में ममता बनर्जी के राज में कानून व्यवस्था को धक्का दिया जा रहा है। हिंसा पर राजनीति करने वाले दल जनता का भरोसा खोते जा रहे हैं। खिसकता जनाधार इस बात का संकेत है कि राजनीतिक दल तुष्टिकरण से ऊपर उठकर राजधर्म का पालन करनक्ष चाहिए। जिस दिन हिन्दू धर्मावलम्बी लड़ाई पर आ गए तो मुश्किल होगी। देश में सनातनी लोगों को टारगेट किया जा रहा है। मुआवजा देने में मुस्लिम परिवार का पक्ष रख रहे हैं। यह ममता की हठधर्मिता है जिसको वोटबैंक के लिए भुनाया जा रहा है।

कांतिलाल मांडोत,,सूरत

पावन प्रसंग

जलवायु-परिवर्तन और आर्थिक विकास

प्रकृति ही मनुष्य के विकास का साधन है। यह दूषित हो जाए तो विनाश को रोका नहीं जा सकता है। आज की स्थिति कुछ ऐसी ही है। ग्लोबल वार्मिंग की बातें हम सालों से करते रहे हैं, पर कुछ दिन पहले एक रिपोर्ट आई जिररने चौंका दिया कि ग्लोबल वार्मिंग से हो रहा जलवायु परिवर्तन दुनिया के सामाजिक-आर्थिक विकास पर गहरा असर डाल रहा है।

बीती आधी सदी में इसके कारण धनी देश और भी धनी तथा गरीब देश और गरीब होते गए हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था को इसके कारण 31 फीसदी का नुकसान हुआ है, यानी ग्लोबल वार्मिंग का नकारात्मक असर नहीं होता तो हमारी अर्थव्यवस्था वर्तमान स्थिति से तकरीबन एक-तिहाई और ज्यादा मजबूत होती। स्पष्ट है कि हमें वातावरण का संतुलन बिगाड़ने की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।

नॉर्वे का तापमान बढ़कर मानक तापमान के करीब हुआ तो उसे इसका फायदा बढ़ी वृद्धि दर के रूप में मिला। इसके विपरीत भारत जैसे गरम देश का तापमान बढ़ने की कीमत उसे आर्थिक नुकसान के रूप में चुकानी पड़ रही है। यही नहीं ग्लोबल वार्मिंग से सूडान की अर्थव्यवस्था को 36 फीसदी, नाइजीरिया को 29, इंडोनेशिया को 27 और ब्राजील की अर्थव्यवस्था को 25 फीसदी का नुकसान हुआ है।

दिलचस्प बात यह है कि ग्लोबल वार्मिंग से जिन ठंढे देशों का तापमान बढ़ा है, उन्हें इसका लाभ भी हुआ है, साफ है कि बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग ने जैव विविधता पर गहरी चोट की है। विशेषज्ञों के अनुसार, भोजन और ऊर्जा का उत्पादन हम जिस तरीके से कर रहे हैं, उससे प्रकृति को भारी नुकसान पहुंच रहा है। जंगलों की कटाई, खेती और पशुपालन-ग्रीनहाउस गैसों के एक-तिहाई उत्सर्जन के लिए जवाबदेह हैं। इसके अतिरिक्त कारखानों की बढ़ती संख्या, जोवाश्म ईंधनों के निरंतर उपभोग की वजह से भी हमारा पारिस्थितिकी तंत्र गंभीर संकट में आ गया है।

आज ग्लोबल वार्मिंग में 1 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्तरी के साथ भारत में केरल में बाढ़, उत्तराखंड में जंगल की आग और उत्तर तथा पूर्व में गरमी की लहरों जैसी घटनाएं सामने आई हैं। इससे इसकी भयावहता दिखाई दे रही है। ऐसी स्थिति से करीब 60 करोड़ भारतीयों के जोखिम में आने की संभावना है।

निजी कंपनी के वाहन फिटनिस सेंटर में मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी

न तो पीने का है पानी, और न ही तपती धूप से बचने जरूरी बैठक व्यवस्था

जबलपुर, देशबन्धु। परिवहन विभाग में निजी करण का विपरीत असर देखने को मिलने लगा है। अभी जिस तरह वाहनों की फिटनिस काम निजी कंपनी को मिला है, उससे आम आवेदकों को जहां तय शुल्क से अधिक पैसे देने पड़ रहे हैं, वहीं समय भी अधिक लग रहा है। इससे आवेदकों को तरह-तरह की व्यवहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिस स्थान पर सेंटर संचालित है, वहां पर मूलभूत साधनों की भारी कमी है।

गौरतलब है कि कटंगी-कटनी बाये के पास एटीएस कंपनी का सेंटर है। यहां पर वाहनों की फिटनिस की जाती है।

यहां पर आवेदकों के लिये जरूरी पेयजल, धूप या बारिश से बचने के लिये उचित स्थान तक नही है। इससे भरी दोपहर में वाहनों की फिटनिस कराने वाले बैठने को मजबूर हैं।

राजस्थान कंपनी को मिला है ठेका

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एटीएस कंपनी राजस्थान की बताई गई है, प्रदेश के जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर इत्यादि शहरों में इसी कंपनी के पास वाहनों की फिटनिस करने का ठेका है।

कंपनी ने अपना काम तो शुरू कर दिया है, लेकिन सेंटर पर जरूरी व्यवस्थाओं की तरफ कंपनी के जवाबदार लोगों का ध्यान नही है। इस बारे में परिवहन विभाग के अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। इससे यह बात साफ होती है यहां आने वाले आवेदकों को उनके भाग्य पर छोड़ दिया गया है। उनकी सुध लेना वाला कोई नहीं है।

किसानों से नरवाई न जलाने की अपील

जबलपुर, देशबन्धु। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने जिले के किसानों से खेतों में नरवाई (पराली) न जलाने की अपील की है। अपील में किसानों को बताया गया है कि नरवाई जलाने से जमीन में पोषक तत्व बचाने वाले सूक्ष्म जीवाणु अथवा लाभकारी कीट मर जाते हैं। इस वजह से भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है और उत्पादन प्रभावित होता है। नरवाई जलाने से पशु पक्षियों को भी नुकसान पहुंचता है और मेडों पर लगे हरे भरे पेड आग से झुलस जाते हैं। नरवाई जलाने से हानिकारक गैस का उत्सर्जन होता है, इस वजह से वातावरण प्रदूषित होता है तथा पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के मुताबिक जिले में अधिकांशतः कटाई कम्बाइंड हार्वेस्टर से होने के कारण खेत में शेष बची नरवाई या पराली किसानों द्वारा जला दी जाती है, जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों तथा अन्य प्रदेशों में इसका प्रयोग पशुओं के वैकल्पिक आहार के रूप में किया जाता है। नरवाई जलाने से पशुओं को पर्याप्त मात्रा में आहार न मिलने से वे भूखे रह जाते हैं और पॉलीथिन खाते हैं। इस वजह से पशुओं का जीवन संकट में पड जाता है और यहां तक की उनकी मृत्यु हो सकती है, जबकि कटाई के कुछ माह बाद यही नरवाई दोगुनी कीमत में बेचकर अतिरिक्त लाभ अर्जित किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल पैकिंग कार्य में अथवा घरेलू ईंधन के रूप में भी किया जा सकता है। किसान कल्याण एवं कृषि विकास के अनुसार खेतों में नरवाई या पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरा क्षमता कम होती है और इससे उत्पादन प्रभावित होता है। नरवाई में लगाई गई आग के अनियंत्रित होने की आशंका भी हमेशा बनी रहती है। इसके कारण कई गंभीर अग्नि दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी हैं, जिससे सम्पत्ति का भी ब? स्तर पर नुकसान हुआ है। ग्रीष्म ऋतु में जल संकट उत्पन्न होने का भी यह एक महत्वपूर्ण कारण है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने किसानों को नरवाई जलाने की अपेक्षा इसके प्रबंधन के उपाय भी सुझाये है।

जबलपुर और नरसिंहपुर अगले दौर में

अंडर 22 इंटर डिस्ट्रिक्ट वन डे टूर्नामेंट

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के द्वारा जबलपुर संभाग में क्रि केट संचालन के लिए गठित समिति के तत्वावधान में आज से एमपीसीए के नीमखेड़ा मैदान पर प्रारंभ हुई अंडर 22 इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट प्रतियोगिता में जबलपुर एवं नरसिंहपुर में अपने-अपने मैच जीत कर अगले चक्र में प्रवेश किया।

पहला मैच जबलपुर एवं डिंडोरी जिले के बीच खेला गया जिसमें डिंडोरी की टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया मगर जबलपुर के आदित्य मिश्रा(6विकेट) की फिरकी में फंसकर महज 59 रन पर ढेर हो गई। डिंडोरी के प्रेम सिंह ने 11, नंदकिशोर ने 10 तथा आर्यन पटेल ने 11 रनों का योगदान दिया। जबलपुर आदित्य के अलावा मयंकेश में 3 विकेट प्राप्त किये।जवाब में जबलपुर ने सात ओवरों में एक विकेट खोकर 61 रन बनाकर मैच जीत लिया। अजिंक्य मुले ने नाबाद 28 तथा अंबर शर्मा ने 18 रनों का स्कोर किया। डिंडोरी की ओर से आदित्य यादव ने एक विकेट लिया।

प्लेयर ऑफ द मैच का फिरकी गेंदबाज आदित्य मिश्रा रहे।

दूसरे मैच में नरसिंहपुर का मुकाबला पांढुर्णा जिला से था जिसमें नरसिंहपुर जिला ने पांढुर्णा को पांच विकेट से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया ।

टॉस जीत कर पांढुर्णा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 34.5 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर 129 रन बनाएं जिसमें संकेत मसराम के 35 अक्षत कोटोले के 26 तथा हर्ष नवले के 20 रन शामिल है। नरसिंहपुर के हफीज और सिद्धार्थ के तीन-तीन तथा प्रशांत एवं गिडियन ने दो-दो विकेट लिए।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करते हुए नरसिंहपुर ने 23. 3 ओवर में 5 विकेट खोकर 131 रन बना लिए।और मैच जीत लिया। नरसिंहपुर की ओर से सिद्धार्थ सोनी ने नाबाद 50 तथा दिव्यांग साहू ने 14 रन बनाए। पांढुर्ना के अक्षत कोटोल एवं सचिन उइके में दो-दो विकेट प्राप्त किया। इस मैच में सिद्धार्थ सोनी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। आज नरसिंहपुर और मंडला के बीच मैच होगा।

बढ़ते अपराधों के खिलाफ कांग्रेस विधायक ने किया लार्डगंज थाना का घेराव

जबलपुर, देशबन्धु। पूर्व विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया ने शहर में बढ़ते अपराधों व अवैध कारोबार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

उन्होने अपने कांग्रेस के साथियों के साथ लार्डगंज थाना का घेराव कर पुलिस पर अवैध वसूली के आरोप लगाए है. इस दौरान कांग्रेस के नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. घेराव के दौरान पुलिस अधिकारी बल के साथ तैनात रहे।

विधायक लखन घनघोरियां के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता श्रीनाथ की तलैया से लार्डगंज थाना तक पैदल नारेबाजी करते हुए पहुंचे, जहां पर थाना का घेराव करते हुए जमकर नारेबाजी व प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि शहर में अवैध नशे का कारोबार और जुआ खुलेआम चल रहा है, महिलाओं के खिलाफ छेड़छाड़ की घटनाएं बढ़ रही हैं, महिलाएं अकेले निकलने में असुरक्षित महसूस करती हैं।

पुलिस चंद रुपयों की लालच में अवैध शराब बेचने वालों पर कार्यवाही नहीं कर रही है, इससे शहर में अपराध बढ़ रहे हैं।

पुलिस का रवैया आम जनता के प्रति दिन-प्रतिदिन खराब होता जा रहा है, कांग्रेस नेताओं ने पुलिस पर चालान की आड़ में अवैध वसूली का भी आरोप लगाया, उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अवैध गतिविधियां जल्द बंद नहीं हुईं तो वे इसी तरह थानों के बाहर प्रदर्शन जारी रखेंगे।

थाना का घेराव व प्रदर्शन के दौरान नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिनेश यादव, अनुराग गढ़वाल, पार्षद हर्षित यादव, झल्लेलाल जैन, मतीन अंसारी, कदीर सोनी, गुड्डू चौबे सहित सैकड़ों कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता शामिल रहे।

शराब दुकान के विरोध में किया गया प्रदर्शन, सैकड़ों लोग हुये शामिल

जबलपुर, देशबन्धु। कैंट विधानसभा के लाला लाजपत राय वार्ड क्रमांक 70 गांधी चौक मदर टेरेसा स्कूल के पास परशुराम आदिवासी बस्ती के बीच खोली गई शराब दुकान का बस्ती वासियों ने जन बच्चों सहित किया विरोध प्रदर्शन इस प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पूर्व सचिव सुधीर सोनू दुबे एवं विश्व हिंदू परिषद की प्रांत अध्यक्ष प्रीति धनधारिया ने इस विरोध प्रदर्शन में बस्ती कि लोगों के अनुरोध पर पहुंचे एवं अपना विरोध व्यक्त किया समाज सेवी सुधीर सोनू दुबे ने बताया कि आदिवासी बस्ती में लगभग सभी लोग मजदूरी कर अपना जीवन यापन करते हैं और बच्चों को शिक्षित करने का पूरा प्रयास कर रहे हैं और सरकार द्वारा भी आदिवासी समुदाय को शिक्षित करने का प्रयास करने की बात भी कर रही है और दूसरी तरफ आदिवासी बस्तियों में शराब दुकान खोलकर उनका जीवन नष्ट करने का भी काम कर रही है अगर सरकार की नियत साफ है तो आदिवासी बस्तियों में इस तरह के गतिविधियों पर रोक लगाना चाहिए ताकि आदिवासी समुदाय के भी बच्चे पढ लिखकर देश में अपना नाम रोशन करें लेकिन इस बस्ती में शराब दुकान खोलने से रांझी क्षेत्र के आसपास के लोग इस शराब दुकान के पास पहुंचकर नशा करके बस्ती के आसपास की महिलाओं के साथ छेड़छाड़ गाली गलौज और मारा पीटी का प्रयास हमेशा करते हैं और घरों के सामने खाली शराब की बोतल तोड़कर उन्हें डराने धमकाने का प्रयास करते हैं जिसके कारण यहां आदिवासी समुदाय के लोग भयभीत हैं और इस शराब की दुकान के कारण बस्तियों की बच्चियों स्कूल जाने से घबरा रही है सुधीर सोनू दुबे एवं प्रीति द्वारा कैंट विधायक से निवेदन किया गया कि इस शराब दुकान को बस्ती से दूर करें ताकि आदिवासी परिवार के मन से डर समाप्त हो।

गणित की महत्वत्ता एवं सरलीकरण विषय पर आधारित व्याख्यान आज से

जबलपुर, देशबन्धु। दैनिक जीवन में गणित की महत्वत्ता एवं सरलीकरण विषय पर आधारित व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन 21 अप्रैल से 24 अप्रैल तक रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के गणित एवं कम्प्यूटर विज्ञान विभाग में किया जा रहा है। जिसमें प्रोफेसर एस एस खरे, फॉर्मर प्रो वॉयस चांसलर, एन ई एच यू, शिलांग, एवं अध्यक्ष इंडियन मैथेमेटिकल सोसाइटी, भारत, के द्वारा गणित की दैनिक जीवन में होने वाली उपयोगिता एवं वर्तमान में विद्यार्थियों की गणित विषय के प्रति घटती रूचि को देखते हुए विद्यार्थियों में कैसे गणित विषय में रूचि लाई जाए एवं कैसे सरलता पूर्वक अध्ययन और अध्यापन की कार्यप्रणाली अपनाई जाए विषय पर विस्तृत चर्चा। साथ ही गणित विषय के सरलीकरण को ले कर विभिन्न शीर्षकों पर अलग अलग व्याख्यान का आयोजन होगा। आयोजित व्याख्यान श्रृंखला में विद्यालय, महाविद्याय एवं विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं को इस संदेश के माध्यम से आमंत्रित किया जाता है।

सीधी भर्ती से चयनित माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षकों की पूर्व सेवावधि जोड़ी जाए

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रांतीय सचिव राजेश सहारिया ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि प्रदेश में बहुत से ऐसे शिक्षक जो प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक के पद पर कार्यरत थे जो पदोन्नति के अभाव में विभागीय अनुमति उपरांत सीधी भर्ती से विभाग में ही चयनित हो उच्च पद पर वर्तमान में कार्यरत हैं, जैसे प्राथमिक शिक्षक से माध्यमिक शिक्षक पर नियुक्त हुए है उनकी पूर्व की सेवाएं बिना किसी शर्त के जोड़ी जाए साथ ही पूर्व की सेवाओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें परविक्षा अवधि पर न रखते हुए 70, 80 और 90 प्रतिशत की बाध्यता समाप्त की जाये, संघ वित्त विभाग और आयुक्त से मांग करता है की इस संबंध में दिशा निर्देश जारी करे जिससे शिक्षकों को इसका लाभ मिल सके।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष-रॉबर्ट मॉर्टिन, हेमन्त ठाकरे, राजेश सहारिया, गुडविन चार्ल्स, फिलिप अन्थोनी, राजकुमार यादव, दीपेश जैन, मनमोहन चौधरी, विनय रामजे, सुनील झारिया, उमेष ठाकुर, धनराज पिल्ले, रवि जैन, सुधीर पावेल, गोपीषाह, रऊफ खान, मक़सूद अहमद क़ादरी, समर सिंह ठाकुर, मनीष मिश्रा , मनीष झारिया, त्रिलोक सिंह, आर. पी. खनाल, एस बी रजक, अनूप डाहट, निलेष खरे, अषोक परस्ते,महेंद्र प्रधान, योगेश ठाकरे, वीरेंद्र श्रीवास, समर सिंह ठाकुर, मान सिंह मारको, चन्द्रभान, आदेष विष्वकर्मा, नितिन तिवारी, आशीष कोरी आदि ने मांग की है।

पंजाबी समाज का 33वां राष्ट्रीय परिचय सम्मेलन का समापन

जबलपुर, देशबन्धु। पंजाबी हिन्दू एसोसियेशन द्वारा राष्ट्रीय परिचय सम्मेलन एवं वैशाखी महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। जिसमें समाज के सैकडों परिवार उपस्थित रहे। पंजाबी हिन्दू एसोसियेशन के जनसंपर्क अधिकारी उमेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज के जीवन साथी के तलाश में मेजबान जबलपुर संभाग सहित नागपुर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रायपुर, झांसी, दिल्ली, उत्तर प्रदेश सहित अनेक प्रदेशों एवं जिलों तथा शहरों युवक-युवती एवं उनके परिजन साथ ही पंजाबी समाज के पदाधिकारी पंजाबी हिन्दू एसोसियेशन के द्वारा आयोजित दो दिवसीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन में पहुंचे परिचय सम्मेलन का शुभारंभ पंजाबी हिन्दू एसोसियेशन संस्था कार्यालय नेपियर टाउन में हुआ जहां सामाजिक एकता के बीच रिश्तों के बीच रिश्तों को जोडने की पहल सभी ने की। युवक युवतीयों ने भावी जीवनसाथी की तलाश में शिक्षा संस्कार और अच्छे परिवार जैसी बातों को प्राथमिकता दी तो परिजन सुबह से शाम तक आपसी मेलजोल में व्यस्थ रहे। कार्यक्रम का आयोजन श्री चंद्रकुमार भानोत जी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

स्क्रीन में देखकर, डायरी में नोट किया- 33वां राष्ट्रीय पंजाबी युवक युवती परिचय सम्मेलन में मंच से युवक-युवतियों की जानकारी हाईटेक तरीके से प्रदान की जा रही थी। अभिभावकों को मंच पर विवाह योग्य युवकों की फोटो टी.वी.स्क्रीन के माध्यम से प्रस्तुत की जा रही थी। इसके साथ-साथ उनके जन्म, स्थान, रोजगार ;कारोबारद्ध, शिक्षा एवं परिवार से संबंधित जानकारी की सूचना भी एक-साथ प्रदान की जा रही थी, हॉल में उपस्थित वर एवं वधु पक्ष के परिजन बडी ही उत्सुकता के साथ नोट कर रहे थे। कार्यक्रम में अध्यक्ष नरेन्द्रपाल मलिक, सचिव उमेश खुराना, सम्मेलन प्रभारी नरेन्द्र धामीजा, मैरिज ब्यूरो प्रभारी सुशील आनंद, यूथ अध्यक्ष अंशुल मलिक, महिला समिति अध्यक्ष उषा खुराना, डॉ. राजीव ओबेराय राकेश गुप्ता ने बताया कि परिचय सम्मेलन में सभी के मन में अपने परिवार के युवक-युवतियों के लिए चरित्रवान एवं योग्य बायोडाटा को नोट करते हुए सभी लोग एक दूसरे से चर्चा करते नजर आ रहे थे। रिश्ते को लेकर सभी के मन में एक ही बात देखने को मिल रही थी कि पैसे वाला न सही चरित्रवान जीवन साथी हो। वधु परिवारों का मानना रहा कि उसका जीवन साथी ऐसा हो कि मिलजुलकर अपना जीवन यापन कर सके।

अभिभावकों की रही भीड़- वरिष्ठ सदस्य नरेश ग्रोवर, प्रमोद मरवाहा, रघुवर कुमार कपूर, सुधीर मेहता, प्रदीप वाधवा आदि ने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में जबलपुर के अलावा मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, पंजाब, उत्तराखण्ड सहित अनेक प्रदेशों एवं जिलों से समाज के प्रतिनिधि अपने अपने शहरों के बायोडाटा लेकर सम्मेलन में उपस्थित रहे।

साथ ही अभिावकों की संख्या इस बार बेहद ज्यादा रही, अंतिम दिन रविवार होने के कारण शहर के सैकडों पंजाबी परिवारों ने भावी जीवन साथी की तलाश उपरोक्त सम्मेलन में की तथा शिक्षा संस्कार और अच्छे परिवार जैसी बातों को प्राथमिकता देते दिख रहे थे।

झील महोत्सव प्रतिवर्ष कराने का जेएटीसीसी ने रखा प्रस्ताव

जबलपुर, देशबन्धु। साहसिक गतिविधियों का साक्षी बने बरगी बांध में नर्मदा की अथाह जल राशि, इसके तट तथा नभ पर हुई साहसिक गतिविधियों का केंद्र रहे झील महोत्सव का रविवार को समापन हो गया। मंडला जिले के देवरी बकई में 5 अप्रैल से 20 अप्रैल तक आयोजित किए गए पंद्रह दिवसीय आयोजन का समापन संभागायुक्त अभय वर्मा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक गहलोत ने नर्मदा पूजन कर किया।

झील महोत्सव के अंतिम दिन रविवार की ढलती शाम संभागायुक्त श्री वर्मा एवं जिला पंचायत जबलपुर के सीईओ श्री गहलोत ने हसीन वादियों से घिरे खूबसूरत नर्मदा तट पर परिवार के साथ साहसिक खेलों का आनंद लिया। उन्होंने पैरा मोटर एवं वाटर बोट सहित विभिन्न साहसिक खेलों सहित विभिन्न खेलों का अनुभव लिया। जेएटीसीसी के सीईओ हेमंत सिंह ने कहा कि साहसिक गतिविधियों का केंद्र बने जबलपुर और मंडला के सीमा क्षेत्र में प्रति वर्ष यह आयोजन होना चाहिए। इस पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संभागायुक्त श्री वर्मा ने कहा कि निश्चित रूप से ऐसे आयोजन पर्यटन के विकास के मार्ग खोलेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कीर्ति श्रीवास्तव के नेतृत्व सुरधाम संगीत समिति ने कलाकारों ने प्रस्तुति दी।

मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित झील महोत्सव में 18 प्रकार की साहसिक गतिविधियां संचालित की गईं। वाटर स्पोर्ट्स में जेट स्की, बनाना राइड, वाटर स्कूटरऔर सर्फिंग जैसे रोमांचक विकल्प मौजूद हैं।

वहीं हॉट एयर बैलून, पैरा मोटरिंग और पैरा सेलिंग जैसे विकल्प पर्यटकों को बांध और आसपास की प्राकृतिक सुंदरता को एक नए दृष्टिकोण से देखने का अवसर दे रहे थी। स्लिंग शॉट, रॉक क्लाइम्बिंग, वैली क्रॉसिंग और जॉर्बिंग बॉल जैसी गतिविधियां साहसिक पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी।

शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाला गिरोह रेल पुलिस के हत्थे चढ़ा

जबलपुर, देशबन्धु। रेल पुलिस ने एक ऐसे शातिर गिरोह के सदस्यों को दबोचा है, जो लोगों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर बैंकों में खाते खुलवाकर उनके एटीएम, बैंक दस्तावेजों के माध्यम से फर्जीवाड़ा कर रहे थे। रेल पुलिस एसपी सिमाला प्रसाद एवं डीएसपी लोकेश मार्को के मार्गदर्शन में एसआईटी बनाई गई, टीम ने मामले के आरोपी नीरज शर्मा उर्फ

नीरज चावला पिता राजकुमार चावला लालमाटी को पकड़ने सायबर सेल की मदद ली, इस दौरान एक आरोपी चावला की लोकेश ट्रेस कर उसे रीवा के चाकघाट में पकड़ लिया गया। पूंछताछ में पताा चला कि नीरज गिरोह के अन्य सदस्यों को गिरोह के अन्य सदस्यों को ऑन लाइन भुगतान करता था। उसके साथ अभय कोल को गिरफ्त में ले लिया गया था, वह भी इस मामले में आरोपी है। इनके पास से कई एटीएम, बैंक एकाउंट की बुक इत्यादि बरामद किये गये हैं। इसमें मोबाईल और नगदी शामिल है।

कार्रवाई में शामिल टीम में टीआई अरूणा वाहने, एसआई संजीवनी राजपूत, एएसआई रोशन चौधरी, गणेश तिवारी, अनुराग तिवारी, सागर उपाध्याय, धर्मदास कुशवाहा, मनीष शर्मा, विमलेश ठाकुर, उमेश चौरे, कंपनी कुमार एवं रीवा चाकघाट पुलिस भी शामिल रही।

युवाओं को निजी कंपनियों में अप्रेंटिसशिप और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने युवा संगम कार्यक्रम आज

जबलपुर, देशबन्धु। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा जिले के बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की कंपनियों में अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा शासन द्वारा प्रायोजित स्व-रोजगार योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से सोमवार 21 अप्रैल को शासकीय मॉडल आईटीआई में युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उप संचालक रोजगार एम एस मरकाम से प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय मॉडल आईटीआई और जिला व्यापार एवं उद्योग के सहयोग से आयोजित किये जा रहे युवा संगम कार्यक्रम में निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियां भाग लेंगी। युवा संगम कार्यक्रम में दसवीं या बारहवीं उत्तीर्ण अथवा स्नातक, आईटीआई एवं पोलिटेक्निक डिप्लोमा योग्यता वाले 18 वर्ष से 30 वर्ष तक की आयु के आवेदकों का साक्षात्कार के माध्यम से निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा चयन किया जायेगा। युवाओं को शासन द्वारा प्रायोजित विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी भी कार्यक्रम में प्रदान की जायेगी।

उप संचालक रोजगार ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने के इच्छुक युवा शासकीय मॉडल आईटीआई में सुबह 11 बजे अपने समस्त शैक्षणिक व अन्य प्रमाण पत्रों एवं बायोडाटा सहित उपस्थित होकर साक्षात्कार में भाग ले सकेंगे।

जन्म-मरण, सुख-दुख में सम रहना ही आध्यात्म

दादी रतन मोहनी की श्रद्धांजलि सभा में जुटे धर्म वेत्ता

जबलपुर, देशबन्धु। जन्म और मृत्यु के बीच जो सुख-दुख, हानि-लाभ, अच्छा-बुरा, अनुकूल-प्रतिकूल आता है, उसमें सम रहना ही आध्यात्म है। ज्ञान जी न तो खुशी आने पर आपा खोते न ही दुख आने पर हायतौबा मचाते। वे साक्षी भाव से सब कुछ प्रभु की लीला समझ कर देखते हैं। ये बात विद्वान वक्ताओं ने शिव स्मृति भवन भंवरताल में कहे। यहां ब्रम्हाकुमारी की मुख्य प्रशासिका स्व. दादी रतन मोहिनी के अवसाद पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन था। समारोह में संत-महात्मा, चिंतक-विचारक रहित सभी वर्ग के लोग थे। इस मौके पर बीके भावना बहन ने कहा कि दादी रतन मोहनी जी गुणों की खान थी, जिन्होंने वाणी की बजाय अपने आचरण से संसार को शांति और आध्यात्म का संदेश दिया।

याद की गई दादी की सभा- इस अवसर पर डॉ एस के पांडे और श्यामजी रावत ने दादी जी के सानिध्य में संस्कारधानी में हुई उनकी आध्यात्मिक सभा को याद करते हुए कहा कि उस दिन दलित संबंधी समस्याओं को लेकर भारत बंद का आव्हान किया गया था। जबलपुर बंद को व्यापक समर्थन मिला था। बावजूद इसके मदन महल स्थित दद्दा परिसर में आयोजित उनकी आध्यात्मिक सभा में शामिल होने पूरे प्रदेश के लोग आए थे। ये दादी का प्रताप था।

ज्ञान संजीवनी से फैला प्रकाश- भावना बहन ने कहा कि दादीजी जबलपुर में माहाकोशल की ईश्वरीय सेवाओं के विस्तार की निमित्त बनीं। उन्होंने 9 अप्रैल 2018 को ही धनवंतरी नगर स्थित ज्ञान संजीवनी भवन का उद्घाटन किया था। इस भवन से पूरे महाकोशल में ज्ञान का आलोक फैला। यहां पूरे देश से साधना करने राजयोगी भाई बहन समय-समय पर आते हैं। डॉ श्यामजी रावत ने कहा कि दादीजी मानवीय मूल्य और सेवा-तपस्या, ज्ञान धारणा के प्रचार को समर्पित रहीं। सभी ने दादी जी के चित्र पर पुष्पांजलि दी।

ईस्टर संडे, पुनरुत्थान दिवस

जबलपुर, देशबन्धु। आज सारे संसार में ईसाई समुदाय द्वारा पूरे हर्ष उल्लास के साथ ईस्टर संडे पुनुरुत्थान दिवस मनाया। इसी कड़ी में ईस्टर संडे की पूर्व संध्या एवं सुबह के समय सेंट पीटर एंड पॉल कैथेड्रल माह गिरिजा घर सदर मैं पवित्र मिस्सा बलिदान चढ़ाया गया, ईस्टर प्रभु येशु के तीसरे दिन मृत्यु पर विजय का पर्व है। गिरजा घरों में प्रभु के भजन के साथ प्रभु येशु के पुन: जी उठने की खुशी में इसाई धर्म मानने वाले लोग ने चर्च में अपनी ख़ुशी मनाई।

बाइबल के अनुसार गुड फ्राइडे के दिन प्रभु येशु की क्रूस पर मृतु के पश्चात उन्हें दफ़नाया गया एव तीसरे दिन रविवार भोर के समय उनके शिष्यों ने उन्हें क़ब्र पर नही पाया तथा कब्र के पास स्वर्ग दूतों ने उन्हें बताया की जिस प्रभु येशु को तुम दूंढ रहे हो उन्होंने मृत्यु पर विजय प्राप्त कर जी उठे है तभी से ईसाई समुदाय ईस्टर संडे का उत्सव मनाते है। सभी बिश्वाही लोगों ने संसार में अमन चैन के लिए ईश्वर से दुआ मांगी सभी शहर वाशियो को इस ईस्टर पर्व की बहुत बहुत शुभकामनाएं ईसाई समुदाय ने दिया है।

एक दूसरे धर्म के लोगो के साथ मिलते नजर आए, आज का मिस्सा बलिदान पल्लि पुरोहित डॉ डेविस जोर्ज द्वारा अर्पित किया अपने संदेश मैं उन्होंने कहा की हमें बाहरी आडंमर से बचना चाहिए एवं अपना जीवन प्रेम पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में पल्ली सचिव फेलिक्स बारला एवं मेंबर्स, जॉन डेविड, मनोज अन्थोनी, जुसिया, क्रिस्टोफ़र नरोन्हा, डॉमनिक नाजरथ, सतीश मनी, एलीक फ़र्नान्डिस, आदि उपस्थित रहे।

मोह से ढका हुआ ज्ञान स्वभाव को प्राप्त नहीं करता : मुनिश्री समय सागर

जबलपुर, देशबन्धु। आचार्य श्री विद्यासागर सभा भवन में आयोजित धर्म सभा में आचार्य श्री समय सागर महाराज ने अपने मांगलिक प्रवचन में कहा कि मोह से ढका हुआ ज्ञान स्वभाव को प्राप्त नहीं करता, जिस प्रकार सूर्य के प्रकाश को बादल ढक देता है इसी प्रकार हमारी आत्मा के पास अनंत ज्ञान है, लेकिन ज्ञानावर्ती कर्म ने उसे ढक रखा है7 आचार्य श्री ने कहा जन्म की तिथि तो निश्चित हो सकती है लेकिन किसी की मृत्यु की तिथि निश्चित नहीं है, इसीलिए मृत्यु आने के पूर्व आत्म कल्याण कर लेना चाहिए। भोग तो अनादि काल से भोगते आ रहे हैं यह विषय भोगों की लालसा मोह के कारण होती है जब तक परमाणु मात्र का भी पर वस्तु के प्रति राग है तब तक हमारा ज्ञान ध्यान में कारण नहीं बनेगा। जब तक हमारा मरण नहीं होता हमें एक एक पल का सदुपयोग करना चाहिए ज्ञान दर्पण का कार्य करता है दर्पण का अर्थ ही दर्पण अर्थात अहंकार का अभाव होता है मंगलाचरण का पाठ धैर्य जैन ने किया, आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के तैल चित्र के समक्ष संजय सिंघई, प्रवीण सिंघई एवं रांझी जैन समाज ने दीप प्रज्वलित किया, आचार्य श्री समय सागर जी के पाद पृक्षालन का सौभाग्य श्री आजाद मोदी, प्रवीण मोदी, मोनू, कमलेश वर्धमान जी को मिला। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समाज एवं महिला परिषद ने अष्ट द्रव्य समर्पित किये।

सुप्रसिद्ध भजन गायक पंडित सुधीर व्यास ने भजन प्रस्तुत कर आचार्य श्री से आग्रह किया कि वे अपनी अमृतमयी वाणी से हम सभी को कृतार्थ करें जगद्गुरू राघव देवाचार्य ने आचार्य समय सागर महाराज से की आध्यात्मिक चर्चाएं आचार्य समय सागर जी महाराज के पास आज जगतगुरु राघव देवाचार्य जी पहुंचे उन्होंने विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक विषयों पर चर्चाएं की देश की वर्तमान स्थिति और अध्यात्म पर चर्चा के बाद जगतगुरू ने कहा कि आध्यात्म ही कल्याण का मार्ग है।

जबलपुर के अंकित सेन लखनऊ में सम्मानित

जबलपुर, देशबन्धु। माउंटेनमैन के नाम से अपनी पहचान बना चुके जबलपुर के ब्रांड एंबेसेडर अंकित सेन को लखनऊ में आयोजित एक विशेष समारोह में सम्मानित किया गया। अंकित सेन को यहाँ के प्रतिष्ठित के के सी स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा भू विज्ञान के छात्रों के मार्गदर्शन हेतु आमंत्रित किया गया था। महाविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफ़ेसर अंशुमाली शर्मा ने अंकित सेन को शाल, श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. नवल किशोर तिवारी शैलेन्द्र कुमार चौधरी और वेद प्रकाश की विशिष्ट उपस्थित रही।

युवा पर्वतारोही एवं प्रेरक अंकित सेन के विश्वव्यापी अनुभवों का लाभ लेने हेतु महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने उनके मार्गदर्शन में जबलपुर, चित्रकूट और लखनऊ के विविधताओं से भरे स्थानों का एक सप्ताह तक भ्रमण किया तथा ट्रेकिंग का भी प्रशिक्षण लिया। अंकित सेन ने अब तक तीन महाद्वीपों की यात्राएँ की हैं। इन तीनों महाद्वीपों ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका और यूरोप की सबसे ऊँची पर्वत चोटियों पर चढ़कर भारतीय राष्ट्रध्वज तिरंगा फहरा चुके अंकित सेन अब चौथे महाद्वीप के उच्च पर्वत शिखर को छूकर वहाँ तिरंगा फहराने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के कोजुवस्की, अफ्रीका के माउंट किलीमंजारो और यूरोप के पर्वत शिखर माउंट एलुब्रस पर भारत का झंडा लहराया है। देश विदेश के कई रिकॉर्ड अंकित सेन के नाम हैं। साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए सामान्य ज्ञान की प्रतियोगी पत्रिकाओं में भी उनके नाम पर प्रश्न शामिल किए गए हैं। बातचीत के दौरान अंकित सेन बताते हैं मेरा सपना विश्व के सभी महाद्वीपों के सबसे ऊँची पर्वत चोटियों पर भारत के राष्ट्र ध्वज को फहराने का है। साथ ही युवाओं को इस बात के लिए प्रेरित करना है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी सफलता कैसे प्राप्त की जा सकती है।

दैनिक राशिफल

सोमवार 21 अप्रैल 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1946 हिजरी 1445। वैशाख कृष्ण पक्ष की अष्टमी, नक्षत्र- उ.षा.।

मेष - आज वाणी पक संयम रखें। स्नेहीजनों के साथ किसी बात पर विवाद हो सकता है। आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहेगा।

वृषभ - आज का दिन लाभ का बना हुआ है। व्यापार में आपको लाभ होगा। संतान के साथ संबंध अच्छे बने रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन - आज का दिन लाभदायी है। नौकरीमें अधिकारी आपके काम से खुश रह सकते हैं। व्यापार में भी आय बढ़ने की आशा है। `क-

कर्क - अधिकारियों के साथ वाणी और व्यवहार में संभलकर चलें। शारीरिक रूप से अस्वस्थता और मानसिक चिंता बनी रहेगी। व्यापार में विघ्न आ सकता है।

सिंह - आज क्रोध और वाणी पर संयम बरतने की सलाह आपको दी जाती है। स्वास्थ्य के मामले में संभलकर चलना होगा। मानसिक रूप से व्यग्रता बनी रहेगी।

कन्या - आज का दिन सुख और शांतिपूर्वक गुजार सकेंगे। दैनिक कामों में कुछ ज्यादा ही व्यस्त रह सकते हैं। आप मनोरंजन का सहारा लेंगे।

तुला - आज आप व्यवसाय बढ़ाने का प्रयास करेंगे। रोजाना की आय बढ़ाने के आपके प्रयास सार्थक हो सकते हैं।

वृश्चिक - साहित्यिक गतिविधियों के लिए आज का दिन शुभ फलदायक है। कहानी-कविता लिखने के लिए योजना बना सकते हैं।

धनु - आज आप हर मामलों में सावधान रहें। माता के स्वास्थ्य में हो रहा परिवर्तन आपके विचारों को नेगेटिव कर सकता है। इससे आपका मन किसी काम में नहीं लगेगा।

मकर - जीवनसाथी से आपका व्यवहार अधिक मधुरतापूर्ण होगा। मित्रों के साथ पर्यटन पर जाने का कार्यक्रम बना पाएंगे। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी।

कुंभ - अपने खर्च पर आपको संयम रखना होगा। क्रोध और वाणी पर नियंत्रण किसी से वाद-विवाद होने से बचाएगा।

मीन - आज का आप का दिन शुभ फलदायी है। आज आप उत्साही बने रहेंगे। नए काम की शुरुआत करने के लिए समय अच्छा है।

म.

मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना: धर्माचार्य

जबलपुर, देशबन्धु। मुस्लिम विकास परिषद ने आयोजित किया सर्वधर्म सदभाव ईद मिलन कार्यक्रम जबलपुर सभी धर्मों के ग्रंथों में एकता भाईचारा और शांति का ही संदेश दिया गया है और सभी धर्म यही कहते है कि मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना। उक्त उदगार संयुक्त रूप से धर्माचार्य सिक्ख धर्म के ज्ञानी डॉ.गुरमीत सिंह हिन्दू धर्म के पंडित चन्द्र प्रकाश शर्मा ईसाई धर्म के एके सेमुअल मुस्लिम धर्म के मौलाना चांद कादरी ने मुख्य अतिथि की हैसियत से व्यक्त किये। विशिष्ट अतिथि दैनिक भास्कर के वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पांडे ने देशभक्ति की कविताएं पढ़कर कौमी एकता का संदेश दिया। म सर्वधर्म सदभाव व ईद मिलन कार्यक्रम के अवसर को जो कि मप्र मुस्लिम विकास परिषद की जबलपुर इकाई द्वारा रद्दी चौकी स्थित गाजीबाग में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुस्लिम विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष एड मो.माहिर खान व पठान समाज के सरदार हाजी मुईन खान ने अपने उदबोधन में सर्वधर्म सदभाव और कौमी एकता को आज की जरूरत बताया। कार्यक्रम में चारो धर्मों के धर्माचार्यो सहित वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पांडे, आशीष शुक्ला, राकेश श्रीवास, प्रवीण मिश्रा आदि को स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। परिषद के जिला अध्यक्ष डॉ.मुईन अंसारी ने प्रदेशाध्यक्ष माहिर खान व हाजी मुईन खान का स्वागत कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित पत्रकार अशफाक आरिफ एडवोकेट शबाब खान जावेद अनवर, रियाज किड्स इरफान उल हक अंसारी निसार अंसारी का भी पुष्प मालाओं से स्वागत कर सम्मानित कियास गया। तत्पश्चात उपस्थित सभी ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद व शुभकामनाएं दी और सेवई ग्रहण की। कार्यक्रम के मुस्लिम विकास परिषद के मासूर गुडडु इरफान कुरैशी फैजान, कुरैशी, गुलाम साबरी, अहमद रजा, मुज्जफर कुरैशी नौशाद खलीफा, हाशिम राजा, अब्दुल बाकी खान, अशरफ शिराजी, साजिद अली, काजी, सईद खान, मेहताब अली, सलीम खान, इस्लाम अली, तारिक कुरैशी, लियाकत जावेद आदि की उपस्थित उल्लेखनीय रही।

पेंशनर्स ने मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

कर्मचारी जगत

जबलपुर, देशबन्धु। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एचपी उरमलिया ने बताया कि म.प्र.एवं छ.ग. शासन के द्वारा प्रदेश के साढ़े लाख पेंशनर्स की लंबित मांगों के संबंध में बार बार निवेदन करने के पश्चात अभी तक कोई भी निर्णय नहीं लिया गया जिसे दोनों राज्यों के पेंशनर्स में गंभीर आक्रोश व्याप्त है। ऐसी स्थिति में अब संगठन के पदाधिकारी पुन: कोई तीव्र आंदोलन करें उसके पूर्व पुन: एक मांग पत्र दोनों के माध्यम से शाम 5 बजे प्रेषित किया जावेगा। मप्र छग राज्य पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49 6 को पेंशनर्स हित ने विलोपित की जाए। या उसका अधिनियम में दी गई व्यवस्था के अनुकुल सरलीकरण किया जाये। केन्द्र के सामान राज्य के पेंशनर्स को भी देय तिथि से मंहगाई राहत का भुगतान किया जाये जिसमें जुलाई 2024 से 3 प्रतिशत तथा जनवरी 2025 से 2 प्रतिशत के आदेश जारी हो। संगठन के पदाधिकारी एचपी उरमलिया शेषमणि पांडेय गौरीशंकर पांडेय आरके श्रीवास्तव, सीएल दोहरे, बीएसपी गौर, एके शुक्ला एसपी शुक्ला, आर आर तिवारी, डॉ.एसपी सिंह, प्रकाश गर्ग, एसके श्रीवास्तव डॉ.बीपी अवस्थी श्रवण कुमार श्रोती, नरेश तिवारी आदि ने सभी पदाधिकारियों से कमिश्नर कार्यालय के समक्ष उपस्थित करने का आग्रह किया।

समस्यों को लेकर आप उतरेगी सड़क पर

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर संभाग की आम आदमी की आवश्यक बैठक आयोजित की गई जिसमें पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार अत्यधिक बढ़ गया है यहां पर बिना रिश्वत के लोगों के काम नहीं हो पा रहे हैं। जबलपुर के साथ ज्यादातर जिलों में लोग मंहगाई, पानी की समस्या, शासकीय अस्पतालों में अव्यवस्था एवं बद्हाल व्यवस्था के कारण लोक परेशान हैं। इन समस्यों को लेकर आम पार्टी जल्द ही अपनी मांगों के लेकर सड़कों में उतरेंगी। पार्टी के राजेश वर्मा, आदेश दुबे, रामकिशोर शिवहरे, इन्द्र विक्रम सिंह, पंकज पाठक आदि मौजूद थे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री जगदीप नारायण- एपीआर कॉलोनी 2, बिलहरी निवासी श्री जयदीप नारायण (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उर्मिला यादव- यादव कॉलोनी निवासी राम अवध यादव की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला यादव (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती इंद्रा स्वामी- बिलहरी मंडला रोड निवासी शिवशंकर स्वामी की धर्मपत्नी श्रीमती इंद्रा स्वामी (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुधा- हनुमान टोरिया कांचघर निवासी चंदन डुमार की धर्मपत्नी श्रीमती सुधा (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कमला बाई पटेल- मांडवा बस्ती शिवराज चौहान नगर रामपुर निवासी केशरी पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती कमला बाई पटेल (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राधा बाई- ब्यौहारबाग निवासी मोती लाल कहार की धर्मपत्नी श्रीमती राधा बाई (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती नीतू शर्मा- पचपेढ़ी रोड सिविल लाइन निवासी श्री राकेश शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती नीतू शर्मा (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती नीलम जौहरी- दीक्षित एनक्लेव बंदरिया तिराहा रामपुर निवासी श्री प्रहलाद जौहरी की धर्मपत्नी श्रीमती नीलम जौहरी (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री शिव प्रसाद रैकवार- गोविंद भवन कॉलोनी साउथ सिविल लाइन निवासी श्री शिव प्रसाद रैकवार (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुन्ना लाल- वंदे मातरम कॉलोनी धोबीघाट गोरा बाजार केंट निवासी श्री मुन्ना लाल (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री सुदर्शन राम यादव- पुष्पक नगर अधारताल निवासी श्री सुदर्शन राम यादव (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गीता मेहता- स्टेट बैंक कॉलोनी डबल स्टोरी विकास नगर निवासी दीपक मेहता की धर्मपत्नी श्रीमती गीता मेहता (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

सीबीआई के चक्र-वी से ही हैं उम्मीदें

शहर के साथ प्रदेश भर की पुलिस नहीं लगा पा रही साइबर अपराधियों की खबर

जबलपुर,देशबन्धु। शहर ही नहीं प्रदेश भर में साइबर अपराधों की बाढ़ को देखते हुए शहर और प्रदेश की पुलिस भले ही साइबर ठगों पर शिकंजा न कस पा रही हो लेकिन सीबीआई द्वारा कुछ समय पूर्व प्रारंभ किए गए चक्रवी अभियान से उम्मीद की जा रही हैं कि साइबर अपराधियों के गढ़ पर चोट से शायद इस तरह के अपराधियों पर शिकंजा कसा जा सके।

अधिकतर बिहार, पश्चिम बंगाल से हो रहे अपराधों में स्थिति ये हैं कि साइबर ठगों का साम्राज्य फैलता जा रहा हैं और ठगी के बाद वे न सिर्फ अपना दायरा बढ़ा रहे हैं बल्कि अकूत संपत्ति भी अर्जित कर चुके हैं ऐसे में शहर ही नहीं प्रदेश की पुलिस इस तरह के अपराधियों के सामने कई मायनों में बौनी साबित हो रही हैं। जिसके चलते अपराध तो दर्ज हो जाते हैं लेकिन न तो अपराधियों पर शिकंजा कस पाता हैं और कस भी जाए तो साइबर माफिया के नुमाईंदे स्वयं ही एक दो छोटे कर्मचारियों को पुलिस को सौंप देते हैं जिनसे रिकवरी न के बराबर हो पाती हैं। ऐसे में साइबर माफिया की संपत्ति को राजसात करने की पहल इस तरह के मामलों में नियंत्रण की दृष्टि से बड़ी पहल बताई जा रही हैं।

सीबीआई चला रही अभियान

बताया जा रहा हैं कि सीबीआई ने ऑपरेशन चक्र वी की शुरुआत की है, जो अंतरराष्ट्रीय संगठित साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट के खिलाफ है। बताया जा रहा हैं कि बिहार समेत देश-विदेश से अक्सर साइबर क्राइम और डिजिटल अरेस्ट की कई खबरें सामने आती रहती हैं। अब साइबर अपराधी न सिर्फ आम बल्कि खास लोगों को डिजिटल अरेस्ट कर उनसे मोटी वसूली करते हैं। ऐसे में अब देशभर में अंतरराष्ट्रीय संगठित साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट के खिलाफ सीबीआई ने ऑपरेशन चक्र वी की शुरुआत की है। यह ऑपरेशन गृह मंत्रालय के निर्देश पर शुरू किया गया है।

राज्यों के बड़े अपराधों पर कर रही जांच

ऑपरेशन चक्र वी के तहत, सीबीआई ने सबसे पहले राजस्थान सरकार के अनुरोध पर साइबर पुलिस स्टेशन झुंझुनू में दर्ज एक डिजिटल गिरफ्तारी का मामला अपने हाथ में लिया। सीबीआई सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस केस में पीड़ित को साइबर अपराधियों द्वारा तीन महीने से अधिक समय तक डिजिटल रूप से हिरासत में रखा गया और इस दौरान उनसे 42 बार जबरन वसूली की गई, जिसकी कुल राशि 7 करोड़ 67 लाख थी। सीबीआई ने इस मामले की गहन जांच के लिए व्यापक डेटा विश्लेषण और प्रोफाइलिंग से जुड़ी उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया।

कई स्थानों पर तलाशी और गिरफ्तारियां

जांच के दौरान प्राप्त सुरागों के आधार पर, सीबीआई ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और संभल, मुंबई, जयपुर और पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर में बारह स्थानों पर व्यापक तलाशी ली।

तलाशी के दौरान, इस अत्यधिक संगठित अपराध सिंडिकेट में शामिल चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें दो मुंबई से और दो यूपी के मुरादाबाद से हैं। तलाशी के दौरान बैंक खाते के डिटेल, डेबिट कार्ड, चेक बुक, जमा पर्चियां और डिजिटल डिवाइस सहित पर्याप्त सामग्री बरामद की गई। गिरफ्तार व्यक्तियों को सीबीआई की टीम ने सक्षम न्यायालय के समक्ष पेश किया और उन्हें पांच दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। अब इस मामले की आगे की जांच की जा रही है।

सिंगापुर से जुड़े केस में सामने आया बिहार कनेक्शन

सीबीआई सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन चक्र वी के तहत दूसरा केस सिंगापुर से जुड़ा है। सिंगापुर में भी साइबर अपराध की एक बड़ी वारदात हुई है, जिसमें लगभग 84 लोगों को साइबर अपराधियों ने निशाना बनाते हुए उनसे करोड़ों की मोटी रकम वसूली है। यह रकम भारत में बैठे एजेंट्स को भेजी गई, जिसमें कुछ एजेंट बिहार से होने की भी खबर है। अब सीबीआई इस मामले की सच्चाई की जांच में जुटी है।

बिहार में क्या है साइबर अपराध की स्थिति

बताया जा रहा है कि बिहार देश के उन शीर्ष पांच राज्यों में शामिल हो चुका है, जहां से साइबर अपराधी देश-विदेश के लोगों को निशाना बना रहे हैं। पटना के अलावा नालंदा, नवादा और दलसिंसराय भी इनमें शामिल हैं। अधिकारियों का दावा भी किया है कि बिहार पुलिस बीएनएस के माध्यम से ऐसे साइबर अपराधियों की संपत्ति को जब्त करने में जुट गई है, जिन्होंने साइबर अपराध के जरिए अकूत संपत्ति अर्जित की है।

जज रिट्रीट एवं कॉन्फ्रेंस सेंटर का उद्घाटन

जबलपुर,देशबन्धु। साउथ सिविल लाइंस, जबलपुर, मध्य प्रदेश में कॉन्डोमिनियम बिल्डिंग (जज निवास) की पहली मंजिल पर स्थित जज रिट्रीट एंड कॉन्फ्रेंस सेंटर का उद्घाटन समारोह का आयोजन रविवार को हुआ। जज रिट्रीट एंड कॉन्फ्रेंस सेंटर का उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जितेंद्र कुमार माहेश्वरी, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा, द्वारा चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत, प्रशासनिक जस्टिस संजीव सचदेवा, के साथ साथी न्यायाधीश जस्टिस अतुल श्रीधरन, जस्टिस विवेक अग्रवाल, जस्टिस संजय द्विवेदी, जस्टिस विशाल धगट की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

जस्टिस विशाल मिश्रा, जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी, जस्टिस विवेक जैन, जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल और जस्टिस देवनारायण मिश्रा आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में मध्य प्रदेश राज्य बार काउंसिल के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता राधे लाल गुप्ता, वरिष्ठ अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डीके जैन, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के सचिव परितोष त्रिवेदी, वरिष्ठ अधिवक्ता परिषद के सचिव निखिल तिवारी, अधिवक्ता विपुल वर्धन जैन, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल धर्मेंद्र सिंह राठौड़ और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के अन्य रजिस्ट्री अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना, कलेक्टर, जबलपुर और एसपी संपत उपाध्याय भी उपस्थित थे। इस अवसर पर जानकारी दी गई कि जजेज रिट्रीट एवं कॉन्फ्रेंस सेंटर से दोहरे उद्देश्य पूरे होंगे। न्यायाधीशों के लिए गुणवत्तापूर्ण एवं सुविधाजनक ठहरने की व्यवस्था के साथ ही इसी स्थान पर कॉन्फ्रेंस सेंटर उपलब्ध होने से यह बहुआयामी साबित होगा।

पुलिस अधिकारियों ने किया अनुभाग के थानों का निरीक्षण

जबलपुर,देशबन्धु। जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों द्वारा बीती रात अपने-अपने अनुभागों के थानों का औचक निरीक्षण किया गया। पुलिस महानिदेशक द्वारा समस्त राजपत्रित अधिकारियों को थानों का निरीक्षण करने हेतु आदेशित किया गया था। निर्देशों के परिपालन में शानिवार रात 11 बजे से 2 बजे तक जिला जबलपुर के समस्त राजपत्रित अधिकारियों द्वारा अपने अनुभाग के थानों का औचक निरीक्षण किया गया।

बरेला थाना पहुंचे डीआईजी

पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) जबलपुर रेंज जबलपुर अतुल सिंह द्वारा थाना बरेला का औचक निरीक्षण किया गया।श्री सिंह ने मालखाने का निरीक्षण करते हुये जब्त माल, आर्म्स एम्यूनेशन, राईट ड्रिल सामग्री का रख रखाव चैक करते हुये हवालात की जांच की। इसके साथ ही थाने में संधारित किये जाने वाले रजिस्टरों को चैक किया। उन्होंने इस बात की तसदी की कि थाने में संधारित किये जाने वाले रजिस्टर अपडेट हैं कि नहीं, सी.सी.टी.व्ही. कैमरे चालू है या नहीं। श्री सिंह द्वारा कहा गया कि लंबित सी.एम. हैल्प लाईन एवं जनसुनवाई की शिकायतों का शीघ्र संतुष्टीपूर्ण निकाल करें।

उन्होंने उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं, बच्चों, वृद्धों एवं समाज के कमजोर वर्गो के प्रति संवेदनशील रहते हुये इनके द्वारा की गयी शिकायतों पर तत्काल विधिसंगत कार्यवाही करते हुये तत्काल राहत पहुंचाएं, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिये।

एएसपी ने की 3 थानों की जांच

इसी प्रकार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) शहर आनंद कलादगी (भा.पु.से.) द्वारा थाना गोहलपुर, विजयनगर, थाना यातायात मालवीय चौक, तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन-2 समर वर्मा द्वारा थाना गढा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सूर्यकांत शर्मा द्वारा थाना पाटन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात/अपराध सोनाली दुबे द्वारा महिला थाना, थाना मदनमहल एवं थाना गोरखपुर का निरीक्षण किया गया।

सीएसपी स्तर के अधिकारियों ने भी की जांच

नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) अधारताल प्रियंका करचाम द्वारा थाना अधारताल, पनागर, नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली रीतेश कुमार शिव द्वारा थाना लार्डगंज, मदनहल, नगर पुलिस अधीक्षक ओमती सोनू कुर्मी द्वारा थाना सिविल लाईन, नगर पुलिस अधीक्षक रांझी सतीष कुमार साहू द्वारा थाना रांझी, नगर पुलिस अधीक्षक गोरखपुर एच आर पाण्डेय द्वारा थाना गोरखपुर, विजय नगर, संजीवनी नगर, नगर पुलिस अधीक्षक गोहलपुर सुनील नेमा द्वारा थाना घमापुर, थाना हनुमानताल, नगर पुलिस अधीक्षक कैंट उदय भान सिंह द्वारा थाना कैंट, नगर पुलिस अधीक्षक गढा देवेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा थाना तिलवारा, नगर पुलिस अधीक्षक माढोताल बी.एस. गोठरिया द्वारा थाना विजय नगर, उप पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आकांक्षा उपाध्याय द्वारा थाना कुण्डम, एसडीओपी सिहोरा पारूल शर्मा द्वारा थाना सिहोरा, खितोला एसडीओपी बरगी अंजुल अयंक मिश्रा द्वारा थाना बरगी एंव भेड़ाघाट का औचक निरीक्षण किया गया।

शहपुरा थानांतर्गत हुए हत्याकांड के 3 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर,देशबन्धु। शहपुरा में ट्रैक्टर की लाइट जलाने के विवाद पर 9 मार्च को ट्रैक्टर सवार 55 वर्षीय व्यक्ति पर तीन लोगों ने सब्बल और रॉड से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने इस मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी का माहौल था।

पुलिस के अनुसार इस मामले में मृतक के पुत्र ग्राम झोझी निवासी 31 वर्षीय देवेंद्र सिंह राजपूत ने रिपोर्ट दर्ज कराई। पेशे से किसान देवेंद्र ने बताया कि 9 मार्च की रात करीब 8 बजे वह अपने पिता रमेश सिंह और गाँव के अमित सिंह राजपूत ट्रैक्टर से अपने घर जा रहे थे। देवेंद्र ट्रैक्टर चला रहा था जबकि उसके पिता रमेश सिंह एवं अमित सिंह ट्रैक्टर में बैठे थे। वे जैसे ही गडरिया मौहल्ला, झोझी में सरकार नाले के पास पहुंचे, उन्होंने देखा कि श्रीपाल और चौधरी समाज के लोग आपस में गाली-गलौज कर रहे थे। देवेंद्र ने ट्रैक्टर रोक दिया जिसकी लाइट जल रही थी तभी देवेंद्र के पिता रमेश सिंह ट्रैक्टर से उतर कर लाइट के सामने खड़े हो गए।

जिस पर आरोपी प्रमोद श्रीपाल गाली गलौज करते हुये कहने लगा कि यहां ट्रैक्टर की लाईट क्यों जला कर रखी हैं। रमेश सिंह ने गालियां देने से मना किया तो आरोपी प्रमोद श्रीपाल ने लोहे की सब्बल से रमेश सिंह के सिर में चोट पहुंचा दी। आरोपी गन्नू श्रीपाल और कैलाश श्रीपाल ने लोहे की रॉड से उनके साथ मारपीट की। देवेंद्र एवं अमित ने बीच-बचाव किया तो तीनों आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। मारपीट से गंभीर रूप से घायल 55 वर्षीय रमेश सिंह को पुत्र देवेंद्र और देवेंद्र के साथी अमित ने उपचार के लिए अपेक्स अस्पताल लेकर गए जहां ऑपरेशन के लिए कहने पर देवेंद्र एवं अमित ने उन्हें मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया। रिपोर्ट पर धारा 296, 118(1), 351(2),3(5), बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। इसी दौरान 12 मार्च बुधवार सुबह करीब 9 बजे को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उपचार के दौरान रमेश सिंह राजपूत की मृत्यु हो गई। विवेचना के दौरान प्रकरण में धारा 103(1) बीएनएस इजाफा किया गया। पुलिस ने मामला विवेचना में लेते हुए आरोपियों की तलाश शुरु कर दी हैं।

ई रिक्शा से बैटरी, एक्टिवा की डिक्की से 4 मोबाइल पार

जबलपुर,देशबन्धु। गढ़ा में जहां एक ई रिक्शा से बैटरी, स्टैपनी और चार्जर वहीं सिविल लाइन थानांतर्गत दिनदहाड़े एक छात्र की एक्टिवा की डिक्की से किसी चोर ने 4 मोबाइल और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। गढ़ा थाना पुलिस के अनुसार ई-रिक्शा चालक चिकनी कुआं गढ़ा निवासी नर्मदा प्रसाद नामदेव ने बीती रात चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। नर्मदा ने पुलिस को बताया कि वह आशीष नामदेव से ई रिक्शा क्रमांक एमपी 20 जेडबी 1583 प्रतिदिन 350 रूपये के हिसाब से किराये पर लेता था। 12 अप्रैल की शाम लगभग 7-15 बजे उसने अपना ई रिक्शा रामायण मंदिर के सामने खड़ा किया था। जहां से ई रिक्शा की 4 बैटरी, चार्जर, स्टेपनी गायब हो गए। इसी तरह सिविल लाइन थानांतर्गत नवयुग कॉलेज परिसर में दिनदहाड़े एक छात्र की एक्टिवा की डिक्की से किसी चोर ने 4 मोबाइल और नगदी पर हाथ साफ कर दिया।

इस मामले में साउथ मिलौनीगंज दमोहनाका थाना गोहलपुर निवासी 20 वर्षीय कुशाग्र गर्ग ने रिपोर्ट दर्ज कराई। कि उसकी एक्टिवा की डिक्की में साथ पढने वाली कुमारी वैभव सोनी ने अपना मोबाइल वन प्लस कम्पनी, आयुष पीपड़ा खटीक ने रेडमी कम्पनी, पीयूष सेन ने ओप्पो कम्पनी का तथा उसका रियलमी कम्पनी का मोबाइल उसकी एक्टिवा की डिक्की में रखकर नवयुग कॉलेज में परीक्षा देने चले गये थे। शाम लगभग 4-30 बजे परीक्षा देकर एक्टिवा के पास वापस आये तो देखा गाड़ी की डिक्की खुली हुयी थी। सभी विद्यार्थियों के चारों मोबाइल तथा नगदी 3 हजार रुपए गायब थे। किसी चोर ने उनके परीक्षा केंद्र में रहने के दौरान इत्मीनान से डिक्की खोलकर मोबाइल और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। रिपोर्ट पर धारा 303(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

12 किलो गांजे सहित 3 तस्कर गिरफ्तार

जबलपुर,देशबन्धु। शहर अवैध मादक पदार्थों की मंडी बन चुका हैं। लगभग हर रोज न सिर्फ शहर में बड़े पैमाने से मादक पदार्थ आ रहे हैं बल्कि इस खेप को यहां से खपाने के लिए शहर या फिर अन्य शहरों में भेजा जा रहा हैं। शहर में किस तरह बड़े पैमाने पर मादक पदार्थ आ रहा हैं इसकी बानगी लार्डगंज थाना पुलिस के सामने आई गांजे की खेप दे रही हैं। लार्डगंज थाना पुलिस ने लगभग ढ़ाई लाख रुपए का 12 किलो 310 ग्राम गांजे के साथ तथा गांजे की बिक्री के 37 हजार 500 रूपये एवं घटना में प्रयुक्त कार सहित गांजा तस्करी के आरोप में तीन आरोपियों को धरदबोचा। आरोपियों की गिरफ्तारी जेडीए योजना क्रमांक 41 जेडीए आफिस के पास की गई। आरोपी मूलत~ कोष्टी मंदिर के पास गोहलपुर एवं वर्तमान में सुभाषनगर हनुमान मंदिर के पास गोहलपुर में रह रहे 23 वर्षीय पियूश बढोलिया एवं बेनीखेड़ा, पाटन रोड निवासी 38 वर्षीय विशेष कोरी एवं 30 वर्षीय आकाश ठाकुर मारूती सुजुकी कम्पनी की सीयाज कार क्रमांक एमपी 20 सीएफ 6929 से कुछ गांजा बेचने के बाद दूसरे ग्राहक की प्रतीक्षा कर ही रहे थे कि मुखबिर की सूचना पर क्राइम ब्रांच एवं लार्डगंज थाना पुलिस की टीम ने आरोपियों को धरदबोचा।

रविवार को ही मिली थी सूचना-श्री आटनेरे ने बताया कि रविवार को क्राईम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि जेडीए स्कीम नम्बर 41 जेडीए आफिस के पास सफेद रंग की मारूती सुजुकी कम्पनी की सीयाज कार में तीन लड़के जिनकी उम्र लगभग 25-28 वर्ष होगी भारी मात्रा में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब रखे बेचने के लिये स्कीम नम्बर 41 में खड़े हैं। सूचना पर क्राईम ब्रांच की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई, स्कीम नम्बर 41 में सफेद रंग की मारूती सुजुकी कम्पनी की सीयाज कार क्रमांक एमपी 20 सीएफ 6929 खड़ी दिखी, घेराबंदी कर मुखबिर के बताये हुलिये के तीन व्यक्तियों को पकड़ा गया।

आईपीएल सटोरियों के विरुद्ध कार्रवाई

2 सटोरियों से 90 हजार 550 रूपये, 3 मोबाईल जब्त

जबलपुर,देशबन्धु। केंट थानांतर्गत सदर गली नंबर 3 में आपीएल पर सट्टा खिलाने वाले दो सटोरियों को मुखबिर की सूचना पर क्राइम ब्रांच एवं कैंट थाना पुलिस की टीम ने धरदबोचा। आरोपी सरकारी कुआ झिरिया थाना घमापुर निवासी 19 वर्षीय यश राय एवं नेपियर टाउन ओमती निवासी 40 वर्षीय पंकज उर्फ प्रवीण कुमार बलेचा के कब्जे से 90 हजार 550 रूपये नगद एवं 3 मोबाईल फोन जब्त किए गए। आरोपियों से उनके अन्य साथियों के सिलसिले में पूछताछ की जा रही हैं।

मुखबिर से मिली सूचना

थाना प्रभारी केण्ट श्री पुष्पेन्द्र पटले ने बताया कि पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय द्वारा आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान पतासाजी कर क्रिकेट का सट्टा खिलाने वाले सटोरियों की धरपकड़ हेतु समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं सभी थाना प्रभारियों को आदेशित किया गया है। आदेश के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन-2 समर वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात/अपराध सोनाली दुबे एवं नगर पुलिस अधीक्षक केण्ट/अपराध उदयभान बागरी के मार्गदर्शन में क्रिकेट का सट्टा खिलाने वाले 02 सटोरियों को रंगे हाथ पकड़ते हुये 90 हजार 550 रूपये एवं 3 मोबाइल जप्त किये गये हैं। श्री पटले ने बताया कि क्राईम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर सूचना प्राप्त हुयी कि

उन्नति ज्वैलर्स गली नम्बर 3 सदर में कुछ लोग आईपीएल टूर्नामेंट मे गुजरात टाईटन्स तथा दिल्ली केपिटल के बीच चल रहे क्रिकेट मैच में आनलाईन आईडी लेकर इलेक्ट्रानिक अंतरण के माध्यम से टीम के स्कोर, हारजीत, रन एवं बॉल पर रूपये पैसे का दांव लगाकर अवैध लाभ अर्जित कर रहे हैं।

सूचना पर की गई घेराबंदी

मुखबिर से मिली सूचना पर क्राईम ब्रांच एवं थाना कैंट की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर उन्नति ज्वैलर्स गली नम्बर मे 3 सदर में घेराबंदी कर दबिश दी गई। मौके पर पुलिस ने पाया कि 2 व्यक्ति मोबाइल पर गुजरात एवं दिल्ली केपिटल के बीच चल रहे आईपीएल क्रिकेट मैच में ऑन लाईन सट्टा आईडी से फोन पर ग्राहकों से क्रिकेट के स्कोर, टीम की हार जीत, रन एवं बॉल पर रूपये पैसों का दांव लगवा रहे थे। आरोपियों में से एक सरकारी कुंआ झिरिया, घमापुर निवासी 19 वर्षीय यश राय एवं दूसरा आरोपी नेपियर टाउन, ओमती निवासी 40 वर्षीय पंकज उर्फ प्रवीण कुमार बलेचा था। पूछताछ पर आरोपी यश राय ने बताया कि मोहसीन, परेश चाचा, शानू बन्टू, हितेश, शुभम नामदेव एवं शिव सोनकर को व्हाटसएप्प के माध्यम से आईडी फारवर्ड कर ग्राहकों से मोबाइल के माध्यम से दांव लगवा रहा था। उसने स्वीकारा कि वह दांव को अपने संगठित गिरोह के सरगना आरोपी कमल खत्री निवासी नेपियर टाउन को पलटाता हैं। कार्रवाई के दौरान मामले के अन्य आरोपी मोहसीन, परेश चाचा, शानू बन्टू, हितेश , शुभम नामदेव, शिव सोनकर तथा कमल खत्री के द्वारा आरोपी यश राय एवं पंकज उर्फ प्रवीण कुमार बलेचा के मोबाइल पर कॉल आ रहे थे। सटोरिया यश राय एवं पंकज उर्फ प्रवीण कुमार बलेचा के कब्जे से 1 मोटोरोला, 1 रियलमी, 1 ओप्पो कम्पनी का मोबाइल तथा नगदी 90 हजार 550 रूपये जप्त करते हुये सभी सटोरियों के विरूद्ध धारा 4 (क) सट्टा एक्ट तथा 112 बीएनएस के तहत कार्यवाही करते हुये विवेचना में लिया गया।

इनकी रही उल्लेखनीय भूमिका

सटोरियों को पकडने् में अपराध थाना प्रभारी शैलेष मिश्रा के नेतृत्व में क्राईम ब्रांच के सहायक उप निरीक्षक कैलाश मिश्रा, मोहन तिवारी, प्रधान आरक्षक मोहन सिंह, हितेन्द्र रावत, आरक्षक प्रदीप तेकाम, प्रमोद सोनी, रंजीत यादव, रितेश शुक्ला तथा थाना कैंट के सहायक उप निरीक्षक नरेश सिंह जाटव की सराहनीय भूमिका रही।

दुकान के सामने खड़े होकर बदमाशों ने किया फायर

जबलपुर,देशबन्धु। घमापुर थानांतर्गत स्थित बाई का बगीचा घमापुर में बीती रात एक दुकान के सामने फायरिंग से सनसनी का माहौल निर्मित हो गया। पुलिस ने वारदात के चंद घंटों बाद ही दुकानदार को धमकाने वाले आरोपी सावन सोनकर एवं उसका साथ देने वाले एक 16 वर्षीय विधि विवादित बालक को अभिरक्षा में लिया हैं। प्रत्यक्षदर्शियों एवं पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दुकान के सामने खड़े होकर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। फायरिंग किए जाने की खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिन्होने पूछताछ कर बदमाशों की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार बाई का बगीचा में रहने वाले विकास गुप्ता बीती रात 9 बजे के लगभग अपनी किराना की दुकान पर बैठे थे। तभी सावन सोनकर व विधि विवादित बालक आए और सिगरेट लेकर पीते हुए जोर-जोर से गाली गलौज करते हुए बातचीत करने लगे। विकास ने शोर मचाने से मना किया तो उस वक्त दोनों युवक चले गए। कुछ देर बाद लौटकर आए और पिस्टल निकालकर फायरिंग शुरु कर दी। अचानक गोलियां चलते देख आसपास खड़े लोगों में भगदड़ मच गई। वहीं विकास ने भी अपनी दुकान की शटर गिरा दी। फायरिंग करते हुए बदमाशों ने धमकी दी कि थाना में रिपोर्ट की तो जान से मार दिया जाएगा। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई जिनकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ के बाद दोनों बदमाशों के खिलाफ धारा 296, 125, 351(2), 3(5) बीएनएस तथा 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर तलाश शुरु कर दी।

पुलिस ने दुकान के सामने खडे होकर गालीगलौज करने से मना करने की बात पर फायर कर धमकाने वाला आरोपी सावन सोनकर एवं 16 वर्षिय विधी विवादित बालक को गिरफ्त में लेकर आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल एवं 3 कारतूस एवं 1 खाली खोखा जब्त किया हैं।

एनएच-30 पर फैले भूसे से हादसे का खतरा, वाहनों के फिसलने की आशंका

गांधीग्राम, देशबन्धु। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 (ह.॥-30) पर आज एक बड़ा खतरा मंडरा रहा है। एक ओवरलोड भूसा ट्रॉली, जिसकी पाखरी (साइड बोर्ड) फटी हुई है, सड़क पर लगातार भूसा गिराती जा रही है। यह घटनाक्रम राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है, क्योंकि सड़क पर बिखरा भूसा वाहनों के फिसलने का कारण बन सकता है, जिससे दुर्घटनाएं होने की आशंका बढ़ गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जबलपुर सिहोरा हाईवे सड़क मार्ग पर बरनू तिराहा से रामपुर गांधीग्राम की ओर प्रतिदिन ट्रॉलियों में क्षमता से अधिक भूसा भरा हुआ पारियट जबलपुर परिवहन हो रहा है, अपेक्षाकृत अधिक भूसा भरे जाने के कारण से ट्रॉली की पाखरी फटने से सड़क पर भूसा गिराते हुए जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने इस लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि इस तरह के ओवरलोडिंग और असुरक्षित वाहनों के कारण सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान जोखिम में डाली जा रही है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करने और जिम्मेदार वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

पुलिस और यातायात विभाग इस प्रकार घटनाओं को संज्ञान में नहीं ले रहा है। सड़क पर बिखरे भूसे को हटाने और ट्रॉली को जब्त करने की कार्रवाई भी नहीं हो रही है। राहगीरों और वाहन चालक खुद ही एनएच 30 के इस हिस्से पर सावधानी बरतकर और धीमी गति से वाहन चलाते हैं जिससे अप्रिय घटना से बचा जा सके। यह घटना ओवरलोडिंग और यातायात नियमों के उल्लंघन के प्रति प्रशासन की उदासीनता को भी दर्शाती है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

बस हादसा बाइक को टक्कर मार पलटी यात्री बस, 2 की मौत

रीवा से सेमरिया जा रही थी बस ग्राम हरदुआ के समीप हुआ हादसा, मौके पर पहुंची पुलिस

रीवा देशबन्धु। रीवा से सेमरिया जा रही यात्रियों से भरी बस बाइक को टक्कर मार कर अनियंत्रित होकर पलट गई है। हादसे में बाइक सवार दो युवकों के मौत की खबर है तो वही आधा दर्जन यात्री घायल बताए जा रहे हैं। हादसा बस कुछ ही देर पहले रीवा सेमरिया मार्ग स्थित ग्राम हरदुआ के समीप हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर सेमरिया पुलिस पहुंची है जहां राहत व बचाव कार्य करते हुए बस में फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला है। वही घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो बस रीवा से सेमरिया की ओर जा रही थी, तभी ग्राम हरदुआ के समीप आगे जा रही बाइक को टक्कर मार बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में बस की चपेट में आने से बाइक में सवार दो युवकों की मौत हो गई है तो वहीं बस में सवार आधा दर्जन यात्री घायल बताए जा रहे हैं। फिलहाल घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है और राहत व बचाव कार्य करते हुए बस में फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला है, जहां से घायल हुए लोगों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है। इधर बाइक में तीन लोगों के सवार होने की जानकारी दी जा रही है, जिसमें दो युवकों की मौत होना बताया जा रहा है।

सार-समाचार

ब्राह्मण समाज सिहोरा का उपनयन संस्कार आठ मई को

सिहोरा, देशबन्धु। ब्राह्मण समाज सिहोरा का व्रतबंध उपनयन संस्कार 8 मई को आयोजित होगा उक्ताशय का निर्णय शिव मंदिर बाबाताल में आयोजित कार्यकारिणी की मासिक बैठक में लिया गया। समाज के आराध्य देवता भगवान परशुराम की पूजा एंव अध्यक्ष राकेश पाठक की अध्यक्षता में प्रारम्भ हुई बैठक में ब्राह्मण समाज के आगामी समय में होने वाले चुनाव के साथ साधारण सदस्यता अभियान के संबंध में चर्चा हुई। इसी तरह भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर 30 अप्रैल को संयुक्त ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित वाहन रैली में पूर्ण सहयोग का भी निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज सिहोरा के संरक्षक प्रकाश पाण्डेय,जयप्रकाश दुबे,महामंत्री प्रवीण कुररिया,नरेन्द्र त्रिपाठी,प्रवीण गौतम,के जी पाठक,अनिल कुररिया,एम एल गौतम,राजेश मिश्रा,अनिरुद्ध त्रिवेदी,सुरेन्द्र तिवारी,अशोक उपाध्याय,अरविंद उपाध्याय,राजेन्द्र गर्ग, नरेन्द्र खम्परिया,अनिल दुबे,सुनील तिवारी,नीरज पांडे,नवनीत शुक्ला, राजकिशोर तिवारी,अखिल राज तिवारी,डब्बू पाठक,मानस तिवारी आदि उपस्थित थे।

भगवान परशुराम जयंती की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

पनागर, देशबन्धु। ब्राह्मण एकता संगठन पनागर द्वारा भगवान परशुराम जी मंदिर प्रांगण बम्हनौदा रोड में बैठक आयोजित हुई

जिसमें भगवान परशुरामजी जी जयंती अक्षय तृतीया कार्यक्रम को लेकर चर्चा हुई भगवान परशुराम जी प्राण प्रतिष्ठा एवं शिव जी और नंदी महाराज स्थापित किए जाएंगे। 30 अप्रैल को मंगलाचरण एवं वेदी पूजन 1 और 2 मई को पूजन चलेगी, 3 मई को भगवान परशुराम को प्राण प्रतिष्ठा एवं प्रसाद वितरण होगा, कार्यक्रम को भव्य बनाने अनेकों विप्रजनों ने अपने अपने सुझाव दिए, जिसमें 30 अप्रैल को जल यात्रा के साथ कलश यात्रा के साथ मार्ग निश्चित किया गया जो कि मेन रोड मार्ग से ढोल बैंड डिस्को लाइट के साथ आतिशबाजी कर प्रभु परशुराम भगवान शिवाजी नंदी महाराज आयेंगे। बैठक में सुरेश मिश्रा, रविशंकर अवस्थी, मदन तिवारी, सर्वेश मिश्रा, प्रवीण मिश्रा, धर्मेश उपाध्याय, विकास पांडे,उमेश मिश्रा, आशुतोष तिवारी, कृष्णकुमार तिवारी, नितिन गौतम, रितुराज तिवारी, शेखर द्विवेदी राजा प्यासी,महेंद्र चौबे,अमित परोहा सहित अन्य उपस्थित रहे।

शहपुरा के थाना प्रभारी ने जनप्रतिनिधि के साथ की बैठक

शहपुरा/भिटोनी, देशबन्धु। नगर की यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने पर नए टीआई पदीप सिंह ने व्यापारियों, प्रतिष्ठानों के संचालकों की बैठक लेकर चर्चा की और सुझाव मांगे हैं। ध्यान रहे की पूर्व में जिलाध्यक्ष से अनुरोध किया गया था, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। टीआई प्रदीप सिंह ने बताया कि व्यापारियों से अपील हुए अपेक्षा की सीसीटीवी कमरे उपयोग करें, जिससे अपराध को रोका जा सके और पुलिस के कार्य में सहयोग मिल सके। नगर के मुख्य बाजार मार्ग पर दुकानों के सामने सब्जी हाथ ठेला लगाकर व्यापार करने वालों एवं दुकानदारों को अपने सामान दुकान की सीमा में रखने की हिदायत दी गई है, ताकि किसी प्रकार यातायात प्रभावित ना हो। नगर की महत्वपूर्ण समस्याओं का निदान बस स्टैंड की, जिसके कारण पूरा यातायात ठप हो जाता और जाम लग जाता है। यहां पुलिस प्रशासन की चौकी भी है, किंतु पुलिस प्रशासन की कोई विशेष व्यवस्था नहीं रहती है। निर्माणाधीन बस स्टैंड है जो करोड़ों की लागत से बना रहा है और,अधूरा पड़ा है। जनप्रतिनिधियों की उदासीनता प्रमुख है। कृपया संज्ञान में कार्यवाही होना चाहिये। एक ओर मुख्यमार्ग पर पार्किंग नहीं है और चरगवां झाँसी घाट से भारी मात्रा में रेत की निकासी होती है, जिससे डंपर हाइवा तीव्र गति से चलते हैं, जिस पर पुलिस कार्यवाही नही करती है। कृपया रोड तीव्र वाहनों को रोकने के लिए स्पीड बेकर बनना अतिआवश्यक है। पुलिस इसको जल्द बना दे तो समस्या हल हो जाएगी। ध्यान रहे टी आई ने एक विवादित हत्या के मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिसकी नगर चर्चा हो रही है। बैठक में अनेक वरिष्ठ नागरिक, पत्रकारिता में रुचि रखनेवाले लोग उपस्थित रहे।

राम बाई साहू का निधन

बरेला, देशबन्धु। नगर के राजेंद्र प्रसाद साहू (पूर्व अध्यक्ष नगर परिषद बरेला) की धर्मपत्नी राम बाई साहू उम्र 67 वर्ष का निधन हो गया। अंत्येष्टि बीटीआई स्थित श्मशान घाट में संपन्न हुई।

बाबा साहेब अम्बेडकर सामाजिक समरसता के प्रतीक

कुंडम, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की संवाद योजना अंतर्गत विकासखण्ड कुंडेश्वर धाम (कुण्डम) जिला जबलपुर में बाबा साहेब अंबेडकर की जन्म जयंती पर विकास खंड स्तरीय व्याख्यान माला का आयोजन किया गया।

व्याख्यानमाला विधायक संतोष बरकड़े विधायक सिहोरा के मुख्य आतिथ्य में अध्यक्षता मधुमति नामदेव प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय विशिष्ट अतिथि रवि बर्मन संभाग समन्वयक मुख्य वक्ता सचिन साहू खंड कार्यवाह, श्री अम्बिका तिवारी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ग्राम विकास जिला संयोजक, वनवासी विकास परिषद् महाकौशल प्रान्त जिला संगठन मंत्री जिला दमोह श्री गंगाराम जी की उपस्थिति में

स्थानीय शा. महाविद्यालय कुंडम में आयोजित किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण पूजन, दीप प्रज्वलन कर किया गया द्य मुख्य वक्ता के द्वारा अम्बेडकर जी के जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डाला गया, संभाग समन्वयक ने व्याख्यान माला की प्रस्तावना रखी मुख्य अतिथि श्री संतोष बरकड़े जी ने अम्बेडकर जी के द्वारा भारत देश के लिए दिए गए योगदान पर कहा कि अम्बेडकर जी एक कुशल समाजसेवी, अर्थशास्त्री, पत्रकार, संविधान निर्माता है।

उन्होंने आगे कहा कि सभी को मौलिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों का पालन भी करना चाहिए सम्भाग समन्वयक महोदय द्वारा बाबा अम्बेडकर जी के समाज सुधार कार्यों व जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत करणीय कार्यों के बारे में बताया गया आभार प्रदर्शन विकासखण्ड समन्वयक विवेक कुमार मिश्रा द्वारा किया गया कार्यक्रम में प्रस्फुटन समिति कार्यकर्ताओं एवं सी एम सी एल डी पी छात्रों की उपस्थिति रही।

सूने आवास में चोरी, 50 हजार नकदी, 2 लाख के जेवरात पार

रीवा देशबन्धु। सिविल अस्पताल मऊगंज मे पदस्थ महिला कर्मचारी के सूने मकान में चोरों ने धावा बोलते हुए 50 हजार रुपये के लगभग नगदी और 2 लाख से ऊपर का जेवरात सहित कई और सामान चुराकर चोर चंपत हो गए। आज सुबह 9 बजे जब पीड़ित अपने आवास पहुंची तो उसकी आंखें खुली की खुली रह गई। चोरों ने घर की ऐसी तलाशी ली की अनाज बर्तन से लेकर सारा का सारा सामान जमीन पर बिखेर दिया। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थल का निरीक्षण किया।

बताया जाता है कि निर्मला रजक जो सिविल अस्पताल मऊगंज में वार्ड आया के पद पर पदस्थ है। और अपनी भतीजी की शादी समारोह में शामिल होने बच्चों के साथ सीधी जिले के मझौली गई हुई थी। उनके सरकारी आवास में ताला बंद था। चोरों ने बगल में रहने वाले शशी पटेल के मेन गेट का बाहर से सिटकिनी बंद कर दी और निर्मला रजक के सूने आवास को निशाना बनाया। मेंन गेट में लगी कुंडी तोड़कर चोर अंदर प्रवेश किए और बड़े ही इतमिनान से सारे घर की तलाशी ली चोरों ने अलमारी से लेकर पूरे बक्से तोड़ डाले और 50 हजार रुपये से ज्यादा की नगदी सोने चांदी के जेवरात डिनर सेट और मिक्सर मशीन सहित कई सामान उठा ले गए जबकि गैस सिलेंडर, इंडेक्शन और पुरानी मिक्सर मशीन को सड़क पर ही छोड़कर चोर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस पहुंची और पूरे घटना की जांच शुरू कर दी है।

भू-अधिग्रहण कानून व अन्य विषयों पर की सार्थक चर्चा : प्रहलाद पटेल

पनागर, देशबन्धु। भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बताया कि गत दिवस 15 अप्रैल को मध्यप्रदेश के महाकौशल प्रांत, मध्य भरत, मालवा प्रांत सहित प्रदेश कार्यकारिणी मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ बैठक कि बैठक में भूअधिग्रहण कानून एवं अन्य विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

बैठक में महाकौशल प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने महाकौशल प्रांत की समस्याओं से अवगत कराते हुए बताया कि जबलपुर जिले में धान खरीदी घोटाला हुआ है जिसमें 272 किसान भाईयों का भुगतान रुका हुआ है किसान भाईयों को भुगतान करवाया जाये, और भुगतान रुके हुए किसान भाईयों तौल पर्ची की सूची भी बताई,2/ जबलपुर जिले में किसान भाईयों बरसात के पानी निकासी के लिए पुलिया निर्माण की मांग की

गई 3/ महाकौशल प्रांत में 5/ रुपये में स्थाई कनेक्शन योजना लागू नहीं है उसे लागू करने की मांग की गई ॥/महाकौशल प्रांत के अंतर्गत सभी जिलों में विधुत तार मेंटीनेंस ,लीडे बहुत ज्यादा खराब स्थिति है तत्काल एक नया बजट स्वीकृत कर उक्त कार्य का जीर्णोद्धार किया जाए। 5/, समर्थन मूल्य पर मूंग उड़द की खरीद की तैयारी अभी से कर ली जाए। आर डी एस एस योजना, दमोह जिले में सन् 18,19 मूंग खरीदी का भुगतान लंबित सहित अन्य विषयों पर ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधि मंडल में अखिल भारतीय किसान संघ उपाध्यक्ष रामभरोसे बसोतिया, राजेन्द्र पालीवाल,प्रचार प्रसार प्रमुख राघवेन्द्र, क्षेत्र संगठन मंत्री महेश चौधरी जी संगठन मंत्री, कमल सिंह आंजना प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री चन्द्रकांत गौर, लक्ष्मीनारायण पटेल,रमेश दांगी, मनीष शर्मा प्रदेश मंत्री आर सी पटेल गिरजा दीदी, महाकौशल प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल सहित अन्य पदाधिकारी की उपस्थिति हुई।

समाज का नवनिर्माण सबका दायित्व, डॉ. दुबे

कुंडम, देशबन्धु। विश्वात्मा ब्राह्मण महासंघ की मासिक बैठक रत्नाधाम महासंघ के राष्ट्रीय वरिष्ठ संगठन मंत्री आचार्य भृगु दत्त शास्त्री जी के आश्रम में सम्पन्न हुई, बैठक में शास्त्री जी द्वारा महासंघ पर प्रकाश डाला महासंघ के राष्ट्रीय प्रधान संरक्षक महामहोपाध्याय ब्रह्मर्षि आचार्य डॉ हरिशंकर दुबे सहित सभी वक्ताओं ने उद्गार व्यक्त कर कहा कि समाज का नवनिर्माण करना सबका सामूहिक धर्म है महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं.देवेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि अब आवश्यकता इस बात की है कि सब अपनी अपनी संकीर्णताओं से बाहर निकलें मूढ़ मान्यताओं को त्यागें ,कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पं.वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि ब्राह्मणों पर इस राष्ट्र की जाग्रति का बड़ा दायित्व है यदि ब्राह्मण सो गया तो समाज सो जायेगा बैठक में पं.रामभजन तिवारी ने गंगा जल एवं कुशा लेकर महासंघ की सदस्यता की शपथ ली।बैठक में राष्ट्रीय सचिव पं.अजय मिश्रा,पं.अनिल दुबे,पं.सत्येंद्र मिश्रा,पं.राजेश परोहा, पं.राजकुमार परोहा, पं.अमित उपाध्याय, माया उपाध्याय,सुधा परोहा ममता उपाध्याय, सुरेश चंद्र परोहा, ब्रह्म दत्त उपाध्याय, डॉ कमलेश व्यास, इंजीनियर पं.अजय शुक्ला,पं.सतीश शुक्ला, आर्या उपाध्याय,सरला बाई ,मोहनी बाई, रोहित सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रामपुर नर्सरी में लगी आग, वन विभाग पर लापरवाही का आरोप

गांधीग्राम, देशबन्धु। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30, जो जबलपुर और सिहोरा को जोड़ता है, पर स्थित गांधीग्राम के रामपुर स्थित सरकारी नर्सरी में झुरमुट में शनिवार रात लगभग 7.30 बजे एक बार फिर आग लग गई। इस घटना ने एक बार फिर वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिन पर पहले भी इस तरह की घटनाओं को लेकर लापरवाही बरतने के आरोप लगते रहे हैं। शनिवार की रात अज्ञात कारणों से रामपुर की सरकारी नर्सरी में आग की लपटें उठती दिखाई दीं। आग ने नर्सरी के वृक्षों के पत्ते झुलस रहे हैं जिससे पेड़ों को नुकसान होगा। यह पहली बार नहीं है जब इस नर्सरी में आग लगी है। पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद वन विभाग और प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए, ऐसा स्थानीय लोगों का कहना है। बार-बार हो रही आग की घटनाओं से नर्सरी को भारी नुकसान हो रहा है।

खड़ी फसल में लगी भीषण आग

रीवा देशबन्धु। जिले के पथराहा गांव में खड़ी फसल में अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पास में स्थित गैस प्लांट तक पहुँचने का खतरा मंडराने लगा था। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो यह घटना भोपाल गैस कांड जैसी भीषण त्रासदी का रूप ले सकती थी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मदद मांगने पर न तो टीआई मैडम की ओर से कोई संतोषजनक प्रतिक्रिया मिली, और न ही डीएम मैडम का फोन रिसीव हुआ। ऐसे में प्रशासन की लापरवाही पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच, जन प्रतिनिधियों ने स्थानीय लोगों ने गंभीरता को समझते हुए अपनी टीम के साथ तत्काल राहत कार्य में जुट गए। और आग पर काबू पाया, जिससे बड़ी जनहानि और संपत्ति का नुकसान टल गया। स्थानीय जनता ने इस घटना के बाद प्रशासन से त्वरित सहायता और जवाबदेही की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि भविष्य में ऐसी कोई घटना हो, तो समय पर राहत और बचाव कार्य के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

● ग्रामवासियों की सूझबूझ से टली बड़ी दुर्घटना

सरहंगों ने दुकान में तोड़फोड़ कर की मारपीट

रीवा देशबन्धु। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत रानी तालाब के समीप कल दोपहर एक सैलून की दुकान में पाउडर लगाने को लेकर उपजे विवाद में मारपीट की स्थिति निर्मित हो गई इस दौरान आरोपियों ने दुकान में भी तोड़फोड़ की है घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक दुकान संचालक शिवांग सेन विशाल मेंस पार्लर के नाम से रानी तालाब के समीप सैलून की दुकान संचालित करता है जहां कल दोपहर 2 बजे उसके पड़ोस में रहने वाला विजय कुमार कुचवधिया पहुंचा और दुकान में रखा पाउडर उठाकर लगा लिया इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहां सुनी हो गई और स्थिति मारपीट की निर्मित हो गई जिसके बाद विजय ने अपने दो अन्य साथियों को बुला लिया और दुकान संचालक के साथ मारपीट करते हुए दुकान के सामने का कांच तोड़ डाला इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है वही सिटी कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

● सैलून में फेस पाउडर लगाने को लेकर विवाद

'तुम्हें दिल्लगी' को रीक्रिएट करना मेरे लिए सम्मान और चुनौती की बात : जुबिन नौटियाल

मुंबई। फिल्म 'रेड 2' के निर्माताओं ने शनिवार को अपना नया गाना 'तुम्हें दिल्लगी' रिलीज किया, यह नुसरत फतेह अली खान के प्रतिष्ठित क्लासिक का रीक्रिएशन है। गायक जुबिन नौटियाल ने कहा कि इस गाने को फिर से बनाना एक सम्मान और चुनौती भरा काम था। जुबिन नौटियाल ने कहा कि 'तुम्हें दिल्लगी' हमेशा से उन गीतों में से एक रहा है जो मेरे साथ रहा है। बचपन से अब तक मैं नुसरत साहब के इस जादुई गीत का आनंद ले रहा हूं। संगीतकार रोचक कोहली ने इस गाने को तैयार किया है और नौटियाल की आवाज में इसे जीवंत किया गया है। गाने के बोल मनोज मुंतशिर और पुरनम इलाहाबादी ने लिखे हैं। नौटियाल ने कहा कि इस संस्करण में एक गहरी तड़प है, जिसे मैंने हर नोट के माध्यम से समेटने की कोशिश की है।

धूल के कणों पर शोधकर्ताओं का अध्ययन

बच्चों में अधिक होता है थायरॉयड कैंसर का जोखिम

- 736 ऐसे बच्चों का डेटा लिया जिन्हें 20 साल की उम्र से पहले हुआ पैपिलरी थायरॉइड कैंसर
- 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर कणों में थायरॉइड कैंसर का खतरा 7 प्रतिशत तक बढ़ा

न्यूयॉर्क, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। यूएस की येल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया है कि अगर छोटे बच्चों को जीवन की शुरुआती अवस्था में बहुत बारीक धूल के कणों (पीएम 2.5) से भरे प्रदूषण और रात में बाहर की कृत्रिम रोशनी (ओ-एएलएएन) के संपर्क में लाया जाए, तो उन्हें थायरॉइड कैंसर होने का खतरा बढ़ सकता है। यह रिसर्च 'एनवायर्नमेंटल हेल्थ पर्सपेक्टिव्स' नामक पत्रिका में छपी है। रिसर्च के अनुसार, हवा में मौजूद छोटे-छोटे कणों और रात में बाहर की कृत्रिम रोशनी के संपर्क में आने से 19 साल तक के बच्चों और युवाओं में पैपिलरी थायरॉइड कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

यह जोखिम विशेष रूप से तब बढ़ता है जब ये बच्चे गर्भावस्था के समय या जन्म के पहले एक साल के भीतर इन चीजों के संपर्क में आते हैं। यह समय 'पेरिनेटल अवस्था' कहलाती है।

येल स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में पर्यावरण स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. निकोल डेजील ने कहा कि यह चिंता की बात है क्योंकि ये दोनों चीजें आजकल बहुत आम हो गई हैं, खासकर शहरों में।

इस शोध में कैलिफोर्निया के 736 ऐसे बच्चों और किशोरों का डेटा लिया गया जिन्हें 20 साल की उम्र से पहले पैपिलरी थायरॉइड कैंसर हुआ था, और उनकी तुलना 36,800 ऐसे लोगों से की गई जिन्हें यह बीमारी नहीं हुई।

शोधकर्ताओं ने सैटेलाइट और नक्शों की मदद से यह जांचा कि जन्म के समय बच्चे किन क्षेत्रों में रहते थे और वहां प्रदूषण और रात की रोशनी का स्तर कितना था। अध्ययन के सभी प्रतिभागी कैलिफोर्निया से थे।

नतीजों से पता चला कि अगर हवा में बारीक कणों (पीएम2.5) की मात्रा 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर बढ़ जाए, तो थायरॉइड कैंसर का खतरा 7 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। यह असर किशोरों (15-19 वर्ष) और हिस्पैनिक बच्चों में सबसे ज्यादा देखा गया। वहीं, जो बच्चे ऐसे इलाकों में पैदा हुए जहां रात को कृत्रिम रोशनी ज्यादा होती है, उनमें थायरॉइड कैंसर होने की संभावना 23 से 25 प्रतिशत तक ज्यादा पाई गई।

डॉ. डेजील ने कहा कि बच्चों और किशोरों में थायरॉइड कैंसर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी तक हमें इसके कारणों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। यह अध्ययन पहला बड़ा प्रयास है जो यह बताता है कि जीवन की शुरुआत में होने वाला प्रदूषण और रात की रोशनी इस बीमारी की वजह हो सकते हैं। हालांकि शोधकर्ताओं ने यह भी कहा कि इस नतीजे को पक्के तौर पर मानने से पहले और ज्यादा रिसर्च की जरूरत है।

सिगरेट पीने से पुरुषों में कम हो सकती है पिता बनने की क्षमता

- सिगरेट में मौजूद निकोटिन और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे हानिकारक तत्व जिम्मेदार

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। धूम्रपान से स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान के बारे में सबसे ज्यादा बात कैंसर को लेकर होती है। लेकिन धूम्रपान से कैंसर होने के जोखिम के अलावा और भी कई नुकसान होते हैं। हाल ही में इस संबंध में कई स्टडी सामने आई हैं, जिसमें यह दावा किया गया है कि जो पुरुष धूम्रपान करते हैं, उनमें पिता बनने की क्षमता कम होती है। इसके अलावा, इससे उनके शुक्राणु पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। यह जोखिम उन सभी युवाओं के लिए है जो लंबे समय से धूम्रपान के आदी हैं। इस विषय पर सीके बिरला अस्पताल के डॉ. कुलदीप कुमार ग्रोवर ने कहा कि धूम्रपान करने से पुरुषों के शुक्राणुओं की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है, जिसका सीधा असर उनकी प्रजनन क्षमता पर पड़ता है। सिगरेट से शुक्राणुओं की गतिशीलता और उनकी संख्या पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। सिगरेट में मौजूद निकोटिन और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे हानिकारक तत्व इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। अगर लंबे समय तक सिगरेट पीना जारी है, तो निश्चित तौर पर स्थिति और ज्यादा गंभीर हो सकती है।

फोर्टिस अस्पताल के विशेषज्ञ डॉ. परेश जैन ने भी चेतावनी दी है कि सिगरेट पीने से पुरुषों के प्रजनन स्वास्थ्य पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह न केवल पुरुषों में इरेक्टाइल डिसफंक्शन (ईडी) का एक कारण हो सकता है, बल्कि शुक्राणुओं की संख्या और गुणवत्ता को भी कम करता है। सिगरेट में मौजूद निकोटीन और हानिकारक रसायन रक्त वाहिकाओं को संकुचित करते हैं, जिससे लिंग में रक्त प्रवाह कम होता है।

यह ईडी का प्रमुख कारण बन सकता है। धूम्रपान रक्त वाहिकाओं की आंतरिक परत को भी नुकसान पहुंचाता है और टेस्टोस्टेरोन हार्मोन के स्तर को कम करता है, जिससे कामेच्छा और ईडी की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसके अलावा, सिगरेट का सेवन शुक्राणुओं के डीएनए को नुकसान पहुंचा सकता है। यह भ्रूण के विकास को भी प्रभावित कर सकता है और गर्भपात का खतरा बढ़ा सकता है। सिगरेट के विषाक्त पदार्थ ऑक्सीडेटिव तनाव को बढ़ाते हैं, जो शुक्राणु कोशिकाओं को नष्ट करता है।

कोई धारणा बनाने से पहले 'फुले' देखें ब्राह्मण : अनंत महादेवन

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। 'फुले' के निर्माता अनंत महादेवन ने ब्राह्मणों से अनुरोध किया कि वे कोई राय बनाने से पहले फिल्म जरूर देखें। निर्देशक अनंत महादेवन की फिल्म फुले समाज सुधारक ज्योतिराव गोविंदराव फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित है। रिलीज से पहले, फिल्म को ब्राह्मणों के कुछ वर्गों से विरोध का सामना करना पड़ रहा है। फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद दावा किया गया कि फिल्म में ब्राह्मणों की गलत छवि पेश की गई है।फुले के निर्माता अनंत महादेवन ने विरोध को देखते हुए कहा कि आहत समुदाय पहले फिल्म देखे और फिर अपनी राय दें। उन्होंने कहा कि उन्होंने सेंसर बोर्ड द्वारा सुझाए गए सभी नियमों का पालन किया है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा सुझाए गए बदलावों पर अपने विचार साझा करते हुए महादेवन ने बताया कि वह शायद जरूरत से ज्यादा सतर्क थे और उनके पास कुछ सिफारिशें थीं, कुछ बदलाव थे जो वह चाहते थे कि हम करें। उन्होंने कहा कि इन बदलावों के बावजूद भी फिल्म का प्रभाव कम नहीं हुआ है। हमने इसका पालन किया क्योंकि हम कानून के अनुसार चलना चाहते हैं, लेकिन एकमात्र बात यह है कि हम थोड़े अधिक संवेदनशील हो गए हैं, भले ही उन शब्दों को बरकरार रखा गया हो, भले ही उन बिंदुओं को बरकरार रखा गया हो, मुझे नहीं लगता कि किसी को इस पर आपत्ति होगी, लेकिन कहीं न कहीं हमें इसमें सुधार करना पड़ा, लेकिन मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि इससे फिल्म का प्रभाव कम नहीं होगा। सीबीएफसी की तरफ से निर्माताओं को इस फिल्म से 'मांग', 'महार' और 'पेशवाई' जैसे शब्द हटाने को कहा गया। इसके अलावा, 'झाड़ू लिए हुए आदमी' के दृश्य को 'सावित्रीबाई पर गोबर के उपले फेंकते लड़के' से बदलने को कहा गया और '3000 साल पुरानी गुलामी' को बदलकर 'कई साल पुरानी' कर दिया गया। 25 अप्रैल को सभी को 'फुले' देखने के लिए आमंत्रित करते हुए, निर्माता ने कहा कि उन्हें सेंसर बोर्ड से क्लीन 'यू' सर्टिफिकेट मिला है सीबीएफसी ने खुद फिल्म का समर्थन किया है और कहा कि फिल्म को युवा पीढ़ी को देखना चाहिए क्योंकि ज्योतिराव और सावित्रीबाई फुले ने अपनी किशोरावस्था में एक क्रांति शुरू की थी।

बिही दाना : सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं ये बीज

- जेल चेहरे पर लगाने से त्वचा को नमी, झुर्रियां होती हैं कम
- कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बिही दाना एक पारंपरिक औषधीय तत्व है जो सदियों से आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा में इस्तेमाल होता आ रहा है। यह छोटे सफेद बीज होते हैं जो 'बिही' फल से प्राप्त किए जाते हैं। अपने औषधीय गुणों के कारण यह दाना आज भी कई घरेलू नुस्खों में प्रमुखता से प्रयोग किया जाता है।

इसका लाभ कई समस्याओं में देखा जाता है। यदि किसी को गले में खराश, सूखी खांसी या टॉन्सिल की शिकायत हो, तो बिही दाना बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। इसे रातभर पानी में भिगोकर सुबह उसका जेलनुमा अर्क निकालकर पीने से गले की सूजन और दर्द में राहत मिलती है। इसका शीतल प्रभाव गले को ठंडक देता है और संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में 10 अक्टूबर 2022 को प्रकाशित रिसर्च स्टडी में बताया गया कि सिडोनिया ओब्लोंगा मिलर (क्विंस) यानी बिही दाना रोसेसी परिवार का एक मोनोटाइपिक जीनस है जिसका उपयोग मधुमेह, कैंसर, संक्रमण और अल्सर जैसी कई चिकित्सा स्थितियों के इलाज या रोकथाम के लिए किया जाता है।

बिही दाना को रात भर पानी में भिगोकर सुबह उसका जेलनुमा अर्क निकालकर पीने से गले की खराश, सूखी खांसी और टॉन्सिल जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। इसका शीतल प्रभाव गले की सूजन को कम करता है। इस बीज में मौजूद म्यूसीलेज (एक प्रकार का प्राकृतिक जेल) पेट की परत को सुरक्षा प्रदान करता है और कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। यह आंतों को भी साफ रखता है। बिही दाना से तैयार किया गया जेल चेहरे पर लगाने से त्वचा को नमी मिलती है, झुर्रियां कम होती हैं और त्वचा चमकदार बनती है। यह एक नेचुरल मॉइश्चराइज़र की तरह काम करता है।

इसमें एंटीऑक्सिडेंट गुण पाए जाते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से सर्दी-जुकाम जैसी मौसमी बीमारियों से बचाव होता है। बिही दाना सांस की नली को साफ करता है और म्यूकस को पतला करने में मदद करता है, जिससे दमा और ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियों में राहत मिलती है। बिही दाना को रातभर पानी में भिगो दें। सुबह इसका जेल निकालकर गुनगुने पानी या शहद

कश्मीर में छुट्टियों का आनंद ले रही हैं अभिनेत्री हिना खान

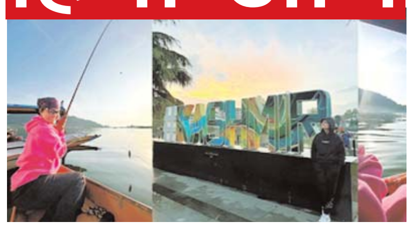

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कैंसर से जंग के बीच अभिनेत्री हिना खान कुछ समय के लिए अपने गृहनगर कश्मीर चली गई हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी कश्मीर यात्रा के बारे में फैंस को जानकारी दी। उन्होंने कुछ फोटोज शेयर कीं जिनमें कश्मीर की खूबसूरती को दिखाने का पुरजोर प्रयास किया है। अभिनेत्री ने कश्मीर की मशहूर झील में शिकारा की सैर भी की। उन्होंने इसकी फोटो शेयर की।

हिना ने नाव पर प्राणायाम करते हुए एक वीडियो भी पोस्ट किया। अगली तस्वीर में अभिनेत्री कश्मीर की घाटी में सूर्यास्त का आनंद लेते हुए दिखाई दीं।

हिना ने अपने पोस्ट में लिखा कि डल में मछली पकड़ने की एक छोटी सी सैर से लेकर सड़क यात्राएं, खूबसूरत सूर्यास्त, पारंपरिक बाजार में जाना काफी अच्छा रहा। इससे पहले हिना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कश्मीर की शांत सड़कों पर गाड़ी चलाते हुए एक वीडियो शेयर किया था। क्लिप में वह कार की खिड़की से हाथ बाहर निकालती नजर आ रही थीं। उनके हाथ पर आधे चांद के आकार का टैटू भी दिखाई दे रहा था। इसके अलावा, उन्होंने सोशल मीडिया पर सड़क के किनारे 'कश्मीर' नाम के कटआउट के सामने एक पोज दिया जिसमें वह दिल बनाकर पोज देती हुई नजर आईं।

यूके में जलवा बिखेरेंगे सलमान खान

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान द बॉलीवुड बिग वन यूके टूर में जलवा बिखेरेंगे। सलमान खान एक ऐसे सुपरस्टार हैं, जिनकी स्टारडम की कोई बराबरी नहीं कर सकता। वह सिर्फ बड़े पर्दे पर ही नहीं, बल्कि लोगों के दिलों पर भी राज करते हैं। उनकी फैन फॉलोइंग जबरदस्त है, वो भी ऐसी जो सालों से उनके साथ खड़ी है, हर मोड़ पर। बॉक्स ऑफिस पर सलमान की फिल्मों का दबदबा हमेशा से रहा है, और अब वो अपने फैन्स को एक नया तोहफा देने जा रहे हैं। सलमान अब तैयार हैं स्टेज पर धमाल मचाने के लिए। सलमान खान जल्द ही 'द बॉलीवुड बिग वन यूके टूर' के जरिए यूके में अपने चाहने वालों से रूबरू होंगे।

सलमान खान अब 'द बॉलीवुड बिग वन यूके टूर' के ज़रिए लाइव परफॉर्म करने जा रहे हैं, वो भी एक दमदार लाइनअप के साथ। ये दुनिया का सबसे बड़ा बॉलीवुड टूर अब यूके आ रहा है। सलमान चार मई को मैनचेस्टर के को-ओप लाइव और पांच मई को लंदन के ओभीओ एरिना वेम्बली में परफॉर्म करेंगे।

ये वाकई एक अलग ही अनुभव होने वाला है, जब सलमान खान स्टेज पर आग लगाने आ रहे हैं, वो भी कुछ जबरदस्त बॉलीवुड सितारों के साथ। हमेशा अपनी धमाकेदार परफॉर्मेंस से लोगों को दीवाना बनाने वाले सलमान, इस बार भी 'द बॉलीवुड बिग वन यूके टूर' के ज़रिए जादू बिखेरने को तैयार हैं।

बीएसएफ के कश्मीर प्रीमियर में भावुक हुए जवान

कश्मीर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। एक्सेल एंटरटेनमेंट की फिल्म ग्राउंड जीरो के कश्मीर प्रीमियर में बीएसएफ जवान भावुक हो गए। एक्सेल एंटरटेनमेंट की फिल्म ग्राउंड जीरो अपनी दमदार कहानी और सच्ची बहादुरी पर आधारित किरदारों के साथ थियेटर्स में धमाका करने को तैयार है। पोस्टर्स, टीज़र और ट्रेलर के ज़रिए फिल्म पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त चर्चा बटोर चुकी है। फिल्म की रिलीज से पहले एक खास प्रीमियर कश्मीर में बीएसएफ जवानों और आर्मी पर्सनल के लिए रखा गया, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक पल था। इस खास मौके पर फिल्म के मेकर्स फरहान अख्तर, तेजस देवस्कर और रितेश सिधवानी के साथ लीड स्टार इमरान हाशमी भी मौजूद थे। ग्राउंड ज़ीरो देखने के बाद आर्मी अफसरों ने फिल्म की असलियत और इमोशनल गहराई की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि कहानी बेहद रिलेटेबल लगी और मेकर्स ने जिस सच्चाई और ईमानदारी से असली घटनाओं को पेश किया है, वह काबिल-ए-तारीफ है। फिल्म से भावुक हुए अफसरों ने कलाकारों की परफॉर्मेंस की भी सराहना की और कहा कि उन्होंने अपने किरदारों को पूरी सच्चाई से निभाया है। आर्मी अफसरों ने पूरी टीम को इस दमदार और सम्मानजनक कहानी को बड़े पर्दे पर लाने के लिए बधाई और धन्यवाद दिया।

एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की फिल्म ग्राउंड ज़ीरो, को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का निर्देशन तेजस देवस्कर ने किया है।

त्रिची में लिवर स्वास्थ्य के प्रति बढ़ी जागरूकता

- 120 साइक्लिस्टों ने लिया हिस्सा, डॉक्टरों के साथ-साथ आम नागरिक भी शामिल
- जंक फूड, प्रोसेस्ड फूड और फास्ट फूड के सेवन से खतरा

विश्व लिवर दिवस

त्रिची, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। लिवर स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से हर साल 19 अप्रैल को 'विश्व लिवर दिवस' मनाया जाता है। इस अवसर पर जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी कड़ी में शनिवार को तमिलनाडु के त्रिची स्थित अपोलो हॉस्पिटल्स में भी एक विशेष जागरूकता साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को लिवर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और यह संदेश देना था कि 'भोजन ही दवा है, दवा ही भोजन है'। इस साइक्लोथॉन का शुभारंभ तमिलनाडु के नगर प्रशासन मंत्री के एन नेहरू ने हरी झंडी दिखाकर किया। साइक्लोथॉन की शुरुआत थिल्लै नगर से हुई और इसका समापन अन्ना स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुआ। इस आयोजन में लगभग 120 साइक्लिस्टों ने हिस्सा लिया, जिनमें डॉक्टरों के साथ-साथ आम नागरिक भी शामिल थे। सभी प्रतिभागियों ने लिवर के स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित करते हुए समाज को यह संदेश दिया कि संतुलित आहार और नियमित व्यायाम से गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। आयोजन के दौरान विशेषज्ञों ने लिवर रोगों से बचाव, समय पर जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

हेपेटोलॉजिस्ट डॉ. कुमारगुरुबरन ने कहा कि विश्व लिवर दिवस का मुख्य उद्देश्य जनता में लिवर रोगों के प्रति जागरूकता पैदा करना है। वर्तमान में लिवर रोगों के मामले बढ़ रहे हैं और यदि इन रोगों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान नहीं की गई, तो यह गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकते हैं। इसलिए, इनकी शुरुआती पहचान बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, रोकथाम इलाज से बेहतर है।

फिल्म 'द ताज स्टोरी' को अंतरराष्ट्रीय श्रेणी में 'बेस्ट फिल्म' का पुरस्कार मिला

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता परेश रावल की फिल्म 'द ताज स्टोरी' ने हाल ही में लंदन के हाउस ऑफ कॉमन में आयोजित ग्लोबल बिज़नेस अवार्ड 2025, अंतरराष्ट्रीय श्रेणी में 'बेस्ट फिल्म' का पुरस्कार जीता। 'द ताज स्टोरी' को ब्रिटिश दर्शकों और लंदन निवासियों के साथ-साथ वहां के फौजियों द्वारा भी बेहद पसंद किया गया। फिल्म की मुख्य भूमिका में परेश रावल की शानदार अभिनय ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा, लेखक और निर्देशक तुषार अमरीश गोयल के काम की भी खूब सराहना की गई। इस शानदार फिल्म का निर्माण सुरेश झा ने किया है और फिल्म के क्रिएटिव प्रोड्यूसर विकास राधेशाम हैं। फिल्म के डी.ओ.पी सत्यजीत हज़ारनिस और एडिटर हिमांशु एम तिवारी है। फिल्म में एक से बढ़कर एक प्रतिभाशाली कलाकारों ने काम किया है, जिनमें अमृता खानविलकर, ज़ाकिर हुसैन, नमित दास, बृजेंद्र काला, स्नेहा वाघ, शिशिर शर्मा, श्रीकांत वर्मा, अखिलेंद्र मिश्रा, अनिल जॉर्ज, अभिजीत लेहरी, सिद्धार्थ भारद्वाज, लतिका, पंकज बेरी, आसित चटर्जी, फ्लोरा जॉक्स, वीणा झा और बाल कलाकार स्वर्णिम और सर्वज्ञ शामिल हैं। इन सभी कलाकारों ने अपने-अपने किरदारों में जान डाल दी और फिल्म को और अधिक प्रभावशाली बना दिया।

खेल जगत

प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार पडिक्कल को मिलना चाहिए : विराट कोहली

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स पर जीत के बाद आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा कि देवदत्त पडिक्कल को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया जाना चाहिए था, न कि उन्हें। देवदत्त ने 35 गेंदों में 61 रनों की पारी खेलकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को रविवार को पंजाब किंग्स को सात विकेट से हराने में मदद की। कोहली ने 54 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 73 रन बनाए, जबकि पडिक्कल ने चार छक्कों और पांच चौकों की मदद से तेजी से रन बनाए। दोनों ने पंजाब के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच विकेट से मिली हार का बदला लेने के लिए दूसरे विकेट के लिए 103 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। इससे पहले, क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा ने दो-दो विकेट चटकाए और पंजाब को 20 ओवर में 157/6 पर रोक दिया।

आरसीबी ने पंजाब को सात विकेट से हराया

आरसीबी की आठ मैचों में यह पांचवीं जीत है और वह अंक तालिका में 10 अंकों के साथ तीसरे पायदान पर हैं।

मुल्लांपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। क्रुणाल पंड्या और सुयश शर्मा की शानदार गेंदबाजी के बाद विराट कोहली (नाबाद 73) और देवदत्त पड्क्किल (61) रनों की बेहतरीन अर्द्धशतकीय पारियों की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 37वें मैच में पंजाब किंग्स को सात गेंदे शेष रहते सात विकेट से हरा दिया।

158 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में फिल सॉल्ट (एक) का विकेट गवां दिये। उन्हें अर्शदीप सिंह ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये देवदत्त पड्क्किल ने विराट कोहली के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 103 रनों की साझेदारी हुई। 13वें ओवर में हरप्रीत बराड़ ने देवदत्त पडिक्कल को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। देवदत्त पडिक्कल ने 35 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान रजत पाटीदार (12) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। हालांकि इस दौरान एक छोर थामे विराट कोहली रन बनाते रहे। विराट कोहली ने 54 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 73) रनों की मैच विजयी पारी खेली। जितेश शर्मा (11) रन बनाकर नाबाद रहे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18.5 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। आरसीबी की आठ मैचों में यह पांचवीं जीत है और वह अंक तालिका में 10 अंकों के साथ तीसरे पायदान पर हैं। पंजाब किंग्स की ओर से अर्शदीप सिंह,हरप्रीत बराड़ और यजुवेंद्र चहल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स के लिए प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। पांचवें ओवर में क्रुणाल पंड्या की गेंद पर प्रियांश आर्य आगे निकलकर लांग ऑफ के ऊपर से मारने के प्रयास में मिड ऑफ पर टिम डेविड को आसान कैच थमा बैठे। प्रियांश ने 15 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (22) रन बनाये। इसके बाद सातवें ओवर में क्रुणाल ने प्रभसिमरन सिंह को भी डेविड के हाथों कैच आउटकरा कर पंजाब किंग्स को दूसरा झटका दिया। प्रभसिमरन सिंह ने 17 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (33) रनों की पारी खेली। कप्तान श्रेयस अय्यर (छह) को रोमारियो शेफर्ड ने अपना शिकार बनाया। नेहाल वढेरा (पांच) रनआउट हुये। जॉश इंग्लिस 17 गेंदों में (29) और मार्कस स्टॉयनिस (एक) को सुयश शर्मा ने आउट किया। पंजाब किंग्स ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 157 रन बनाये। शशांक सिंह (31) और मार्को यानसन (25) रन बनाकर नाबाद रहे।

देवदत्त पडिक्कल ने 35 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली

अच्छी शुरुआत के बाद पंजाब को 157 रनों पर रोकना शानदार प्रयास था : कुणाल पांड्या

मुल्लांपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने अपने गेंदबाजों के प्रयास की प्रशंसा की और न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अच्छी शुरुआत के बाद पंजाब किंग्स को 20 ओवरों में 157/6 पर रोकने का श्रेय उन्हें दिया। पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने पर, सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य (22) और प्रभसिमरन सिंह (33) की तेज-तर्रार पारियों के बाद पावरप्ले के अंत में पंजाब किंग्स का स्कोर 62/1 था। हालांकि, आरसीबी के गेंदबाजों ने उन्हें वापसी दिलाई और बीच के ओवरों में दबदबा बनाया, जिसमें क्रुणाल और सुयश शर्मा ने दो-दो विकेट लिए और अपने चार ओवरों में किफायती रहे। क्रुणाल ने मिड-इनिंग ब्रेक में ब्रॉडकास्टर्स से कहा कि बहुत बढ़िया प्रयास। जिस तरह से उन्होंने पावरप्ले में शुरुआत की, उससे हम पर दबाव बना। उस स्थिति से उन्हें 157 रन पर रोकना शानदार प्रयास था। उन्होंने आगे बताया कि धीमी गति से गेंदबाजी करने से बल्लेबाजों के लिए रन बनाना मुश्किल हो गया। जब तेज गेंदबाज गेंदबाजी कर रहे थे, तो मुझे एहसास हुआ कि तेज गति वाली गेंदों का सामना करना बहुत आसान था। मुझे एहसास हुआ कि इस विकेट पर आप जितनी धीमी गति से गेंदबाजी करेंगे, बल्लेबाजों के लिए उतनी ही मुश्किल होगी।

मांजरेकर ने की सूर्यवंशी की तारीफ, कहा

राजस्थान रॉयल्स ने एक नया सितारा खोज निकाला

आईपीएल 2025

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। महज 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे कम उम्र में खेलने का रिकॉर्ड बना दिया है।

राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने सिर्फ 20 गेंदों में 34 रन की धमाकेदार पारी खेली, जिससे सभी चकित रह गए। हालांकि उनकी यह शानदार पारी टीम को जीत नहीं दिला सकी और लखनऊ सुपरजाएंट्स से दो रन से हार मिली, लेकिन पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने एक नया सितारा खोज निकाला है। मांजरेकर ने जियोहॉटस्टार पर कहा कि सोचिए, जब 35-40 की उम्र के माता-पिता टीवी पर एक 14 साल के बच्चे को ऐसा खेलते देखते हैं, तो कितना आश्चर्य होता है। उसके पहले दो छक्के बेहतरीन गेंदों पर आए, और फिर उसने स्पिनरों के खिलाफ बहुत समझदारी दिखाई। जब वह आउट हुआ, तो ऐसा लगा जैसे रो देगा क्योंकि उस उम्र में ऐसा महसूस करना बिल्कुल स्वाभाविक है। राजस्थान रॉयल्स ने उस पर भरोसा किया और उसे ओपनिंग का मौका दिया, यह बहुत बड़ी बात है। बिहार के समस्तीपुर से आने वाले वैभव ने आईपीएल की शुरुआत ही जबरदस्त अंदाज में की। पहली गेंद पर शार्दुल ठाकुर को इनसाइड-आउट शॉट खेलकर छक्का मारा और फिर आवेश खान को सीधा मैदान के बीचों-बीच एक और शानदार छक्का लगाया।

पहली ही गेंद पर छक्का मारकर सूर्यवंशी ने खास बनाया अपना डेब्यू

__नई दिल्ली।__ 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार डेब्यू करते हुए सभी को प्रभावित किया है। उन्हें सिर्फ 13 साल की उम्र में जब आईपीएल अनुबंध मिला तो सभी का ध्यान उनकी ओर गया। हालांकि प्लेइंग 11 में जगह मिलना अभी भी दूर की कौड़ी थी, लेकिन राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन की चोट के चलते मिले मौके का इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने बखूबी फायदा उठाया। बिहार के समस्तीपुर से आने वाले तिलक ने जनवरी 2024 में अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था और वह रणजी ट्रॉफी खेलने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। इसके बाद से उन्होंने लगातार अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। उन्होंने नागपुर में हुए ट्रायल में राजस्थान रॉयल्स के टीम प्रबंधन को भी प्रभावित किया और आईपीएल 2025 में आरआर ने इस युवा प्रतिभा को 1.1 करोड़ रुपए में खरीद लिया। वैभव आईपीएल में डेब्यू करने वाले अब सबसे युवा खिलाड़ी हैं। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने सिर्फ 14 साल और 23 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले सीजन 2019 में प्रयास राय बर्मन ने 16 साल और 157 दिन की उम्र में डेब्यू किया था। तीसरे नंबर पर सीजन 2018 में मुजीब उर रहमान ने 17 साल और 11 दिन की उम्र में आईपीएल डेब्यू किया था।

प्रसिद्ध केवल गुजरात के लिए ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी एक बेहतरीन संभावना हैं : रायुडू

■ प्रसिद्ध लंबे समय से पीठ और क्वाड्रिसेप्स की चोटों के कारण बाहर थे

अहमदाबाद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रसिद्ध कृष्णा के आईपीएल 2025 में नूर अहमद की जगह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज बनने के बाद, भारत के पूर्व बल्लेबाज़ और कई बार आईपीएल विजेता रहे अंबाती रायुडू ने कहा कि लंबे कद के इस तेज गेंदबाज की क्षमता न केवल गुजरात टाइटन्स (जीटी) के लिए, बल्कि भविष्य में भारतीय टीम के लिए भी फायदेमंद होगी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में, प्रसिद्ध ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) पर जीटी की सात विकेट की जीत में 4-41 विकेट लिए और अपने टूर्नामेंट में अपने विकेटों की कुल संख्या को 14 तक पहुंचाया, जो नूर द्वारा प्रतियोगिता में लिए गए विकेटों से दो ज्यादा है। प्रसिद्ध लंबे समय से पीठ और क्वाड्रिसेप्स की चोटों के कारण बाहर थे, लेकिन इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में छह विकेट लेकर उन्होंने एक मजबूत छाप छोड़ी और अब वे लगातार बेहतर होते जा रहे हैं। रायुडू ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो पर कहा कि वह शानदार लय में दिख रहे हैं। उनकी ताकत पिच पर जोरदार तरीके से गेंद मारना है, लेकिन केएल राहुल को उन्होंने जो गेंद फेंकी, वह काफी चौंकाने वाली थी और साथ ही गेंद अंत में सही दिशा में घूमी। उन्होंने केएल राहुल को चौंका दिया और उनके पास बहुत सारी विविधताएं हैं - उनकी धीमी गेंद भी काफी प्रभावी है। मुझे लगता है कि वह न केवल जीटी के लिए बल्कि भारत के लिए भी आगे बढ़ने के लिए एक बेहतरीन संभावना है। मुंबई इंडियंस के कोच रह चुके पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी मार्क बाउचर ने रायुडू के विचारों से सहमति जताई और कहा कि प्रसिद्ध इस समय मोहम्मद सिराज के साथ अच्छी गति से गेंदबाजी कर रहे हैं और प्रतियोगिता में जीटी को काफी फायदा पहुंचा रहे हैं। मुझे लगता है कि सिराज के साथ गेंदबाजी करना उन्हें बहुत पसंद है। विकेट लेने वाले गेंदबाज के तौर पर वह थोड़ा दबाव कम करते हैं। उनकी गति अच्छी है। अपनी लंबाई के कारण उन्हें अच्छा उछाल मिलता है। जब वह गेंदबाजी करते हैं तो ऑफ स्टंप पर अच्छी और टाइट गेंद डालते हैं। इसलिए गेंद को ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने निष्कर्ष निकाला,को गेंद ज्यादा स्विंग नहीं करती थी, लेकिन पर्याप्त स्विंग करती थी। मुझे लगता है कि वह इस समय आत्मविश्वास से भरपूर है।

शुभमन गिल पर स्लो ओवर रेट के लिए लगा 12 लाख का जुर्माना

अहमदाबाद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम को आईपीएल 2025 के मैच नंबर 35 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अहमदाबाद में धीमी ओवर गति बनाए रखने का दोषी पाया गया। आईपीएल ने एक बयान में कहा कि चूंकि यह इस सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था, इसलिए आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत, जो न्यूनतम ओवर रेट अपराधों से संबंधित है, गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। गिल अब उन कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन पर इस सीजन में धीमी ओवर गति के लिए दंड लगाया गया है, जिनमें अक्षर पटेल (दिल्ली कैपिटल्स), संजू सैमसन (राजस्थान रॉयल्स), रजत पाटीदार (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू), ऋषभ पंत (लखनऊ सुपर जायंट्स), रियान पराग (आरआर) और हार्दिक पांड्या (मुंबई इंडियंस) शामिल हैं। हालांकि पिछले साल के विपरीत, इस बार आईपीएल ने दोहराए गए अपराधों के लिए खिलाड़ियों के बैन को हटा दिया है और इसके स्थान पर जुर्माने, डिमेरिट पॉइंट्स और इन-गेम पेनल्टी को लागू किया है। गिल ने अहमदाबाद की गर्म परिस्थितियों में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, जहां अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। गर्म मौसम के कारण खिलाड़ियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा और खेल में कई बार रुकावटें आईं। दिल्ली ने 8 विकेट पर 203 रन बनाए, जिसका पीछा करते हुए गुजरात ने सात विकेट और चार गेंद शेष रहते करते हुए मैच जीत लिया। जॉस बटलर को 54 गेंदों में नाबाद 97 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

गिल अब उन कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन पर इस सीजन में धीमी ओवर गति के लिए दंड लगाया गया है

सार संक्षेप

खालसा कॉलेज और इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ने हॉकी मैच मुकाबले जीते

नई दिल्ली। पीएसपीबी चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे दिन पुरुष वर्ग में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने और महिला वर्ग में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने जीत दर्ज की। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने पुरुष वर्ग के हॉकी मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज को 5-1 से पराजित किया। खालसा कॉलेज की ओर से विपिन मिश्रा ने दो गोल और अंकित एवं अरबाज ने एक-एक गोल किया। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज के लिए पुलकित ने एकमात्र गोल किया। मैच में दो गोल करने वाले विपिन मिश्रा को 'प्लेयर ऑफ मैच' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं महिला वर्ग में के मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना को 3-1 से हराया। विजेता टीम इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज की तरफ से कंचन, अंचल और पिंकी ने एक गोल किया और दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना की तरफ से एकमात्र गोल नीलम शर्मा ने किया।

बांग्लादेश को 191 पर ढ़ेर कर जिम्बाब्वे ने बनाए 67 रन

सिलहट। वेलिंगटन मसकदजा और ब्लेसिंग मुजारबानी (तीन-तीन विकेट), विक्टर न्याउची और वेस्ली मधेवेरे (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे ने आज पहले टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय बिना कोई विकेट गवां 67 रन बना लिये है। बंगलादेश को 191 के स्कोर पर ढ़ेर करने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की ब्रायन बेनेट और बेन करन की सलामी जोड़ी ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए रोशनी के कारण दिन का खेल रोके जाने के समय 14.1 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 67 रन बना लिए है। हालांकि वह अभी बंगलादेश के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 14 रन पीछे है। ब्रायन बेनेट 37 गेंदों में (नाबाद 40) और बेन करन 49 गेंदों में (नाबाद 17) रन बनाकर क्रीज पर है।

सीजन के सर्वश्रेष्ठ स्पिन आक्रमण के सामने होगी सर्वश्रेष्ठ सलामी जोड़ी

कोलकाता, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के 39वें मुक़ाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और गुजरात टाइटंस (जीटी) की भिड़ंत होने वाली है। केकेआर ने अपना पिछला मैच घर से बाहर गंवाया था, जब वे 112 के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाए थे। जीटी ने घर में खेले पिछले मैच में 200 से अधिक के लक्ष्य का पीछा दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ किया था। सात में से पांच मैच जीतकर जीटी अंक तालिका में पहले स्थान पर है। सात में से केवल तीन मैच जीत सकी केकेआर अभी छठे स्थान पर है। आइए जानते हैं इस मैच में आंकड़ों के लिहाज से क्या अहम रहने वाला है। इस मैच में दो ऐसी टीमें आमने-सामने होंगी जिनकी ओपनिंग जोड़ियां एक-दूसरे से बिल्कुल अलग अंदाज में खेलती हैं। केकेआर के पास सुनील नारायण और क्विंटन डी कॉक की विस्फोटक ओपनिंग जोड़ी है, जो पहली ही गेंद से आक्रामक बल्लेबाजी करती है। वहीं जीटी के शुभमन गिल और साई सुदर्शन शुरुआत में संभलकर खेलते हैं और बाद में आक्रमण करते हैं।

केकेआर ने अपना पिछला मैच घर से बाहर गंवाया था

15 रन चाहिए या 20, मैं अपने यॉर्कर पर भरोसा करता हूं : आवेश खान

मैं सिर्फ निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करता हूं: मैं जो भी गेंद फेंकने का फैसला करता हूं, उस पर 100 प्रतिशत ध्यान देता हूं : आवेश खान

जयपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को अंतिम ओवर में नौ रन बचाकर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) पर दो रन से जीत दिलाने के बाद, तेज गेंदबाज आवेश खान ने कहा कि उन्हें उस समय यॉर्कर को अच्छी तरह से निष्पादित करने की अपनी क्षमता पर भरोसा था। सवाई मानसिंह स्टेडियम में, आरआर 17 ओवर में 156/2 रन बना चुके थे, और मैच जीतने के लिए तैयार थे, क्योंकि समीकरण 18 गेंदों पर 25 रन का था। लेकिन आवेश ने अपनी पिन-पॉइंट यॉर्कर के साथ, सेट बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और रियान पराग को आउट किया, और अंतिम ओवर में शिमरॉन हेटमायर को आउट किया और एलएसजी के लिए एक यादगार जीत पूरी की, जिससे आरआर के घरेलू दर्शक हैरान रह गए। मैं उस समय सिर्फ निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करता हूं। जब हम बाहर से देखते हैं, यहां तक कि हम तनाव महसूस करते हैं; लेकिन जब मैं खेल रहा होता हूं, तो मुझे कभी भी यह तनाव महसूस नहीं होता कि मैं छक्का या चौका खा जाऊंगा। मैं सिर्फ निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करता हूं: मैं जो भी गेंद फेंकने का फैसला करता हूं, उस पर 100 प्रतिशत ध्यान देता हूं। ज्यादातर यह यॉर्कर होती है; चाहे 15 रन की जरूरत हो या 20 रन की, मैं यॉर्कर पर ही ध्यान केंद्रित करता हूं, और यह आईपीएल में बहुत महत्वपूर्ण है। जब आप पूरी तरह से मैच पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो आप सिर्फ इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि आप कहां गेंदबाजी करना चाहते हैं। आवेश, जिन्होंने 3-37 विकेट लिए, ने कहा कि ऐसा नहीं है कि आप इस गेंद पर विकेट लेना चाहते हैं या आप चाहते हैं कि बल्लेबाज डिफेंड करे या आप डॉट बॉल फेंकना चाहते हैं। जिस क्षण मैंने उसे (हेटमायर) ऑफ की ओर जाते देखा, मैंने स्टंप लाइन पर गेंद फेंकी, और सौभाग्य से गेंद हाथ में गई क्योंकि वह वहां एकमात्र फील्डर था। उन्होंने 14 वर्षीय आरआर के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की भी प्रशंसा की, जिन्होंने अपने पहले मैच में 34 रनों की शानदार पारी खेली।आवेश ने निष्कर्ष निकाला, उनकी बल्लेबाजी देखकर अच्छा लगा। उन्होंने खुलकर बल्लेबाजी की। आम तौर पर, जब आप आईपीएल का पहला मैच खेलते हैं, तो आप नर्वस हो जाते हैं।

बटलर ने कहा था कि मेरे शतक की चिंता मत करना : तेवतिया

अहमदाबाद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। इस सीजन गुजरात टाइटंस (जीटी) का टॉप ऑर्डर इतना जबरदस्त रहा है कि राहुल तेवतिया को आईपीएल 2025 में आखिरी बार जिम्मेदारी निभाते हुए देखे काफी समय हो गया था। हालांकि, उन्होंने जीटी के पिछले तीनों मुकाबलों में बल्लेबाजी की और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ 12 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाकर अहम भूमिका निभाई। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ अहमदाबाद में जीटी को सात गेंदों में 11 रन चाहिए थे, और मिचेल स्टार्क को अंतिम छह गेंदें डालनी थीं। पिछले ही मैच में स्टार्क ने आरआर के खिलाफ अंतिम ओवर में आठ रन सफलतापूर्वक बचाते हुए सुपर ओवर तक मैच पहुंचाया था, और वहां भी डीसी को जीत दिलाई थी। तेवतिया 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर स्ट्राइक पर आए और एक रन लेकर 20वें ओवर के लिए स्ट्राइक अपने पास रखी, जबकि जॉस बटलर 54 गेंदों में 97 रन पर नाबाद खड़े थे। तेवतिया ने फिर स्टार्क को मिडविकेट के ऊपर से छक्का मारा और फिर अपने पैरों के बीच से चार रन का अंदरुनी किनारा निकालकर 204 रनों के लक्ष्य का पीछा चार गेंद शेष रहते और सात विकेट हाथ में रहते पूरा कर लिया।

हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में अब नहीं दिखेगा अजहरुद्दीन का नाम

कभी-कभी मुझे क्रिकेट खेलने का अफसोस होता है : अजहरुद्दीन

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के लोकपाल द्वारा राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम के उत्तरी स्टैंड से उनका नाम हटाने के निर्देश पर अपनी पीड़ा व्यक्त की।

आईएएनएस से बात करते हुए, अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि यह 'दिल तोड़ने वाला' और 'खेल के लिए पूरी तरह से अपमान' है। उन्होंने आईएएनएस से कहा कि यह कहते हुए मुझे बहुत दुख होता है, लेकिन कभी-कभी मुझे क्रिकेट खेलने का अफसोस होता है। यह देखकर दिल टूट जाता है कि खेल के बारे में बहुत कम या बिल्कुल भी समझ न रखने वाले लोग अब सिखाने और नेतृत्व करने की स्थिति में हैं। यह खेल के लिए पूरी तरह से अपमान है। अजहरुद्दीन ने कहा कि वह कानूनी कार्रवाई करेंगे और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से इस मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह करेंगे। पूर्व कप्तान ने कहा कि मैं इस अन्याय के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं और मैं बीसीसीआई से हस्तक्षेप करने और उचित कार्रवाई करने का आग्रह करता हूं। यह मुद्दा अकेला नहीं है - सनराइजर्स हैदराबाद का भी एसोसिएशन ओवरपास के साथ विवाद था, जो कुप्रबंधन और संघर्ष के पैटर्न को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि जो कुछ भी सामने आ रहा है वह समझ से परे है और यह मुझे व्यक्तिगत स्तर पर आहत करता है। मुझे एचसीए चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी गई, सिर्फ इसलिए कि मैंने सिस्टम के भीतर भ्रष्टाचार को उजागर किया। इस सच्चाई ने मुझे निशाना बनाया। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) वी. ईश्वरैया, जो एचसीए के नैतिकता अधिकारी के रूप में कार्य करते हैं, ने राज्य संघ की एक सदस्य इकाई लॉर्ड्स क्रिकेट क्लब द्वारा प्रस्तुत याचिका के आधार पर यह निर्णय लिया। याचिका में पूर्व एचसीए अध्यक्ष अजहरुद्दीन पर मनमाने निर्णय लेकर अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया था। विशेष रूप से, इसने आरोप लगाया कि अजहरुद्दीन ने दिसंबर 2019 में तत्कालीन अध्यक्ष के रूप में एक शीर्ष परिषद की बैठक में भाग लेकर एचसीए के नियमों का उल्लंघन किया, जिसके दौरान उनके पदभार ग्रहण करने के ठीक एक महीने बाद उत्तरी स्टैंड का नाम उनके नाम पर रखने का प्रस्ताव पारित किया गया था।

पोजिशन	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	औसत
1-	गुजरात टाइटंस	7	5	2	10	+0.984
2-	दिल्ली कैपिटल	7	5	2	10	+0.589
3-	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	8	5	3	10	+0.472
4-	पंजाब किंग्स	8	5	3	10	+0.177
5-	लखनऊ सुपर जायंट्स	8	5	3	10	+0.088
6-	कोलकाता नाइट राइडर	7	3	4	6	-0.547
7-	मुंबई इंडियंस	7	3	4	6	-0.239
8-	राजस्थान रॉयल्स	8	2	6	4	-0.633
9-	सनराइजर्स हैदराबाद	7	2	5	4	-1.217
10-	चेन्नई सुपर किंग्स	7	2	5	4	-1.276

केले की खेती से पहले हरी खाद का करें इस्तेमालः मिट्टी की उर्वरता में बढ़ने के साथ घट जाएगी लागत

केले की खेती में अधिक उत्पादन और अच्छी गुणवत्ता के लिए मिट्टी की उर्वरता बनाए रखना ज़रूरी होता है। हरी खाद के इस्तेमाल से किसान अपनी मिट्टी को पोषक तत्वों से भरपूर बना सकते हैं, जिससे उन्हें लंबे समय तक फायदा होगा।

रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता लगातार घट रही है, जिससे फसलों की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में किसानों को जैविक खेती को अपनाते हुए हरी खाद के उपयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए। हरी खाद मिट्टी में जैविक तत्वों की मात्रा बढ़ाकर उसकी उर्वरक शक्ति को बनाए रखती है। खासतौर पर, केले की खेती से पहले हरी खाद वाली फसलों की बुवाई करने से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है।

हरी खाद की खूबियाँ जान लीजिए

हरी खाद उन फसलों को कहते हैं, जिन्हें मिट्टी में जैविक तत्वों को बढ़ाने और पोषक तत्वों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उगाया जाता है। ये फसलें नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटैशियम, जस्ता, तांबा, मैंगनीज, लोहा, और मोलिब्डेनम जैसे आवश्यक पोषक तत्वों की आपूर्ति करती हैं। हरी खाद से मिट्टी की संरचना बेहतर होती है और जल संरक्षण में भी मदद मिलती है।

ढैंचा, सनई, मूंग, और लोबिया जैसी फसलें हरी खाद के लिए उपयुक्त हैं और इनका प्रयोग मिट्टी की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए किया जाना चाहिए। इस प्रक्रिया से न केवल केला की पैदावार बढ़ेगी, बल्कि रासायनिक उर्वरकों की लागत भी घटेगी, जिससे खेती अधिक लाभदायक होगी।

केले की खेती में हरी खाद का इस्तेमाल

केला एक ऐसी फसल है, जिसे पोषक तत्वों की अत्यधिक आवश्यकता होती है। इसलिए, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखना बेहद जरूरी है। रबी फसलों की कटाई के बाद और केले की रोपाई के

बीच का समय (लगभग 90-100 दिन) हरी खाद वाली फसलों को उगाने के लिए उपयुक्त होता है। इस अवधि में मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाया जा सकता है, जिससे केले की खेती अधिक उत्पादक और टिकाऊ बनती है।

हरी खाद के लिए लगाएं ये फसलें

केला लगाने से पहले अप्रैल-मई के दौरान निम्नलिखित हरी खाद वाली फसलों की बुवाई की जा सकती है-

ढैंचा- यह तेजी से बढ़ने वाली फसल है जो मिट्टी की उर्वरता में सुधार करती है।

सनई -यह मिट्टी में नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ाती है और उसकी संरचना को सुधारती है।

मूंग - यह हरी खाद और दलहनी फसल दोनों का लाभ देती है।

लोबिया- यह मिट्टी में जैविक तत्वों की मात्रा बढ़ाने में सहायक होती है।

ढैंचा- सर्वोत्तम हरी खाद फसल

ढैंचा विशेष रूप से उन खेतों के लिए उपयुक्त है जिनकी मिट्टी का श्र॥ मान 8.0 से अधिक है, क्योंकि यह मिट्टी की क्षारीयता को कम करने में मदद करता है। यदि खेत में पहले से मृदा सुधारक जैसे जिप्सम या पायराइट का उपयोग किया गया हो, तो ढैंचा की खेती सर्वोत्तम परिणाम देती है।

हरी खाद फसल की बुवाई और प्रबंधन

अप्रैल-मई में खाली खेत में हल्की सिंचाई करें ताकि नमी बनी रहे।

प्रति हेक्टेयर 45-50 किलोग्राम ढैंचा बीज की बुवाई करें।

जब फसल 45-60 दिन की हो जाए और उसमें फूल आने लगे, तब इसे मिट्टी पलटने वाले हल से जोतकर मिट्टी में मिला दें।

हरी खाद को दबाने के बाद प्रति बिस्वा (1360 वर्ग फीट) 1 किग्रा यूरिया छिड़कें, जिससे यह जल्दी सड़कर मिट्टी में मिल जाए।

इस प्रक्रिया के बाद खेत केले की रोपाई के लिए तैयार हो जाता है।

हरी खाद के लाभ - मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि- जैविक तत्वों की मात्रा बढ़ती है जिससे फसल की उत्पादकता में सुधार होता है।

- रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है- हरी खाद नाइट्रोजन स्थिरीकरण में मदद करती है जिससे रासायनिक उर्वरकों की जरूरत घटती है।
- मृदा संरचना में सुधार- मिट्टी की जल धारण क्षमता बढ़ती है और यह अधिक उपजाऊ बनती है।
- पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ती है- सूक्ष्म जीवों की सक्रियता बढ़ने से मिट्टी में आवश्यक पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ती है।
- मिट्टी का क्षरण कम होता है- ढैंचा जैसी फसलें मिट्टी को पत्तियों और तनों से ढककर मृदा कटाव रोकती हैं।
- पर्यावरण अनुकूलता- हरी खाद का उपयोग जैविक खेती को बढ़ावा देता है, जिससे पर्यावरण को कम नुकसान होता है।

बकरी पालन से कम खर्च में होगा अधिक मुनाफा, सरकार देती है अनुदान

बकरी से किसान दूध और मांस के साथ-साथ बाल, खाल और रेशों का व्यवसाय भी कर सकते हैं। इसके अलावा बकरी के मूत्र का इस्तेमाल खाद के रूप में भी किया जाता है। बकरी पालन के व्यवसाय में शुरुआती लागत कम होती है और इनके आवास व प्रबंधन पर भी कम खर्च आता है। बकरी पालन का व्यवसाय छोटे, सीमांत और भूमिहीन किसानों के लिए एक बेहतर विकल्प है। इस व्यवसाय में कम स्थान, कम खर्च और सीमित देखभाल करके के भी मुनाफा कमाया जा सकता है। यहीं कारण है कि बीते 5 साल में भारत में बकरियों की संख्या में इजाफा देखा गया है। हर 5 साल में होने वाली पशुगणना के आंकड़ों के अनुसार पशुधन में 4।6 फीसदी की वृद्धि हुई है। बकरी से किसान दूध और मांस के साथ-साथ बाल, खाल और रेशों का व्यवसाय भी कर सकते हैं। इसके अलावा बकरी के मूत्र का इस्तेमाल खाद के रूप में भी किया जाता है। बकरी पालन के व्यवसाय में शुरुआती लागत कम होती है और इनके आवास व प्रबंधन पर भी कम खर्च आता है। बकरी पालन में सरकार की ओर से भी मदद की जाती है। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से 25 से 33 प्रतिशत तक का अनुदान मिलता है। बकरी पालन के सफल व्यवसाय के लिए जरूरी है कि वे स्वस्थ और निरोगी रहें। अगर बकरियां बीमार हो जाएं तो तुरंत इलाज की सलाह दी जाती है।

बकरियों में होने वाले रोग× बकरियों में कुछ रोग होने की आशंका ज्यादा रहती है। चेचक उनमें से एक है। यह विषाणु से होने वाला संक्रामक रोग है। जो सांस लेने या त्वचा के घांव के माध्यम से पशु के शरीर में पहुंचता है। इस बीमारी के लक्षण दो से सात दिन के अंदर सामने आने लगते हैं। यह बीमारी हो जाने पर स्वस्थ पशुओं को अलग कर दिया जाता है। दूसरी बीमारी निमोनिया है। पानी में भिगने, ठंड लग जाने और अचानक मौसम के बदलने से बकरियों को निमोनिया हो सकता है। **खुरपका-मुंहपका रोग**- यह एक संक्रामक बीमारी है और बकरी सहित सभी जानवरों में होने की आशंका रहती है। इस रोग में पीड़ित में पशुओं के मुंह और पैर में घांव होना पहला लक्षण है। इन रोगों की रोकथाम के लिए समय पर टीकाकरण जरूरी है। अगर विशेषज्ञों की सलाह लेकर बकरी पालन किया जाए तो यह फायदेमंद व्यवसाय हो सकता है।

शकरकंद की खेती, कब और कैसे करें

शकरकंद की खेती कंद वर्गीय फसलों की श्रेणी में आती है। जिसको रबी, खरीफ तथा जायद तीनों मौसम उगाया जा सकता है। वैसे तो शकरकंद की खेती पूरे भारत में की जाती है किन्तु उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, ओडिशा, मध्य प्रदेश, बिहार राज्यों में की जाती है। अगर आप शकरकंद की खेती से अच्छी कमाई करना चाहते है तो आपको शकरकंद की खेती की खेती से सम्बंधित सम्पूर्ण जानकारी पता होती चाहिए तभी आप शकरकंद की उन्नत खेती पाएंगे।

शकरकंद की फसल कंदीय वर्ग में रखा गया है। शकरकंद की खेती ने भी भारत में अपना एक प्रमुख स्थान है। भारत में शकरकंद की खेत का क्षेत्रफल प्रतिदिन बढ़ रहा है। किसान शकरकंद की आधुनिक खेती से अच्छा उत्पादन कर बंपर कमाई कर रहे हैं। शकरकंद की खेती व्यापारिक दृष्टि से भी बहुत लाभदयाक है। शकरकंद की खेती कैसे करें इसकी जानकारी दी गई है। अगर आप शकरकंद की खेती करना चाहते है तो और शकरकंद की खेती के आधुनिक तरीके जानना चाहते हो आप इस आर्टिकल को अवश्य पढ़ें क्योंकि आप के लिए शकरकंद की खेती कब और कैसे की जाती है, इसके लिए उपयुक्त जलवायु, मिट्टी, खाद व उर्वरक। शकरकंद की खेती के लिए कितना पीएच मान होना चाहिए और शकरकंद की रोपाई कैसे करें आदि की जानकरी इस लेख में देने वाले है तो चलिए जानते है शकरकंद की खेती कैसे करें।

जलवायु- शकरकंद की खेती के लिए शीतोष्ण और समशीतोष्ण जलवायु उपयुक्त मानी गई है। इसकी खेती के लिए आदर्श तापमान 21 से 27 डिग्री के मध्य होना चाहिए। इसके लिए 75 से 150 सेंटीमीटर बारिस ठीक मानी गई है।

भूमि- शकरकंद की खेती के अच्छी उपज लेने के लिए उचित जल निकासी वाली और कार्बनिक तत्वों से भरपूर दोमट या चिकनी दोमट भूमि सर्वोत्तम मानी गई है। शकरकंद की फसल उत्तम पैदावार लेने के लिए मिट्टी का पी। एच। 5।8 से 6।7 के बीच होना चाहिए।

उन्नत किस्में- गौरी- शकरकंद की इस वैरायटी को 1998 में विकसित किया गया था। इस वैरायटी को तैयार होने में करीब 110 से 120 लग जाते है। इस वैरायटी के कंद का रंग बैंगनी लाल होता है। गौरी शकरकंद से औसतन उपज लगभग 20 टन तक हो जाती है। इस किस्म को खरीफ तथा रवि के मौसम में उगाया जाता है। **श्री कनका**- इस किस्म की शकरकंद का रंग दूधिया होता है। इसके कंद अंदर से पीला होता है। इस वैरायटी को तैयार होने में 100 से 110 दिन लग जाते है। इसकी खेती से औसतन उपज 20 से 25 टन प्रति हैक्टर ली जा सकती है। **एस टी 13**- इस किस्म की शकरकंद में मिठास क होती है। यह अंदर से बिलकुल चुकंदर जैसी बैंगनी-काली दिखाई देती है। इस किस्म को तैयार होने में करीब 110-115 दिन लग जाते है। इसकी औसतन पैदावार 14 से 15 टन प्रति हैक्टर है। **एस टी 14**- इस वैरायटी को साल 2011 में विकसित किया था। इस किस्म के कन्द अंदर से हलके हरा पीला और ऊपर से हल्का पीला होता है। इस किस्म को तैयार होने में 110 दिन लग जाते है। इस किस्म की औसतन पैदावार 15 से 71 टन प्रति हैक्टर है। **शकरकंद अन्य किस्में** -पूसा सफेद, पूसा रेड, पूसा सुहावनी, एच-268, एस-30, वर्षा और कोनकन, अशवनी, राजेन्द्र शकरकंद-35, 43 और 51, करन, भुवन संकर, सीओ-1, 2 और 3, और जवाहर शकरकंद-145 और संकर किस्मों में एच-41 और 42 आदि है।

शकरकंद के खेती के लिए खेत कैसे तैयार करें- शकरकंद की फसल के लिए पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल कर खेत को कुछ दिन के लिए खुला छोड़ दें ताकि उसमें मौजूद पुरानी अवशेषों, खरपतवार और कीट नष्ट हो जाये। इसके बाद 170 से 200 क्विंटल गली सड़ी गोबर खाद प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में डालकर 2-3 आडी-तिरछी गहरी जुताई करे। अंतिम जुताई रोटावेटर कर खेत की मिट्टी को भुरभुरा और हवादार बना बना लें।

शकरकंद की बुवाई का समय- शकरकंद की फसल को वर्षा ऋतु में जून से अगस्त तथा रबी के मौसम में अक्टूबर से जनवरी में उगाया जा सकता है। लेकिन उत्तर भारत में शकरकन्द की खेती रबी, खरीफ तथा जायद तीनों मौसम की जा सकती है। इसकी खेती कंद और वेलों (लता) द्वारा की जाती है।

शकरकंद की नर्सरी तैयार करना- एक हैक्टर खेत के लिए 20 से 25 सेंटीमीटर लम्बाई वाली 84,000 लताओं के टुकड़ों की जरूत पड़ती है। एक साथ 2 से 3 टुकड़े लगाने चाहिए। लता की कटिंग हमेसा मध्य व ऊपरी भाग से करि चाहिए। यदि आप कंद का इस्तेमाल कर रहे है तो आपको दो नर्सरी तैयार करनी पड़ेगी। एक हैक्टर खेत में शकरकंद की खेती करने के लिए प्रथम नर्सरी के लिए 100-125 वर्गमीटर क्षेत्रफल आवश्यकता पड़ेगी। प्रथम नर्सरी को फसल लगाने के दो महीने पहले तैयार कर लें ताकि लगाने में आसानी रहे। स्वस्थ कन्दों को 60*60 सेंटीमीटर मेड़ से मेड़ की दूरी और 20*20 सेंटीमीटर कन्द से कन्द की दूरी पर लगाए। इस प्रकार 100-125 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के लिए करीब 100 किलोग्राम कन्दों की आवश्यकता होती है। कंद की बुवाई से पहले 2- 2।5 किलो यूरिया नालियों में छिड़क दें। आवश्यकतानुसार सिचाई करते रहे। करीब 45-50 दिनों में लताएं तैयार हो जाएगी। जिनको 22-230 सेमी के टुकड़ों में काटकर खेत में लगाएं। इसी प्रकार अन्य लताओं से भी नर्सरी तैयार कर सकते है।

लताओं को खेत लगाने से पूर्व की तैयारी- लताओं को नर्सरी से काटने बाद दो दिनों तक छायादार स्थान पर रखें। जड़ों के अच्छे विकास के लिए लताओं को बोरेक्स दवा 0।05 प्रतिशत के घोल में 10 मिनट तक

डुबोकर उपचारित करें ताकि मिट्टी से पाए जाने वाले कीट उसका नुकसान न कर सके। उपचारी करने के बाद खेत में लगाएं।

शकरकंद लगाने की विधि- शकरकंद को टीला विधि, मेड़ तथा नाली विधि और समतल विधि से लगा सकते है। शकरकंद लगाने की इन विधियों का अपना अलग महत्व है। **टीला विधि**- शकरकंद के लिए टीला विधि का प्रयोग जल भराव वाले क्षेत्रों में किया जाता है **मेड़ व नाली विधि** - इस विधि का उपयोग ढलाव वाली भूमि के लिए किया जाता है। **समतल विधि**- यह विधि का उपयोग हर जगह किया जा सकता है लेकिन जड़ जमने के एक महीने बाद मिट्टी चढ़ाना आवश्यक होता है।

शकरकंद की लताओं को लगाने का तरीका- शकरकंद की लताओं को हमेसा मध्य भाग से मिट्टी में दबाना चाहिए ताकि जड़ जल्दी विकसित हो जाये। शकरकंद की लताओं की कटिंग हमेसा 3 गांठ से ऊपर करनी चाहिए। शकरकंद की लताओं का लगे समय कतार से कतार की दूरी 60 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौधे की दूरी 20 सेंटीमीटर रखें। इससे कन्दों की गुणवत्तापूर्ण अच्छी होगी।

बिना मिट्टी के सब्ज़ियां व फलों को उगाने की तकनीक

हाइड्रोपोनिक तकनीक से आप बिना मिट्टी के टमाटर की खेती सहित तमाम अन्य सब्ज़ियाँ व फल उगा सकते हैं। हाइड्रोपोनिक्स प्रौद्योगिकी से बिना मिट्टी के सब्ज़ियाँ उगाकर परिवार के लिए ताज़ी सब्ज़ियों की व्यवस्था कर सकते हैं। मिट्टी के बिना बाग़वानी करके ताज़े फल उपलब्ध करा सकते हैं। बिना मिट्टी के आपका किचन गार्डन लगाने का सपना तो पूरा होगा ही। इसके साथ आप बिना मिट्टी के सब्ज़ियां व फलों को उगाकर घर बैठे लाखों रुपए कमा सकते हैं।

पढ़ाई लिखाई करके बीएड बीटीसी, टेट सुपर टेट पास कर शिक्षक भर्ती की आस में प्रदेश का युवा बेरोज़गार बैठा है। उनके पास अपना कोई काम नही है। ऐसे मित्र हाइड्रोपोनिक्स तकनीक को अपनाकर मिट्टी के बिना सब्ज़ियां व फल तथा पौधे उगाकर अपने लिए रोज़गार के अवसर पैदा कर सकते हैं। साथियों शहरीकरण व बढ़ती जनसंख्या के कारण पौधे लगाने के लिए ज़मीन कम हो रही है। ऐसे में हाइड्रोपोनिक्स बिना ज़मीन के पौधे उगाने की विधि किसी वरदान से कम नही है।

हाइड्रोपोनिक की मदद से हम बिना मिट्टी के घर की छत पर सब्ज़ियाँ, फल व पौधे बड़ी आसानी से उगा सकते हैं। इस तकनीक में सिर्फ़ बालू या कंकड़, पानी से एक नियंत्रित जलवायु में पौधे उगाये जाते हैं। मिट्टी के बिना खेती पश्चिमी देशों में काफ़ी समय से की जा रही है।

हम जानते हैं पौधे के वृद्धि व विकास के लिए नमी, उचित तापमान, व पोषक तत्व व खनिज तत्वों की आवश्यकता होती है। जिसे पौधे अपनी जड़ों के द्वारा ज़मीन से अवशोषित करते हैं। हाइड्रोपोनिक्स तकनीक इसी अवधारणा पर केंद्रित है। पौधे के विकास व बढ़वार के लिए सभी आवश्यक चीज़ें एक कंट्रोल्ड ईकोसिस्टम के ज़रिए दी जाती है।

हाइड्रोपोनिक खेती के लिए कितने तापमान व आर्दता की की ज़रूरत होती है ?

बताते चलें की हाइड्रोपोनिक तकनीक में पौधों के लिए एक कृत्रिम पारिस्थिकी तंत्र बनाया जाता है। हाइड्रोपोनिक्स में पौधों को 15 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तापमान व 80-85 प्रतिशत नमी दी जाती है।

हाइड्रोपोनिक खेती के लिए उर्वरक घर पर बनाने की विधि-

साथियों को पौधों की बढ़वार व विकास के लिए हाइड्रोपोनिक खेती में पौधे के लिए एक घोल बनाया जाता है। इस घोल में पौधे के के बढ़वार के लिए आवश्यक सभी पोषक तत्वों को एक निश्चित अनुपात में मिलाया जाता है। इस घोल में नाइट्रोजन फ़ोस्फोरस पोटाश मैगनीशियम कैलशियम सल्फ़र जिंक आयरन निश्चित मात्रा में होते हैं । हाइड्रोपोनिक तकनीक से तैयार हो रहे पौधों में तैयार घोल की एक - दो बूँद हर माह डाली जाती है। इस घोल से पौधों को आवश्यक पोषक तत्व मिल जाता हैं। जिससे उनकी बढ़वार अच्छी होती है।

लहसुन की उन्नत खेती

लहसुन महत्वपूर्ण बल्ब फसलों में से एक है। यह एक मसाला के रूप में भारत में प्रयोग किया जाता है। लहसुन की खेती आम तौर पर आंध्रप्रदेश, उत्तर प्रदेश मद्रास और गुजरात में खेती की जाती है।

लहसुन कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फॉस्फोरस का एक प्रचूर स्त्रोत के रूप में माना जाता रहा है। लहसुन में वाष्पशील तेल पाया जाता है। लहसुन अपच में मदद करता है। यह मानव रक्त में कोलेस्ट्रॉल कम कर देता है।

लहसुन की खेती के लिए मौसम और जलवायु-लहसुन की खेती कई प्रकार की जलवायु में की जा सकती है। तथापि बहुत गर्म या ठंडे मौसम में इसकी खेती नहीं की जा सकती है। बल्बों के गठन के लिए लघु दिन बहुत ही अनुकूल होते है। इसे 1000-1300 मीटर समुद्र तल की ऊंचाई पर अच्छी तरह से उगाया जा सकता है।

लहसुन के लिए खेत की तैयारी-पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से 15-20 से.मी. गहरी जुताई करनी चाहिए। इसके पष्चात् दो-तीन बार कल्टीव्हेटर चलाना चाहिए, जिससे ढेले टूट जाए और मिट्टी भुरभुरी हो जाती है। दूब या मौथा आदि खरपतवारों को जड़ सहित निकाल कर जला देना चाहिए।

खेत में 20-25 टन अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद डाल कर उसे हैरो से मिट्टी में अच्छी तरह से मिला देना चाहिए। अच्छी तरह तैयार खेत में भूमि के प्रकार, मौसम, वर्षा की मात्रा आदि को ध्यान में रखते हुए समतल क्यारियां बनाकर प्याज की रोपाई किया जाता है। ज्यादातर, समतल क्यारियां 1.5-2.0 मी. चौड़े और 4-6 मी. लम्बे बनते है। लेकिन समतल क्यारियां खरीफ या बारसात के मौसम के लिए उपयुक्त नहीं होते है। इस मौसम के लिए ऊंचे मेड़ बनाने चाहिए ताकी पानी की निकासी हो सके।

लहसुन उगाने के लिए मिट्टी-लहसुन की खेती मध्यम काली से चिकनी बलुई मिट्टी, जिसमें पोटाष की काफी अच्छी मात्रा हो अच्छी मानी गई है। लहसुन जमीन के नीचे तैयार होने वाली फसल हैं, जिसकी जडें जमीन से अधिकतम 20-25 सें.मी. तक जाती है।

कन्दीय फसल होने के कारण भुरभुरी तथा जल निकास वाली भूमि उत्ताम मानी जाती है। बलुई दोमट भूमि सर्वोत्ताम होती है। अन्य भूमि में भी उगाई जा सकती हैं। लहसुन की खेती के लिए भारी मृदा उपयुक्त नहीं होती है, क्योंकि इसमें जल निकास उपयुक्त नहीं होने के कारण कन्दों का समुचित विकास नहीं हो पाते तथा कंद छोटे रह जाते है, इस कारण भारी मृदा में लहसुन नहीं लगाना चाहिए।

भूमि का पीएच मान 5.8-6.5 के मध्य होना चाहिए।

लहसुन बोने के लिए बीज दर और बुवाई का समय

लहसुन के लिए 400-500 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर बीज पर्याप्त होती है। लहसुन की खेती रबी और गर्मी के दिनों में की जाती हैं। अगस्त-नवम्बर तक इसे लगाया जा सकता है।

लहसुन की उन्नत किस्म

गोदावरी -यह किस्म जामनगर संग्रहण से चयन द्वारा विकसित है बल्ब आकार में मध्यम और गुलाबी रंग का होता है। प्रति बल्ब 25-30 कलियां होती है। यह किस्म माहू के लिए सहनषील हैं। अवधि 130-140 दिन है। औसत उपज 150 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होता है।

श्वेता - बल्ब का आकार मध्यम व सफेद रंग होता हैं। प्रति बल्ब 20-25 कलियॉ होती है। अवधि 120-130 दिन हैं। औसत उपज 130 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

भीमा ओमेरी - रबी मौसम के लिए उपयुक्त सफेद कंद 120-135 दिन में परिपक्वता, औसत उपज 10-12 टन/हे., उपज क्षमता 14 टन/हे., 6-8 माह तक भण्डारण योग्य।

इसके अलाव फवारी, राजली गादी जी-451, सलेक्षन-2, सलेक्षन-10 किमे भी बहुत पापुलर है।

लहसुन की रोपाई

कलियां का चयन लहसुन के रोपण लिए महत्वपूर्ण हैं। बीज लहसुन बल्ब से अलग-अलग कलियॉ बोने से पहले अलग कर लें, लेकिन लंबे समय से पहले नहीं। बड़ी कलियां रोपण के लिए चयनित किया जाना चाहिए। छोटे, रोगग्रस्त और क्षतिग्रस्त कलियॉ का चयन नहीं करना चाहिए। कलियां को कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिषत की घोल से उपचारित करना चाहिए जिससे कवकजनित रोगों के प्रभाव को कम किया जा सके। लहसुन के लिए बीज दर 400-500 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होती हैं। चयनित कलियॉ 10 से.मी. दुरी पर कलियॉ लगाई जानी चाहिए।

लहसुन में खरपतवार प्रबंधन-लहसुन कलियों का अंकुरण 7-8 दिनों में होता है। लेकिन खरपतवार 3-4 दिन बाद लहसुन के रोपण के उपरान्त उग जाते है। जिसका उचित प्रबंधन अति आवष्यक है। लहसुन में खरपतवार की रासायनिक प्रबंधन के लिए पेन्डिामेथेलिन 30 ई.सी. /3.5-4 मि.ली. प्रीति लिटर पानी या ऑक्सीफलोरोफेन 25 अनुपात ई.सी. /1.52 मि.ली. प्रति लिटर पानी के साथ बुवाई से पहले या बुवाई के बाद स्प्रे किया जा सकता है।

लहसुन में निदाई-गुड़ाई

पहली निदाई गुड़ाई हाथ या खुरपी से बुवाई के एक महीने बाद किया जाना चाहिए। दूसरी निदाई-गुडाई बुवाई के दो महीने के बाद किया जाता है। बल्ब के उचित विकास के लिए निदाई-गुडाई अति आवष्यक है।

लहसुन में खाद एवं उर्वरक- गोबर की खाद या कम्पोस्ट 200-300 क्विंटल प्रति हेक्टर तथा नाइट्रोजन, फॉस्फोरस एवं पोटाष क्रमशः 100,50,50 किलों प्रति हेक्टर आवष्यक है। गोबर की खाद या कम्पोस्ट, फास्फोरस तथा पोटाष की पूरी मात्रा एवं नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा भूमि के तैयारी के समय तथा नाइट्रोजन की बाकी मात्रा को दो भाग में बांटकर रोपाई के 25-30 दिन एवं 40-45 दिन में गुडाई करते समय देना चाहियें।

लहसुन में सिंचाई- पहली सिंचाई बुवाई के बाद दिया जाता है। लहसुन की फसल को शुरूआत में हल्का परन्तु कम अंतर पर पानी की आवश्यकता होती है सुखे खेत में रोपाई के तुरन्त बाद सिंचाई की जानी चाहिए। नयी जडें विकसत होने तक खेत में पर्याप्त नमी होना आवष्यक हैं।

इसलिए रोपाई के बाद की गई सिंचाई के दो-तीन दिन बाद दूसरी सिंचाई की आवश्यकेता होती है। एक बार पौधों को स्थापित हो जाने के बाद आरंभिक समय में पानी की आवश्यकता कम हो जाती हैं। परन्तु जैसे-जैसे पौधो की वृध्दि होती है। उनकी पानी की आवश्यकता बढ़ने लगती है। पौधों में गांठ बनना आरंभ होने से कन्दों के पूर्ण विकास तक (रोपाई के 60-110 दिन तक) नियमित रूप से सिंचाई की आवश्यकता होती है। रोपाई के तुरन्त अंतराल पर एक सिंचाई की जाती हैं इसके बाद मौसम के अनुसार रबी मौसम (नवम्बर-जनवरी) में 10-12 दिन के बाद सिंचाई की जाती है फरवरी-अप्रैल माह में 7-8 दिनों के अन्तराल पर सिचांई की जानी चाहिए।

लहसुन की खुदाई

लहसुन 41/2 से 5 महीनों की अवधि का फसल हैं। जब पत्ते पीले या भूरा होने प्रारंभ करें और सूखने के लक्षण दिखाने तब पौधे कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। देषी हल की मदद से पौधे को बाहर निकाल ले। और कम से कम 2-3 दिनों के लिए खेत में सुखने के लिए छोड़ दें ताकि बल्ब की गुणवत्ता लंबे समय के बरकारार रहे बल्ब या उन्हें सूखी फर्श पर एक अच्छी तरह हवादार कमरे में फर्श पर सूखी रेत पर रखते है।

प्रकाशक एवं मुद्रक **अशोक मिश्रा** द्वारा श्रीजी प्रिंटर्स नौदरा ब्रिज जबलपुर से मुद्रित सैमरिया चौक रीवा रोड सतना म.प्र. से प्रकाशित। फोन 0761-4085031, सम्पादक- **मोहन सुरजन,** पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार), मानसेवी सलाहकार सम्पादक-**नियाज खान,** स्थानीय संपादक-**कपिल चौरसिया,** रीवा कार्यालयः चौरसिया बिल्डिंग, अमहिया रोड रीवा म.प्र. फोन-07662-406671 आर.एन.आई पंजी.क्रमांक **38532/85,** डाक पंजीयन-रीवा संभाग/16/2009-2011

डोलोमाईट का अवैध उत्खनन बना मुसीबत का सबब

कटनी के जमुनिया, माल्हन, गुढ़ा से पलायन करने विवश ग्रामीण

जबलपुर/कटनी, देशबन्धु। जबलपुर के बरगी क्षेत्र में जिस तरह अवैध उत्खनन ने ग्रामीणों को पलायन करने विवश कर दिया ठीक वहीं स्थिति कटनी के जमुनिया, माल्हन और गुढ़ा इलाके में बन रही हैं। जबलपुर की तरह कटनी के इन इलाकों में भी दिन रात डोलोमाइट के अवैध उत्खनन के लिए हो रही ब्लास्टिंग के चलते दहशत के साए में जी रहे ग्रामीण क्षेत्र से पलायन करने विवश हो गए हैं। हैरानी की बात यह हैं कि जिस विवादित खनिज अधिकारी के जबलपुर में पदस्थ रहते हुए बरगी में अवैध उत्खनन के लिए ब्लास्टिंग हुई वे अधिकारी अब कटनी में हैं।

खनिज विभाग के जानकारों को साथ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जिस तरह उन्होंने जबलपुर में अवैध उत्खनन माफिया को खुला प्रश्रय दे रखा था उसी तरह अब कटनी में खनन माफिया को दे रहे हैं।

नहीं लगा पा हरे अवैध उत्खनन पर अंकुश

कटनी जिला खनिज संपदा से समृद्ध है। राज्य के खनिज विभाग को सर्वाधिक राजस्व भी इसी जिले से मिलता है। यहां खनिज के अवैध खनन पर अंकुश लगाकर इसे और बढ़ाया जा सकता है। जिले के जमुनिया, माल्हन व गुढ़ा क्षेत्र में डोलोमाइट का अवैध खनन एक गंभीर समस्या बन गया है। जिले में डोलोमाइट की 30 से अधिक खदानें हैं। इनमें खनिज का उत्खनन करने बारूद का इस्तेमाल किया जाता है। खनन के लिए आए दिन होने वाले विस्फोट से अंचल के ग्रामीणों में दहशत हैं। आलम ये हैं कि वे पलायन करने विवश हो रहे हैं।

रात में किए जाते हैं विस्फोट

सूत्रों के अनुसार,जिस फर्म को क्षेत्र की खदान आवंटित की गई है। उसका रकबा सिर्फ एक हेक्टेयर है,जबकि वह इससे कहीं अधिक इलाके में खनन कर रहा है। अंचल में डोलोमाइट अच्छी गुणवत्ता वाला है लेकिन इसकी चट्टाने गहराई में व कठोर किस्म की हैं। इन्हें तोडने रात में विस्फोट किए जाते हैं। जो किसी भी नींद उड़ाने के लिए काफी हैं। अंचल में अवैध खनन के लिए ही इस तरह के विस्फोट ने लोगों की रातों की नींद छीन ली। वहीं विस्फोट से उछलने वाले पत्थरों से खतरा भी हमेशा बना रहता है।

अवैध खनन को लेकर जिम्मेदार बेपरवाह

जिले में डोलोमाइट की 30 खदानें लीज पर हैं। इनके अलावा आधा दर्जन नए ब्लॉक बनाकर इन्हें भी लीज पर दिए जाने की तैयारी है। दरअसल,कटनी जिला खनिज संपदा से समृद्ध है। सरकार को सर्वाधिक खनिज राजस्व भी इसी जिले से मिलता है। अकेले रेत खनन लीज से ही सरकार को हर साल 70 करोड़ रुपए व मुख्य व गौड़ खनिजों से 165 करोड़ रुपए के राजस्व प्राप्ति हो रही है। जिले में डोलामाइट की 32,मार्बल की 35 व अन्य गौण खनिजों की 75 खदाने हैं। इनके अलावा इमलिया गांव में गोल्ड अयस्क होने का पता चल चुका है।

जिले में 310 खदानें

खनिज विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिले में 310 मुख्य व गौड़ खनिज की खदानें हैं। इनमें से वर्तमान में चालू हालत में सिर्फ 170 खदानें ही हैं। शेष 140 को अबतक स्वीकृति का इंतजार है। अकेले जिले में 30 से अधिक खदानें डोलोमाइट की हैं। इनमें ज्यादातर खदानें जमुनिया,माल्हुन व गुढ़ा क्षेत्र में है। बताया जाता है कि यहां की कुछ खदानों की लीज हाल ही में मेसर्स एक्सीलेंस नामक फर्म को ट्रांसफर की गई हैं। हालांकि यही फर्म पहले भी पेटी कांट्रेक्ट पर यहां खनन का काम करती रही है।

शुद्धता ने बढ़ाई स्पर्धा

कटनी जिले में चूना पत्थर बड़ी मात्रा में पाया जाता है। वहीं जमुनिया क्षेत्र के चूना पत्थर में मैग्नीशियम की मात्रा 40 प्रतिशत से अधिक है। यह इलाका एक प्रकार से शुद्ध डोलोमाइट के लिए पहचाना जाता है। इसके चलते डोलोमाइट खनिज कारोबारियों में इस अंचल में खदान पाने को लेकर हमेशा स्पर्धा होती है। आर के अग्रवाल नामक फर्म इस अंचल में लंबे समय से कारोबार कर रही है। जो बदले हुए नामों के साथ खदान की लीज पाती रही है। नया मामला सिर्फ एक हेक्टेयर की लीज पाकर इससे कई गुना अधिक क्षेत्र में उत्खनन का है।

सांठगांठ से अवैध खनन को मिला बढ़ावा

सूत्रों के मुताबिक, जिले में आवंटित लीज से अधिक खनन, बताई गई क्षमता से अधिक भंडारण सबकुछ धड़ल्ले से जारी है। जिसे खनिज निरीक्षकों से सांठगांठ कर अंजाम दिया जा रहा है। इस तरह के कई मामले सामने आने पर खनिज निरीक्षक पवन कुशवाहा समेत कुछ कर्मचारी पहले भी निलंबित हुए लेकिन इस कार्यवाही के बावजूद उनकी कार्यशैली में कोई बदलाव नहीं आया। वहीं डोलोमाइट के अवैध खनन को लेकर जिले के खनिज अधिकारी रत्नेश दीक्षित का कहना है कि कुछ जगह खदानों का सीमांकन नहीं होने से इस तरह की शिकायतें सामने आई हैं। विभाग जल्द ही डीजीपीएस मशीन से सीमांकन कराएगा। यह काम इसी माह पूरा होने की संभावना है।

दमोह के समीप रेल हादसा, ट्रेनों की गति पर लगा विराम

बीना की तरफ जा रही पार्सल ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरे

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल के कटनी-बीना रेलखंड के दमोह के समीप रविवार की दोपहर को एक बड़ा रेल हादसा हो गया है। यहां पर एक पार्सल ट्रेन के 4 डिब्बे पटरी से उतर गये, कई डिब्बे तो बिजली के पोल को तोड़ते हुए गिरे, इस घटना से इस रेलखंड की दोनों लाइनों अप व डाउन पर यातायात बाधित हो गया है। ट्रेनों को पिछले स्टेशनों पर रोक दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक पार्सल ट्रेन बीना की ओर जा रही थी, तभी यह दमोह के पास अचानक पटरी से उतर गयी, इसके चार डिब्बे पटरी से उतर गये हैं, इस घटना से रेलवे के बिजली खंभों, स्लीपरों को काफी नुकसान पहुंचा है, साथ ही सिग्नलिंग व्यवस्था को भी नुकसान पहुंचा है।

इनका कहना

दमोह के समीप पार्सल ट्रेन के पटरी से उतरने की घटना हुई है, प्रशासन यातायात सुधार कार्य में लगा है, शीघ्र ही यहां से यातायात बहाल कर दिया जायेगा, तीसरी लाइन से भी ट्रेनों को चलाया जा रहा है।

बीएन गुप्ता, जनसंपर्क अधिकारी, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

जबलपुर से पहुंचे अधिकारी

बताया जाता है कि इस घटना की खबर तत्काल ही जबलपुर में वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद डीआरएम सहित अन्य अधिकारी मौके के लिए रवाना होने गये और मौके पर पहुंच गये। रेल संचालन घंटों बंद रहने का अंदेशा-बताया जाता है कि इस घटना के बाद ओएचई (ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन), सिग्नल को काफी नुकसान पहुंचा है, जिससे अप व डाउन दोनों लाइनों पर यातायात बाधित है। ट्रेनों को पिछले स्टेशनों पर रोका गया है, यातायात बहाल करने में कई घंटे लगने की संभावना जताया जा रहा है. वहीं ट्रेनों को तीसरे लाइन से निकालने की तैयारी की जा रही थी।

इंटरलॉकिंग कार्य : 26 ट्रेनें रद्द

जबलपुर, देशबन्धु। गर्मियों की छुट्टियों में ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों की परेशानियां अगले कुछ सप्ताह तक बढ़ाने जा रही है। उत्तर पूर्व रेलवे के गोरखपुर मंडल में तीसरी लाइन के इंटरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है। इसके चलते कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा। कई ट्रेनें अलग-अलग तारीख में रद्द की गई हैं।

उल्लेखनीय है कि इंटरलॉकिंग कार्य के चलते पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर व भोपाल मंडल से गुजरने वाली करीब 26 ट्रेनों को अलग-अलग दिनों में कैंसिल किया गया है। रेलवे मंडल की तरफ से जारी सूचना के अनुसार ये ट्रेनें 17 अप्रैल से लेकर 7 मई तक अलग अलग दिनों में निरस्त रहेंगी।

खेत में रखी फसल में लगी आग, 17 ट्रॉली गेहूं और तीन ट्रॉली अरहर जलकर राख

शहडोल, देशबन्धु। जिले में तापमान लगातार बढ़ रहा है। शहर का पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। अधिक गर्मी के कारण जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आग लगने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। अब ब्यौहारी थाना क्षेत्र में खलिहान में रखी हुई फसल, जिसमें 17 ट्रॉली गेहूं और तीन ट्रॉली अरहर शामिल थीं, जलकर राख हो गई है। इस घटना से प्रभावित किसान रामबाबू सिंह गोंड और रामगणेश सिंह गोंड को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस के अनुसार, यह घटना सेमरपाखा के रंगीटोला में हुई, जहां खेत में काम कर रहे दोनों भाइयों ने अचानक खलिहान में धुआं उठता देखा। घटनास्थल पर पहुंचे दोनों भाई और आसपास के निवासियों ने आग को बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से फैल गई और विकराल रूप ले लिया। दमकल विभाग को सूचना दी गई, लेकिन जब तक दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे तब तक आग ने पूरी फसल को राख में बदल दिया।

किसान रामबाबू सिंह गोंड ने कहा, हमने इस फसल पर कड़ी मेहनत की थी। यह हमारी आजीविका का महत्वपूर्ण हिस्सा थी। अब हम नहीं जानते कि अगली फसल कब होगी और हम अपने परिवार का पालन-पोषण कैसे करेंगे। आग किसने लगाई या कैसे लगी, पुलिस इसकी जांच कर रही है।

अतिथि विद्वानों को जल्द मिलेगी नियुक्ति

नई शिक्षा नीति में बदलाव के बाद मिले संकेत

जबलपुर, देशबन्धु। शहर के साथ प्रदेश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में सत्र 2025-26 से नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक पाठ्यक्रमों में अध्यादेश 14-1 लागू किया जा रहा हैं। जिसके अंतर्गत कई महत्वपूर्ण बदलाव होंगे। इस संबंध में विश्वविद्यालयों को सुझाव दिए जा रहे हैं। शासन ने शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए सत्र 2025-26 से विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में नई शिक्षा नीति लागू करने का निर्णय लिया है। इस नीति के तहत, स्नातक पाठ्यक्रमों में बदलाव होंगे। जिससे छात्रों को बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसर मिलेंगे। यह नीति छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से लाई जा रही है, जिससे उनके भविष्य को और बेहतर बनाया जा सके। इसके लिए विश्वविद्यालय में विद्वान की नियुक्ति, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा दी गई सुविधाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान दिया जा रहा है।

मांगे गए सुझाव

उच्च शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों से इस नई नीति के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों और संभावनाओं पर सुझाव मांगे हैं। इस संबंध में बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में यूनिवर्सिटीज के प्राध्यापकों ने अपनी राय और सुझाव साझा किए। विद्वान का कहना था कि जब तक विश्वविद्यालय में आवश्यक शिक्षक नहीं होंगे, तब तक इस नई शिक्षा नीति का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन करना मुश्किल होगा।

अन्य विषय भी पढ़ सकेंगे छात्र

प्राध्यापकों का कहना है कि इस नई नीति के तहत, जैसे कि बीकॉम के छात्र अब विज्ञान और गणित जैसे विषय भी पढ़ सकेंगे, इसके लिए विश्वविद्यालय में आवश्यक विद्वान की नियुक्ति की जाए। इसके साथ ही, कुछ कॉलेजों में विद्वान की कमी को देखते हुए, विद्वान की नियुक्ति की प्रक्रिया को तेज किया जाए। कई विश्वविद्यालय तो ऐसे विषय हैं जिनमें नियमित शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, ऐसे में विश्वविद्यालय को अतिथि विद्वान की नियुक्ति पर विचार करना चाहिए।

अतिथि विद्वान की नियुक्ति

नई शिक्षा नीति के तहत, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्रों की बढ़ती संख्या और शिक्षा के स्तर को बनाए रखने के लिए अतिथि विद्वान की नियुक्ति की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने सुझाव मांगा है कि विश्वविद्यालयों में जिन विषयों में शिक्षक नहीं हैं, वहां अतिथि शिक्षक रखे जाएं।

विषय चुनने में होगी आसानी

नई शिक्षा नीति में जो प्रमुख बदलाव किए गए हैं, उनमें से एक महत्वपूर्ण पहल यह है कि अब छात्रों को विषयों का चयन करने में अधिक स्वतंत्रता मिलेगी। जैसे बीकॉम के छात्र अब गणित और विज्ञान के विषय भी पढ़ सकते हैं। इससे छात्रों को कई नए अवसर मिलेंगे और वे अपनी रुचि और करियर के हिसाब से पाठ्यक्रम को चुन सकेंगे।

J.B.F.A.
जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 138
मुर्गा मीडियम - रु. 130
मुर्गा बड़ा - रु. 114
मुर्गा जम्बो - रु. 114
मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 110
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 126
छोटा ब्रॉयलर - रु. 134
मोबाइल नं. 9300692405